वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

• वर्ष 8 • अंक 190 • हिन्दी दैनिक • नई दिल्ली बुधवार 23 सितंबर 2020 • पृष्ठ 8 • मूल्य 1 रूपया • डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

अनाज, तिलहन, खाद्य तेल, प्याज एवं आलू सूची से बाहर

आवश्यक वस्तु संशोधन विधेयक-2020 को संसद ने दी मंजूरी

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली , 22 सितंबर । संसद ने अनाज, तिलहनों, खाद्य तेलों, प्याज एवं आलू को आवश्यक वस्तुओं की सूची से बाहर करने के प्रावधान वाले एक विधेयक को मंगलवार को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने इससे संबंधित आवश्यक वस्तु विधेयक को चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे 15 सितंबर को ही पारित कर चुकी है।

यह विधेयक कानून बनने के बाद इससे संबंधित अध्यादेश का स्थान लेगा। इस विधेयक का मकसद निजी निवेशकों की कुछ आशंकाओं को दूर करना है। व्यापारियों को अपने कारोबारी गतिविधियों में अत्यधिक नियामक हस्तक्षेप को लेकर चिताएं बनी रहती हैं।

सरकार पहले ही कह चुकी है कि उत्पादन, उत्पादों को जमा करने, आवागमन, वितरण एवं आपूर्ति की स्वतंत्रता से बड़े स्तर पर अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा तथा कृषि क्षेत्र में निजी एवं विदेशी प्रत्यक्ष निवेश आर्किषत होगा। विधेयक पर हुई संक्षिप्त चर्चा का जवाब देते हुए उपभोक्ता मामलों तथा खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे ने कहा कि कानून के जरिये स्टॉक की सीमा

थोपने से कृषि क्षेत्र में निवेश में अड़चनें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि साढ़े छह दशक पुराने इस कानून में स्टॉक रखने की सीमा राष्ट्रीय आपदा तथा सूखे की स्थिति में मूल्यों में भारी वृद्धि जैसे आपात हालात उत्पन्न होने पर ही लागू की जाएगी। विधेयक में प्रसंस्करणकर्ताओं और मूल्यवर्द्धन करने वाले पक्षों को स्टॉक सीमा से छूट दी गयी है। दानवे ने कहा कि इस कदम से कृषि क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा तथा अधिक भंडारण क्षमता सृजित होने से फसलों की कटाई पश्चात होने वाले नुकसान को कम किया जा सकेगा। उन्होंने कहा, यह संशोधन किसानों एवं उपभोक्ताओं दोनों के पक्ष में है।'' विधेयक पर हुई संक्षिप्त चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा के गोपाल नारायण ड्क्षसह ने कहा कि इस विधेयक के कानून बनने के बाद कृषि क्षेत्र में पूंजी निवेश बढ़ेगा तथा कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इन सब प्रावधानों से किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने किसानों के हितों और उनकी आय बढ़ाने के लिए कई कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के प्रावधानों से किसानों की आय 2022 तक दोगुनी करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। अन्नाद्रमुक के एस आर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि सरकार जो संशोधन लेकर आयी है उससे आवश्यक वस्तुओं के बढ़ते दामों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

दिल्ली विधानसभा पैनल के नोटिस के खिलाफ SC पहुंचे FB इंडिया प्रमुख

(विशेष संवाददाता)

नईदिल्ली । दिल्ली दंगों के मामले में विधानसभा पैनल के नोटिस के खिलाफ फेसबुक इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट अजीत मोहन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले की सुनवाई कोर्ट बुधवार को करेगा। दिल्ली विधानसभा के शांति और सद्भाव पैनल ने अजीत मोहन को नोटिस जारी किया है। विधानसभा के पैनल ने बीते मंगलवार को फेसबुक पर लगे आरोपों की सुनवाई के दौरान उसका कोई प्रतिनिधि पेश नहीं होने पर उसे अंतिम नोटिस जारी किया था। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक और पैनल के अध्यक्ष राघव चड्ढा ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान कहा था कि फेसबुक के किसी प्रतिनिधि का समिति के सामने पेश नहीं होना, न केवल विधानसभा की अवमानना है बल्कि दिल्ली के दो करोड़ लोगों का अपमान भी है। पैनल ने फेसबुक इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट तथा प्रबंध निदेशक अजीत मोहन को नोटिस भेजकर देश में कथित रूप से घृणास्पद सामग्री पर रोक लगाने के लिए जानबूझकर कोई कार्रवाई नहीं करने की शिकायतों के संबंध में पेश होने के लिए कहा था। फेसबुक के वकील ने पैनल के नोटिस के जवाब में कहा था कि चूंकि, मामला संसद के समक्ष विचाराधीन है। ऐसे में इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इस पर राघव चड्ढा ने फेसबुक पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, %%पैनल के समक्ष पेश होने में फेसबुक की नाकामी दर्शाती है कि वह दिल्ली दंगों में अपनी भूमिका छिपाना चाहता है। चड्ढा ने पैनल के सदस्यों के साथ विचारविमर्श के बाद फेसबुक को अंतिम नोटिस जारी करने का फैसला किया था।

कामकाज के बदलते परिवेश में श्रम कानूनों में संशोधन को जरूरी

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 22 सितंबर । केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री संतोष कुमार गंगवार ने कामकाज के बदलते परिवेश में श्रम कानूनों में संशोधन को जरूरी बताते हुए मंगलवार को कहा कि सरकार की तरफ से लाए गए विधेयकों से श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी। लोकसभा में मंगलवार को उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020 और सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 को चर्चा एवं पारित कराने के लिए रखते हुए गंगवार ने कहा कि किसी भी व्यवस्था को समय के साथ गतिशील एवं परिवर्तनशीन नहीं रखा गया तो वह बदलते परिवेश में निष्प्रभावी हो सकती है। इसी सिद्धांत को लेकर श्रम कानूनों में संशोधन किया जा रहा है। किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस समेत कुछ विपक्षी दलों द्वारा सदन की कार्यवाही के बहिष्कार के बीच उक्त विधेयकों पर चर्चा शुरू हुई। विधेयक रखते हुए गंगवार ने कहा कि कई ऐसे कानून थे जो 50 साल पुराने हो गए थे, उनमें बदलाव

की जरूरत थी। नए संशोधनों से श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी। मंत्री ने कहा कि आजाद भारत के 73 वर्षो की यात्रा में आज के समय में कामकाज के वातावरण में अप्रत्याशित परिवर्तन हो गया है। बदले हुए कार्य जगत में दुनिया के कई देशों ने श्रम कानूनों में बदलाव किया है। अगर हम श्रम कानूनों में समय रहते बदलाव नहीं करते हैं तो श्रमिकों के कल्याण और विकास के उद्देश्य को पूरा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने सदस्यों से इन संहिताओं को पारित कराने की अपील करते हुए कहा कि जरूरी सेवाओं से जुड़े श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया गया है। गंगवार ने कहा कि 44 कानूनों के संबंध में चार श्रम संहिता बनाने की प्रक्रिया में बहुत व्यापक स्तर पर चर्चा की गई। निचले सदन में चर्चा की शुरुआत करते हुए भाजपा के पल्लब लोचन दास ने कहा कि इन विधेयकों के रूप में इतिहास बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इतने कानून रहने के बाद भी श्रमिकों की गरिमा को उस स्तर पर नहीं रखा जा सका जिस स्तर पर होनी चाहिए थी। इसलिए इन संहिताओं की जरूरत थी। दास ने कहा कि इन नए संशोधनों से श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

प्रधानमंत्री मोदी आज 7 राज्यों के मुख्यमंत्रियों से करेंगे बात

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोविड की उच्च दर वाले 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कोविड से निपटने के उपाय और प्रबंधन की स्थिति तथा तैयारियों के बारे में कल 23 सितम्बर, 2020 को मुख्यमंत्रियों और स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करेंगे। ये राज्य और केन्द्र शासित प्रदेश हैं महाराष्ट्र, कर्नाटक, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश तथा पंजाब। देश में कोविड के 63 प्रतिशत से भी अधिक सक्रिय मामले इन सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से ही हैं।

इसके अलावा कुल पुष्ट मामलों का 65 दशमलव 5 प्रतिशत और कुल मौतों का 77 प्रतिशत भी इन्हीं राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। अन्य पांच राज्यों के साथसाथ पंजाब और दिल्ली में हाल ही में कुल मामलों की संख्या में काफ़ी तेज़ वृद्धि दर्ज की गई है। महाराष्ट्र, पंजाब और दिल्ली में मृतकों की संख्या भी काफ़ी बढ़ी है, इन राज्यों में मृत्यु दरसीएफआर 2.0 प्रतिशत से अधिक है, जो कि मृत्यु दर का उच्च औसत हैं। पंजाब और उत्तर प्रदेश के अलावा, उनकी सकारात्मकता दर राष्ट्रीय औसत 8.52 प्रतिशत से अधिक है। केंद्र सरकार, देश में कोविड के खिलाफ लड़ाई में राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों की सरकारों के साथ प्रभावी सहयोग और समन्वय के साथ उनका नेतृत्व कर रही है। केंद्र सरकार उनकी स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार सहायता कर रही है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स नई दिल्ली के सहयोग से किए गए ईआईसीयू टेली परामर्श के माध्यम से आईसीयू का संचालन करने वाले डॉक्टरों की नैदानिक प्रबंधन क्षमताओं को काफी हद तक बेहतर किया गया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ उच्च स्तर की समीक्षा ने अस्पतालों तथा कोविड स्वास्थ्य सुविधाओं में चिकित्सा ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की है।

कृषि विधेयकों पर संसद से सड़क तक कांग्रेस का बवाल

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 22 सितंबर । कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर नए कृषि विधेयकों के माध्यम से किसानों को जड़ से खत्म करने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर उसकी मांग माने जाने तक संसद की कार्यवाही का बहिष्कार जारी रहेगा।

पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कृषि संबंधी विधेयकों को लेकर एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि किसानों को जड़ से साफ करके कुछ पूंजीपतियों का विकास करने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने ट्वीट किया कि 2014 में मोदी जी का चुनावी वादा किसानों को स्वामीनाथन आयोग वाला एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) दिलाने का था। साल 2015 में मोदी सरकार ने अदालत में कहा कि उनसे ये न हो पाएगा। 2020 में काले क़ानून' लाए गए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, मोदी जी की नीयत साफ़', कृषिविरोधी नया प्रयास, किसानों को करके जड़ से साफ़, पूंजीपति मित्रों' का ख़ूब विकास।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, राज्यसभा की हमेशा से परंपरा रही है कि कोई भी विधेयक शोरशराबे में पारित नहीं कराया जाता। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि करोड़ों किसानों से संबंधित विधेयकों को मतदान के बगैर पारित किया गया। विपक्ष की ओर से दिए गए संशोधनों पर भी कोई मतदान नहीं हुआ।'' राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष के मुताबिक, हमने कल राष्ट्रपति जी को लिखा है कि जो विधेयक पारित हुए हैं उनमें प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। ऐसे में वह इनको स्वीकृति नहीं दें।'' उन्होंने कहा, एमएसपी को लेकर हमारी तीन शर्तें हैं। पहली यह कि सदन में एक और विधेयक लाया जाए या फिर प्रधानमंत्री अथवा कृषि मंत्री सदन में बयान दें कि एमएसपी से कम खरीद को गैर कानूनी बनाया जाएगा। दूसरी बात यह है कि स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के आधार पर एमएसपी का सी 2 फार्मूला लागू हो।''

भारत-चीन और सैनिकों की तैनाती न करने संपर्क मजबूत बनाने पर हुए सहमत

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सोमवार को भारतचीन के बीच हुई कोर कमांडर स्तर की वार्ता के बाद संयुक्त बयान जारी किया गया है। भारतचीन के इस संयुक्त बयान में बताया गया है कि दोनों देशों के बीच एलएसी के हालात को स्थिर करने पर चर्चा हुई है। इसके अलावा, दोनों ने और अधिक सैनिकों की तैनाती नहीं करने पर सहमति जताई है। एलएसी पर अप्रैल महीने से तनाव की स्थिति कायम है, जिसे कम करने के लिए सोमवार को छठे दौर की बातचीत हुई थी। कोर कमांडर स्तर की छठे दौर की वार्ता के बाद भारत चीन ने संयुक्त बयान जारी कर कहा, 21 सितंबर को, भारत और चीन के वरिष्ठ कमांडरों के बीच कोर कमांडर स्तर की छठवें दौर की बैठक को आयोजित किया गया। उनके बीच

एलएसी के हालातों को स्थिर करने को लेकर स्पष्ट और गहन विचार विमर्श साझा हुए। संयुक्त बयान में आगे कहा गया, भारत और चीन की सेनाएं आपस में संपर्क मजबूत करने और गलतफहमी तथा गलत निर्णय से बचने पर सहमत हुई हैं। इसके अलावा, दोनों पक्ष अग्रिम मोर्चे पर और अधिक सैनिक न भेजने, जमीनी स्थिति को एकतरफा ढंग से न बदलने पर सहमत हुए हैं। बयान में आगे कहा गया कि भारतीय और चीनी सेना ऐसी किसी भी कार्रवाई से बचने के लिए सहमत हैं जो स्थिति को जटिल बना सकती हैं। भारत और चीन के बीच सोमवार को कोर कमांडर स्तर की बातचीत तकरीबन 13 घंटे तक चली। इस दौरान, पूर्वी लद्दाख में अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित टकराव बिंदुओं के पास तनाव कम करने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। वहीं, सरकारी सूत्रों ने न्यूज एजेंसी भाषा को बताया था कि वार्ता के दौरान भारतीय पक्षों ने सभी टकराव बिंदुओं से चीनी बलों को शीघ्र एवं पूरी तरह हटाए जाने पर जोर दिया। भारत ने इस बात पर भी जोर दिया कि तनाव कम करने के लिए पहले कदम चीन को उठाना है।

ऐसा समझा जाता है कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 10 सितंबर को मॉस्को में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के इतर विदेश मंत्री एस जयशंकर तथा उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच हुए समझौते को निश्चित समयसीमा में लागू करने पर जोर दिया गया था। कोर कमांडर स्तर की छठे दौर की यह वार्ता पूर्वी लद्दाख में भारत के चुशूल सेक्टर में एलएसी के पार मोल्डो में चीनी क्षेत्र में सुबह करीब 10 बजे शुरू हुई।

सैक्सवर्करों को सूखा राशन और नकदी हस्तांतरण करें सरकार

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र और राज्य सरकारों को दिया आदेश

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 22 सितंबर । सुप्रीम कोर्ट ने कोविड19 महामारी के दौरान यौनर्किमयों की परेशानियों का मंगलवार को संज्ञान लेते हुये केन्द्र और सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया कि वे उन्हें पहचान का सबूत पेश करने पर जोर दिये बगैर ही मासिक सूखा राशन देने और नकदी हस्तांतरण के तरीकों के बारे में उसे अवगत करायें।

न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता की पीठ ने कहा कि एक गैर सरकारी संगठन द्वारा यौनर्किमयों की समस्याओं को लेकर दायर जनहित याचिका में उठाये गये मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। पीठ ने कहा, अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल आर एस सूरी और राज्य सरकारों की ओर से पेश अधिवक्ताओं को निर्देश दिया जाता है कि वे यौनर्किमयों को पहचान का सबूत दिये बगैर ही उनमें सूखे राशन के वितरण

और नकदी हस्तांतरित करने के तरीकों के बारे में आवश्यक निर्देश प्राप्त करें।'' गैर सरकारी संगठन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद ग्रोवर ने कहा कि आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना में 1.2 लाख यौनर्किमयों के बीच किये गये सर्वे से पता चला कि महामारी की वजह से इनमें से 96 फीसदी अपनी आमदनी का जरिया खो चुकी हैं। इस मामले में नियुक्त न्याय मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता जयंत भूषण ने कहा कि यौनर्किमयों को पहचान का सबूत पेश करने पर जोर दिये बगैर ही उन्हें राशन देकर इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। शीर्ष अदालत गैर सरकारी संगठन दरबार महिला समन्वय समिति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में कहा गया है कि कोविड19 महामारी की वजह से यौनर्किमयों की स्थिति बहुत ही खराब हो गयी है। याचिका में देश में नौ लाख से भी ज्यादा यौनर्किमयों के लिये राहत के उपाय करने का अनुरोध किया गया है। याचिका में कहा गया है कि यौनर्किमयों को भी संविधान के अनुछेद 21 के तहत गरिमा के साथ जीने का अधिकार है और उनकी समस्याओं पर भी ध्यान देने की जरूरत है। याचिका में कहा गया है कि कोविड19 महामारी की वजह से यौनकर्मी सामाजिक लांछन के कारण अलगथलग हैं और ऐसी स्थिति में उन्हें सहयोग की आवश्यकता है।

भारत में 24 घंटों में 1 लाख से अधिक मरीज कोरोना से मुक्त हुए

भारत ने एक दिन में सबसे अधिक मरीजों के स्वस्थ होने का रिकॉर्ड बनाया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । इसके साथ ही कोविड संक्रमण से मुक्त होने वालों की कुल संख्या लगभग 45 लाख (44,97,867) हो गई है। इसके परिणामस्वरूप देश में मरीज़ों के ठीक होने की दर 80 दशमलव 86 प्रतिशत तक पहुंच गई है। ठीक होने वाले नए मामलों में से 79 प्रतिशत मामले दस राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। ये हैं महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा, दिल्ली, केरल, पश्चिम बंगाल और पंजाब। महाराष्ट्र 32,000 (31 दशमलव 5 प्रतिशत) से अधिक नए ठीक हुए रोगियों के साथ पहले स्थान पर है। आंध्र प्रदेश में 10,000 से अधिक मरीज़ स्वस्थ हुए हैं। रोगियों के स्वस्थ होने की बढ़ती दर और संख्या की ऐतिहासिक उपलब्धि ने भारत को विश्व स्तर पर शीर्ष स्थान पर पंहुचा दिया है।

देश में टेस्ट, ट्रैक और ट्रीट की रणनीति बेहद कारगर साबित हुई है, इसी के परिणाम स्वरुप देश में कोविड से स्वस्थ होने की दर लगातार बढ़ रही है। केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए प्रभावी नैदानिक प्रबंधन और उपचार प्रोटोकॉल में समयसमय पर नए चिकित्सा और वैज्ञानिक अनुभवों के उद्भव के साथ अद्यतन किए गए हैं।

केंद्र सरकार ने अनुसंधानात्मक उपचार के तर्कसंगत उपयोग के लिए भी अनुमति दी है, जैसे कि रेम्डेसेविर, प्लाज्मा थेरेपी और टोसीलिज़ुमाब। प्रोनिंग, हाई फ्लो

ऑक्सीजन, नॉनइनवेसिव वेंटिलेशन, स्टेरॉयड और एंटी कोगुलंट्स के उपयोग जैसे उपायों को अपनाने से कोविड रोगियों में ठीक होने की दर उच्च हुई है। इन सब के अलावा कुछ अन्य उपाय भी किए जा रहे हैं, जिनमें हल्के और मध्यम मामलों के लिए घर पर ही आइसोलेशन की सुविधा ने प्रभावी कोविड प्रबंधन को बेहतर किया है। शीघ्र और समय पर पर्याप्त उपचार उपलब्ध कराने और रोगियों को लाने ले जाने के लिए एम्बुलेंस सेवाओं में सुधार किया है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, एम्स नई दिल्ली के साथ मिलकर सक्रिय सहयोग में नेशनल ई आईसीयू ऑन कोविड19 प्रबंधन अभ्यास आयोजित कर रहा है, जो उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के अस्पतालों के आईसीयू डॉक्टरों को परामर्श प्रदान करता है। सप्ताह में दो बार, मंगलवार और शुक्रवार को आयोजित होने वाले, इन टेलीपरामर्श सत्रों ने भारत में मरीज़ों के ठीक होने की दर में वृद्धि और सकारात्मक मामले की घटती दर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब तक देश भर के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 278 अस्पतालों के लिए 20 ऐसे राष्ट्रीय ई आईसीयू सत्र आयोजित किए गए हैं। केंद्र, राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों के प्रयासों का समर्थन और उनकी सहायता करने के लिए विभिन्न दलों की नियुक्ति कर रहा है। नियमित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकों ने देश भर के अस्पतालों और स्वास्थ्य सुविधाओं में चिकित्सा ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की है। सभी के संयुक्त प्रयासों से ही भारत में रोगियों के ठीक होने की दर बढ़ी है और मृत्यु दर न्यूनतम पर बनी हुई है जो वर्तमान में 1.59 प्रतिशत है।

डायन बताकर महिलाओं ने ही महिला का बाल मुंडवाया

सिमडेगा (झारखंड) 22 सितंबर । झारखंड के सिमडेगा जिले में महिलाओं द्वारा ही पंचायत कर गांव की एक महिला को डायन बताकर उसके बाल मुंडवाने और फिर उसे पूरे गांव में जबरन घुमाने का मामला सामने आया है। इस घटना की मिलते ही पुलिस ने मंगलवार को त्वरित कार्रवाई कर इस घटना में शामिल आधा दर्जन महिलाओं समेत नौ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सिमडेगा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ.शम्स तबरेज ने आज शाम यहां एक संवाददाता सम्मेलन कर बताया कि जिले के कोलेबिरा प्रखंड के गंझूटोली में घटी उक्त घटना में शामिल नौ लोगों को आज गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में छह महिलाएं, दो पुरुष एवं एक 15 वर्षीय लड़का भी शामिल है। उन्होंने कहा कि पुलिस ऐसे मामलों में सख्त से सख्त कार्रवाई करने के प्रति प्रतिबद्ध है। अधिकारी के मुताबिक 19 सितंबर को महिलाओं ने ही पंचायत कर गांव की एक महिला को डायन बताकर उसके बाल मुंडवा दिये और फिर उसे पूरे गांव में जबरन घुमाया। इन लोगों ने कुछ दिनों पूर्व गांव में एक व्यक्ति की मौत के लिए उक्त महिला को दोषी ठहराया और कथित तौर पर एक आदिवासी पाहन (झाडफ़ूंक करने वाला) के बहकावे में आकर उक्त महिला की इस प्रकार प्रताडऩा की। पुलिस को इस घटना की जानकारी सोमवार की शाम को प्राप्त हुई। इसके बाद पीड़ित महिला की लिखित शिकायत पर पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिक दर्ज कर मंगलवार शाम तक उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

एक नजर

त्योहारी मौसम में चीन को लगेगा 40 हजार करोड़ का झटका

नई दिल्ली। कहते हैं, भारतीय जो एक बार ठान लेते हैं, वह कर के दिखाते है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर लोगों ने चीनी वस्तुओं के बहिष्कार का जो संकल्प लिया, उसे पूरा करने की दिशा में काम शुरू हो गया है। तभी तो इस साल अप्रैल से अगस्त के बीच चीन से होने वाले आयात में 27.63 फीसदी की कमी आई है। यह तो बानगी है। असली झलक तो दिवाली के आसपास दिखेगी। यह कहना है छोटे व्यापारियों के संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का। कैट का कहना है कि भारत ने चीन और चीनी सरकार के मुख पत्र ग्लोबल टाइम्स को आइना दिखा दिया है। उनके लंबे चैड़े दावों के बावजूद, अप्रैल से अगस्त तक की अवधि में चीन से आयात में उल्लेखनीय कमी आई है। यह कमी चीनी अखबार ग्लोबल टाइम्स के मुंह पर जोरदार तमाचा है। क्योंकि, इसी ग्लोबल टाइम्स ने लिखा था कि चीन के सामान के आयात कम करने की भारत की हैसियत नहीं है। बीते 10 जून से ही कैट भारत में चीनी वस्तुओं के बहिष्कार का एक बड़ा अभियान चला रहा है, जिसकी सफलता इस कमी से दिखाई देती है। कल ही संसद में यह जानकारी दी गई कि अप्रैल से अगस्त के दौरान चीन से भारत का आयात 27.63 प्रतिशत घट गया है।

कन्फर्म रेलवे सीट न मिलने पर कर सकेंगे विमान से सफर

नई दिल्ली। देश में रेलवे से टिकट बुक करने के बाद आपको कन्फर्मेशन का इंतजार करना होता है। वहीं आपको टिकट कैंसल भी करनी पड़ती है, जिसकी वजह से यात्रियों के सफर पर असर पड़ता है। मुंबई स्थित स्टार्टअप रेलोफाये ने भारत की पहली वेटलिस्ट और आरएसी प्रोटेक्शन सेवा शुरू की है, जो भारत में बकाया वेटलिस्ट समस्या से निपट रही है। यात्रियों को लंबा सफर तय करने के लिए फ्लाइट या ट्रेन ही दो विकल्प रहते हैं। लेकिन अक्सर फ्लाइट का टिकट थोड़ा महंगा होने के चलते यात्री ट्रेन से ही सफर करना पसंद करते हैं। इसके बाद आपको चार्ट तैयार होने की प्रतीक्षा करनी पड़ती है और यदि टिकट कन्फर्म नहीं होती है तो यात्रा रद्द करनी पड़ती है। एक यात्री दीपिका अग्रवाल ने बताया, मुंबई से दिल्ली तक सफर करना था और हमारे 6 लोगों के टिकट वेटलिस्ट के थे। हमारे टिकट आखिरी वक्त में भी कन्फर्मेशन नहीं हुए।

रिलायंस जियो ने लॉन्च किए 'जियो पोस्टपेड प्लस' प्लान्स

नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने पोस्टपेड उपभोक्ताओं के लिए एक शानदार प्लान लॉन्च करने की घोषणा की है. जियो भारत में पोस्टपेड यूजर्स के लिए जियो पोस्टपेड प्लस प्लान को लॉन्च किया है. जियो ने जियो पोस्टपेड प्लस के तहत 399 रुपये, 599 रुपये, 799 रुपये, 999 रुपये और 1,499 रुपये वाले पांच नए प्लान लॉन्च किए हैं. कंपनी का कहना है कि लॉन्च किए गए नए जियो पोस्टपेड प्लस सेवा मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को बेहतरीन कनेक्टिविटी के साथसाथ अच्छा मनोरंजन जैसी सेवाएं उपलब्ध कराना है. रिलायंस जियो के डायरेक्टर आकाश अंबानी ने कहा कि जियो पोस्टपेड प्लस को लॉन्च करने के लिए इससे उपयुक्त समय नहीं हो सकता है। इसके अलावा अमेरिका और यूएई में फ्री इंटरनेशनल रोमिंग, इंटरनैशनल रोमिंग के दौरान 1 रुपये में भारत में कॉल और 50 पैसे प्रति मिनट की दर से इंटरनेशनल कॉलिंग की सुविधा ऑफर की जा रही है। प्रीपेड स्मार्टफोन कैटेगरी में करीब 40 करोड़ संतुष्ट ग्राहकों के विश्वास को हासिल करने के बाद कंपनी अब पोस्टपेड कैटेगरी के ग्राहकों के विश्वास को हासिल करना चाहती है।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण के 3,816 नए मामले, कुल संख्या 2.53 लाख के पार

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण का आंकड़ा ढाई लाख के पार हो गया है। दिल्ली में मंगलवार को समाप्त 24 घंटे में कोरोना के 3816 नए मामले सामने आए। इनके साथ कुल मामले 2,53,075 हो गए। इन 24 घंटों में 37 मरीजों की मौत हो गई। अब तक कुल 5051 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 3097 लोग ठीक हुए। अब तक कोरोना संक्रमित होने के बाद स्वस्थ हुए लोगों की संख्या 2,16,401 हो चुकी है। दिल्ली में बीते 24 घंटे में 59,013 टेस्ट हुए। संक्रमण दर 6147 फीसदी (पिछले 24 घंटे के आंकड़े के आधार पर) है। रिकवरी रेट 8515 फीसदी और सक्रिय मरीजों की दर 1215 फीसदी है। दिल्ली में अब कोरोना डेथ रेट 2

फीसदी है और सक्रिय मरीजों की संख्या 31,623 है। होम आइसोलेशन में 18,464 मरीज हैं। दिल्ली में अब तक कुल 26,37,753 टेस्ट हुए। शहर में कन्टेनमेंट जोनों की संख्या 1937 है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि भारत में एक दिन में रिकॉर्ड 1,01,468 लोगों ने कोरोना वायरस को मात दी है और महामारी से उबरे लोगों की संख्या अब लगभग 45 लाख हो गई है। इसके साथ ही स्वस्थ होने वालों की दर बढ़ कर 80186 प्रतिशत हो गई है। मंत्रालय के अनुसार देश में कोविड19 महामारी को मात देकर ठीक हुए लोगों की संख्या अब 44,97,867 हो गई है और इनमें से 79 प्रतिशत लोग नौ राज्यों तथा एक केंद्रशासित प्रदेशमहाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, ओडिशा, दिल्ली, केरल, पश्चिम बंगाल और पंजाब से हैं। महाराष्ट्र महामारी से लोगों के ठीक होने के मामले में लगातार आगे बना हुआ है और इस राज्य में एक दिन में 32 हजार से अधिक लोग (3115 प्रतिशत) ठीक हुए हैं। वहीं, आंध्र प्रदेश में एक दिन में 10 हजार से अधिक लोग ठीक हुए हैं। मंत्रालय ने कहा, ''पिछले चार दिन से लगातार बड़ी संख्या में लोग ठीक हो रहे हैं। अधिकतम लोगों के ठीक होने की भारत की महत्वपूर्ण उपलब्धि ने इसे इस मामले में विश्व का शीर्ष देश बना दिया है।

पांच आईआईआईटी संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा देने वाला विधेयक मंजूर

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 22 सितंबर। संसद ने सार्वजनिक निजी साझेदारी के तहत चल रहे पांच आईआईआईटी संस्थानों को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा प्रदान करने वाले एक अहम विधेयक को मंगलवार को मंजूरी प्रदान कर दी। इस विधेयक के कानून बनने पर ये संस्थान डिग्री जारी कर सकेंगे। राज्यसभा ने मंगलवार को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान विधियां (संशोधन) विधेयक, 2020' को पारित कर दिया। लोकसभा इसे बजट सत्र में ही पारित कर चुकी है। ये पांच आईआईआईटी संस्थान भागलपुर (बिहार), सूरत (गुजरात), रायचुर (कर्नाटक), भोपाल (मध्य प्रदेश) और अगरतला (त्रिपुरा) में स्थापित किये जा चुके हैं। शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने यह विधेयक सोमवार को उच्च सदन में चर्चा के

लिए रखा था। विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा ज्यादातर विपक्षी सदस्यों की अनुपस्थिति में हुयी। कांग्रेस के नेतृत्व में कई विपक्षी सदस्यों ने हंगामे को लेकर आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन समाप्त करने की मांग की है और वे सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने विधेयक पर हुई चर्चा के जवाब कहा कि देश में अभी 25 आईआईआईटी संस्थान हैं, जिनमें से पांच पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा संचालित हैं और 15 सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत संचालित होते हैं। उन्होंने कहा कि हम पहले से ही संचालित पांच संस्थानों को इस कानून के तहत लाने के लिए सदन के सामने प्रस्ताव लाए हैं। इन संस्थानों का परिचालन पहले से ही हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों को विधेयक के दायरे में लाने से वे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान बन जाएंगे और उन्हें डिप्लोमा, डिग्री, पीएचडी आदि जारी करने का कानूनी अधिकार होगा।

केजरीवाल ने कृषि विधेयक पर की सरकार की आलोचना

(वूमेन एक्सप्रेस ब्यूरो)

नई दिल्ली, 22 सितंबर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि 'खतरनाक' कृषि विधेयकों को राज्यसभा में बिना मत विभाजन के पारित कराया गया। इसके साथ ही केजरीवाल ने आठ निलंबित सांसदों की सराहना की। संसद के उच्च सदन में कृषि विधेयक पारित होने के दौरान 'बदसलूकी' करने के लिए आम आदमी पार्टी के संजय सिंह समेत राज्यसभा के आठ सदस्यों को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया था। सिंह के अलावा, तृणमूल के डेरेक ओ ब्रायन, कांग्रेस के राजीव सातव, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के ए करीम और के के रागेश, कांग्रेस के सय्यद नजीर हुसैन और रिपुन बोरेन तथा तृणमूल की डोला सेन को निलंबित किया गया था।

केजरीवाल ने कहा कि यह आठ सांसद, संसद परिसर में गर्मी, मच्छर और अन्य असुविधाओं की परवाह न करते हुए किसानों के हक के लिए लड़ रहे हैं। केजरीवाल ने ट्वीट किया, 'वे अपने लिए कुछ नहीं मांग रहे। वो जनतंत्र और संविधान के लिए लड़ रहे हैं। वे देश के किसानों के लिए संघर्षरत हैं।' उन्होंने कहा कि देशभर के किसान कह रहे हैं कि ये कानून उन्हें खत्म कर देंगे। केजरीवाल ने ट्वीट किया, 'इतने खतरनाक कानूनों को बिना वोटिंग करवाए, संसद से पास घोषित कर दिया? फिर संसद का क्या मतलब, चुनावों का क्या मतलब?अगर इसी तरह कानून पास करवाने हैं तो संसद सत्र क्यों बुलाते हो?' दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने वर्तमान सरकार की तुलना अंग्रेजों से की। उन्होंने ट्वीट किया, 'अंग्रेज हुकूमत ऐसे ही चलाते थे भारत के आम किसान मजदूरों व व्यापारियों पर जुल्म करते थे। उनके खिलाफ काले कानून बनाते थे ताकि और जुल्म कर सकें। फिर जब गांधी जी या अन्य नेता उनसे मिलते थे तो चाय भी पिलाते थे। हमारे हुक्मरान आज भी उसी अंग्रेजी अन्दाज में सरकार चला रहे हैं।' सिसोदिया ने राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश सिंह की ओर इशारा किया जो धरना दे रहे सांसदों के लिए सुबह चाय लेकर गए थे।

मेरी मानो नहीं तो दफा हो वाला रवैया स्वीकार्य नहीं: नायडू

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 22 सितंबर। राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने सदन में विपक्ष के सदस्यों के हंगामे के बीच उप सभापति हरिवंश द्वारा दिखाये गये संयम की सराहना की तथा विरोध कर रहे नेताओं के आचरण को नामंजूर करते हुए कहा मेरी मानो नहीं तो दफा हो' वाला रवैया स्वीकार नहीं किया जा सकता। नायडू ने विपक्ष के नेताओं से राज्यसभा की कार्यवाही का बहिष्कार करने के उनके निर्णय पर पुनर्विचार करने तथा सदन में हो रही चर्चा में हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने विपक्ष के इन आरोपों को खारिज कर दिया कि कृषि संबंधी दो विधेयकों को पारित किए जाने के दौरान मत विभाजन की सदस्यों की मांग पर गौर नहीं किया गया। उन्होंने कहा, लोकतंत्र का अर्थ बहस, चर्चा और निर्णय करना होता है ना कि व्यवधान उत्पन्न करना।'' नायडू ने कहा कि आसन चाहता है कि सदस्यों की पूर्ण भागीदारी के साथ सदन को चलाया

जाए। उन्होंने कहा, यदि कुछ लोगों को लगता है, मेरी मानो, नहीं तो दफा हो जाओ'...तो यह नहीं चल सकता।...मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा। आपके पास संख्या बल है, आपको अपनी सीट पर रहना चाहिए, मत विभाजन की मांग करनी चाहिए।'' सभापति नायडू ने कहा कि रविवार को कृषि संबंधी विधेयकों पर विपक्ष के हंगामे के दौरान उप सभापति हरिवंश ने 13 बार सदस्यों से अपनी सीट पर जाने और चर्चा में भाग लेने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि कार्यवाही के रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि उप सभापति ने हंगामा कर रहे सदस्यों से बार बार कहा कि वे अपने स्थान पर जाएं और उसके बाद वह मत विभाजन की अनुमति देंगे। लेकिन सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई उनके कहा कि यह पहला मौका नहीं है जब सदन में सदस्य निलंबित किए गए हैं। विगत में ऐसे कई उदाहरण हैं। उन्होंने हंगामे में कृषि विधेयकों के पारित होने को लेकर विपक्ष की आपत्ति पर कहा कि यह पहला मौका नहीं था जब विधेयक हंगामे में पारित किए गए। इससे पहले सदन में 15 विधेयक हंगामे में पारित किए गए थे। नायडू ने उप सभापति हरिवंश के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव का जिक्र करते हुए एक बार फिर कहा कि यह उचित प्रारूप में नहीं था और इसके लिए 14 दिन का जरूरी नोटिस भी नहीं दिया गया था। उच्च सदन में रविवार को कृषि संबंधित विधेयक के पारित होने के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने भारी हंगामा किया था। सरकार ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्रायन, डोला सेन, माकपा के इलामरम करीम, के के रागेश, आप के संजय सिंह, कांग्रेस के राजीव सातव, सैयद नजीर हुसैन और रिपुन बोरा को शेष सत्र के लिए निलंबन का एक प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने ध्वनि मत से पारित कर दिया।

कम्पार्टमेंट परीक्षा परिणाम जल्द घोषित करने का सीबीएसई को निर्देश

नई दिल्ली, 22 सितंबर (वेबवार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को 10वीं और 12वीं की कम्पार्टमेंट परीक्षा के परिणाम जल्द घोषित करने का मंगलवार को निर्देश दिया ताकि वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में पास हुए छात्रों को नामांकन मिल सके। न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की पीठ ने सीबीएसई को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के साथ मिलकर परीक्षा परिणाम जारी करने तथा नामांकन के लिए आवेदन करने की तिथियों के बारे में निर्णय लेने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने कहा कि अभी असामान्य परिस्थितियां हैं और सीबीएसई एवं यूजीसी को फिलहाल कम्पार्टमेंट परीक्षा दे रहे बच्चों का भी ध्यान रखना चाहिए। कम्पार्टमेंट परीक्षा आज से शुरू हुई है और 29 सितम्बर तक चलेगी। न्यायालय ने यूजीसी के वकील से कहा कि वह नामांकन के लिए कट ऑफ तारीख के बारे में आयोग से 24 सितम्बर तक निर्देश लेकर आयें। उसके बाद ही वह सीबीएसई को कट ऑफ तारीख से पहले परिणाम जारी करने का निर्देश देगा। छात्र याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तनखा ने दलील दी कि यदि कम्पार्टमेंट परीक्षा में पास होने वाले विद्यार्थियों को नामांकन नहीं मिलता है तो उनका शीर्ष अदालत के समक्ष यह याचिका दायर करने का कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

संसदीय समिति ने जेलों, पुलिस थानों, अदालतों में डिजिटल सुविधाएं बढ़ाने की सिफारिश की

(वूमेन एक्सप्रेस ब्यूरो)

नई दिल्ली, 22 सितंबर। संसद की एक समिति ने कोविड19 महामारी संकट के बीच डिजिटल अदालत को 'नई वास्तविकता' बताते हुए देश की सभी जेलों, पुलिस थानों और अदालतों में वीडियो कांफ्रेंस एवं अन्य डिजिटल सुविधाओं को बढ़ाने एवं संचालित करने की सिफारिश की है। संसद में पेश विधि और न्याय मंत्रालय की अनुदान की मांगों को लेकर समिति द्वारा की गई कार्रवाई संबंधी प्रतिवेदन में कहा गया है कि जेलों में वीडियो कांफ्रेंस की पर्याप्त सुविधा न होना एक बड़ी समस्या है। अधिकतर जेलों में केवल एक ही वीडियो कांफ्रेंस की सुविधा उपलब्ध है जिसके कारण एक ही समय में विभिन्न अदालतों के समक्ष कैदियों की आभासी उपस्थिति एक बड़ी चुनौती

है। रिपोर्ट के अनुसार, गृह सचिव को लिखे पत्र में सचिव (न्याय) ने उनसे अनुरोध किया है कि वे विभिन्न राज्य सरकारों के साथ इस मामले को उठाने के लिये पर्याप्त संख्या में वीडियो कांफ्रेंस की सुविधा स्थापित करें जिनमें इसकी कुछ अतिरिक्त सुविधाएं भी शामिल हों। इसमें कहा गया है, ''समिति को लगता है कि कोविड 19 के संकट ने हमें एहसास करा दिया है कि वर्चुअल अदालत नई वास्तविकता है। जेलों एवं अदालतों में वीडियो कांफ्रेंस और अन्य डिजिटल सुविधाओं का परिचालन एवं संचालन देश में न्याय वितरण संस्थाओं और प्रक्रिया के लिये आवश्यक हो गया है।'' रिपोर्ट के अनुसार, ''समिति देश की सभी जेलों, पुलिस थानों और अदालतों में वीडियो कांफ्रेंस एवं अन्य डिजिटल सुविधाओं को बढ़ाने एवं संचालित करने की सिफारिश करती है।''

विमान के भीतर कोविड संक्रमण की आशंका बेहद कम: आयटा

नई दिल्ली, 22 सितंबर (वेबवार्ता)। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आयटा) ने आज दावा किया कि विमान में कोविड19 संक्रमण की आशंका बेहद कम है। आयटा ने एक अध्ययन रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये यह बात कही है जिसमें बताया गया है कि इस साल मार्च में लंदन से हनोई और बोस्टन से हांगकांग तथा कुछ अन्य उड़ानों में यात्रा के दौरान लोगों के संक्रमित होने के प्रमाण मिले हैं। विमान सेवा कंपनियों के संघ ने कहा कि कोविड19 महामारी फैलने के बाद से उड़ानों की संख्या लाखों में रही है, लेकिन यात्रा के दौरान संक्रमण के मामले गिनेचुने ही है। आँकड़ों से यह बात स्पष्ट है कि ट्रेन, बस, रेस्त्रां और कार्यालयों की तुलना में विमान में कोविड19 का संक्रमण होने का खतरा बेहद कम है। विमानों में हेपा फिल्टर लगे होने से भी लाभ होता है जो वायरस समेत हवा में मौजूद 99.99 प्रतिशत सूक्ष्म कणों को फिल्टर कर देता है। उसने कहा कि अध्ययन में जिन दो उड़ानों का जिक्र किया गया है वे मार्च की हैं। उस समय से अब तक काफी कुछ बदल चुका है। अब चेहरे पर मास्क और अन्य कवर लगाना आम बात हो गई है। जून में अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन ने कोविड19 के मद्देनजर नये दिशानिर्देश भी जारी किये हैं जिनका पालन किया जा रहा है। इसके बावजूद आयटा ने यात्रियों को अपनी ओर से पूरी सावधानी बरतने और बारबार साबुन से हाथ धोने की सलाह दी है।

शिरोमणि अकाली दल दिल्ली ने किया महिला विंग का गठन

मनजीत कौर बनी अध्यक्ष, हरमीत कौर महासचिव नियुक्त

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 22 सितंबर। शिरोमणि अकाली दल (दिल्ली) ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी चुनावों से पहले आज एक बड़ा फैसला लेते हुए पार्टी की महिला विंग का गठन किया है। इस दौरान बीबा मनजीत कौर जग्गी को महिला अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा जसविंदर कौर ग्रोवर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हरमीत कौर महासचिव, परमजीत कौर पम्मी सचिव, शरणजीत कौर को कार्यालय निदेशक बनाया गया है। साथ ही कई अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण कार्यभार संभाला, जिसमें तलविंदर कौर निम्मी, मोहनदीप कौर,

चरणजीत कौर, सुखवंत कौर, अमरजीत कौर, परमजीत कौर को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई। महिला विंग का गठन शिरोमणि अकाली दल (दिल्ली) में धर्म प्रचार कमेटी के चेयरमैन सरदार तरसेम सिंह खालसा की अगुवाई में किया गया है। इस मौके पर महिला विंग की सदस्यों में बहुत उत्साह दिखाई दिया। कुछ सदस्य काफी भावुक होते हुए दिखाई दिए जिन्होंने पूरी कर्मठता से पंथ को आगे बढ़ाने के लिए जुड़ने का प्रण लिया। नवनियुक्त अध्यक्ष मनजीत कौर जग्गी ने कहा कि सभी लोग एकजुट होकर पार्टी के सपने को पूरा करेंगे। उन्होंने बताया कि उनके उनके पिता सरदार जगमोहन सिंह जग्गी अंतिम सांस तक कौम की सेवा के लिए काम करते रहे और शिअदद से जुड़े रहे। उन्होंने कई बड़े सपने अपने सिख कौम के लिए देखा था जो अधूरा रह गया है, उसको आगे लेकर जाना है।

दिल्लीवालों के लिए 30 सितंबर तक सभी तरह के कार्यक्रमों पर जारी रहेगी रोक

(वूमेन एक्सप्रेस ब्यूरो)

नई दिल्ली। बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच दिल्ली में अनलॉक4 में भी सभी तरह के कार्यक्रम जैसे राजनीतिक, धार्मिक, स्पोर्ट्स, एकेडेमिक या मनोरंजक सभी पर 30 सितंबर तक रोक रहेगी। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सोमवार को इसके लिए निर्देश जारी कर दिया है। इस संबंध में दिल्ली पुलिस ने डीडीएमए को स्थिति स्पष्ट करने के लिए जानकारी मांगी थी। दरअसल, अनलॉक4 में केंद्र सरकार ने 21 सितंबर से सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक कार्यक्रमों में 100 लोगों को बुलाने की छूट दी है। ऐसे में क्या ये छूट दिल्ली वालों के लिए भी है इसी को लेकर दिल्ली पुलिस ने डीडीएमए से जानकारी मांगी थी। डीडीएमए ने स्पष्ट कर दिया है कि

30 सितंबर तक ये छूट दिल्ली वालों के लिए नहीं है। यहां पर पहले की तरह ही विवाह में 50 लोगों और अंतिम संस्कार में 20 लोगों को बुलाने की छूट दी जाएगी। इसके साथ ही सभी राजनीतिक, धार्मिक, स्पोर्ट्स, एकेडेमिक या मनोरंजक कार्यक्रमों पर 30 सितंबर तक रोक पहले की तरह ही जारी रहेगी। इसके साथ ही किसी भी प्रकार के धरना प्रदर्शन पर भी रोक है। अगर अब कोई धरना प्रदर्शन करता पाया गया तो उसे गिरफ्तार के बाद जामनत भी नहीं मिलेगी। सोमवार को दिल्ली में 24 घंटों में कोरोना के 2548 नए मामले सामने आए हैं और एक दिन में 32 मरीजों की जान गई है। इसके साथ ही राजधानी में संक्रमण के कुल मामले 2 लाख 49 हजार 259 हो गए हैं। संक्रमण के कुल मामलों में सक्रिय मामलों की संख्या 30,941 है।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी वेब वार्ता पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

आसाराम बापू पर लिखी किताब पर अंतरिम रोक हाईकोर्ट ने हटाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में जेल में बंद आसाराम बापू पर लिखी किताब पर अंतरिम रोक लगाने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को निरस्त कर दिया है। जस्टिस नाजिम वजीरी ने कहा कि इस किताब की कुछ प्रतियां बिक चुकी हैं और उसमें इस बात का स्पष्टीकरण दिया गया है कि वो ट्रायल कोर्ट के फैसले पर आधारित है और उसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की जा चुकी है। पिछले 9 सितम्बर को दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता की कोशिश नाकाम होने के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान किताब के प्रकाशक हार्पर कॉलिंस ने बताया था कि किताब की पांच हजार प्रतियां छप चुकी हैं। तब कोर्ट ने कहा था कि उन किताबों को वापस नहीं लिया जा सकता है। आसाराम के साथ सहआरोपी और किताब की रिलीज के खिलाफ ट्रायल कोर्ट जानेवाली संचिता गुप्ता की ओर से पेश वकील देवदत्त कामत ने कहा था कि कोर्ट को किताब की पांच हजार प्रतियों के छपने और अभियुक्तों के निष्पक्ष ट्रायल के बीच संतुलन कायम करना चाहिए। पिछले 8 सितम्बर को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस बात को नोट किया कि ट्रायल कोर्ट का रोक का फैसला प्रिमैच्योर था।

ताहिर हुसैन की एक मामले में जमानत अर्जी पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली दंगों के आरोप में जेल में बंद ताहिर हुसैन की एक मामले में जमानत अर्जी पर सुनवाई टाल दी है। एडिशनल सेशंस जज विनोद यादव ने दिल्ली पुलिस के वकील की तबीयत खराब होने के बाद इस मामलवे पर अगली सुनवाई 26 सितंबर को करने का आदेश दिया। ताहिर हुसैन पर दिल्ली दंगों को लेकर कई एफआईआर दर्ज की गई हैं। ये मामला दयालपुर थाने में दर्ज एफआईआर नंबर 120 का है। एफआईआर में ताहिर हुसैन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 148, 149, 427, 436 और 120बी के तहत आरोप दर्ज किए गए हैं। कड़कड़डूमा कोर्ट ने 21 अगस्त को ताहिर हुसैन के खिलाफ एक दूसरी एफआईआर में दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। चार्जशीट में ताहिर हुसैन समेत 15 लोगो को आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट में ताहिर हुसैन को मास्टरमाइंड बताया गया है।

करीब एक हजार पन्नों की इस चार्जशीट में पार्षद ताहिर हुसैन के भाई शाह आलम समेत 15 लोगों को आरोपी बनाया गया है। क्राइम ब्रांच ने अपनी चार्जशीट में कहा है कि हिंसा के वक्त आरोपी ताहिर हुसैन अपनी छत पर था।

ताहिर हुसैन पर हिंसा की साजिश रचने का आरोप है। चार्जशीट में कहा गया है कि हिंसा कराने के लिए ताहिर हुसैन ने एक करोड़ 30 लाख रुपये खर्च किए थे। ताहिर हुसैन के खिलाफ ईडी ने मनी लाउंड्रिंग का मामला भी दर्ज किया है। ताहिर हुसैन के खिलाफ धोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा और आपराधिक साजिश रचने का आरोप है।

नवंबर से सभी डीटीसी बसों में यात्रियों का बनेगा ई-टिकटिंग

ई-टिकटिंग ऐप 'चार्टर' का ट्रायल हुआ पूरा, 14 दिनों के दूसरे चरण के ट्रायल के अंतर्गत 60 रुट्स को शामिल किया गया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 सितम्बर । दिल्ली परिवहन विभाग ने अपनी बसों में संपर्क रहित ईटिकटिंग ऐप चार्टर के चरण 2 ट्रायल को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। ऐप का ट्रायल परिवहन मंत्री द्वारा गठित एक विशेष टास्कफोर्स द्वारा कार्यान्वित किया गया जिसमें परिवहन विभाग, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टीमोडल ट्रांजिट सिस्टम लिमिटेड, दिल्ली परिवहन निगम और वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टिट्यूट के विशेषज्ञ शामिल थे।

7 से 21 सितंबर तक चलने वाले दूसरे चरण के ट्रायल में दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टीमोडल ट्रांजिट सिस्टम के 4 डिपो दिलशाद गार्डन,कैर डिपो, कुशक नाला डिपो और सुनहरी पुल्ला डिपो के 60 से अधिक मार्गो को कवर किया गया साथ ही साथ दिल्ली परिवहन निगम के 2 डिपो हसनपुर डिपो और गाजीपुर डिपो से 1 1 रूट कवर किया गया।

इस 14 दिन की अवधि में, ऐप के माध्यम से खरीदे गए कुल 51,644 टिकटों में से 79.4त्न महिला यात्रियों द्वारा खरीदे गए मुफ्त पिंक टिकट शामिल हैं । ट्रायल के दौरान ऐप के माध्यम से औसतन 6% टिकट खरीदी गई, जबकि एसी बसों में ऐप के माध्यम से 7त्न टिकट खरीदे गए। चार्टर ऐप को आईआईआईटीदिल्ली के तकनीकी सहायता से विकसित किया गया है। इस ऐप के पहले चरण का ट्रायल

रूट नंबर 473 की सभी क्लस्टर बसों में तीन दिनों के लिए किया गया था। चार्टर ऐप को नवंबर 2020 के पहले सप्ताह तक सभी क्लस्टर और डीटीसी बसों में लागू किए जाने की संभावना है। गूगल प्लेस्टोर पर यह एप फुल वर्जन में उपलब्ध है। यात्री चाहें तो ऐप ऋ प्राप्त करने के लिए व्हाट्सएप नंबर 9910096264 पर **Hi** लिख कर भी भेज सकतें हैं ।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा की इस ऐप को यात्रियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। हमने उन सभी गड़बड़ियों को ठीक कर लिया है, जिन्हें हमने पिछले परीक्षणों में देखा था।

हम टिकट खरीदने के लिए गैर स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के लिए एक प्रणाली विकसित करने के साथ, दैनिक और मासिक पास को शामिल करने की प्रक्रिया में भी हैं। हम नवंबर के पहले सप्ताह तक इस ऐप के अंतर्गत सभी क्लस्टर और डीटीसी बसों को कवर करने की उम्मीद कर रहे हैं।

यात्री, बस में चढ़ने के बाद इस मोबाइल ऐप के माध्यम से ईटिकट ले सकते हैं। यदि कोई उपयोगकर्ता टिकट का किराया जानता है, तो वह ऐप में **BY FARE** पर क्लिक कर सकता है और बस का क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद भुगतान विकल्प के द्वारा भुगतान कर टिकट खरीद सकता है।

यदि कोई उपयोगकर्ता रूट , सोर्स और गंतव्य को जानता है, तो वह **BY DESTINATION** पर क्लिक कर सकता है। बस रूट और स्रोत स्टॉप का चयन करने के बाद , गंतव्य स्टॉप का चयन करना पड़ता है , फिर बस क्यूआर कोड को स्कैन कर के भुगतान करने के बाद टिकट प्राप्त किया जा सकता है।

ऐप स्वचालित रूप से उपयोगकर्ता द्वारा दर्ज किए गए लिंग के आधार पर महिला यात्री के लिए गुलाबी टिकट (निःशुल्क) का सुझाव देता है।

ऐप हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं को सपोर्ट करता है। इस एप में एक उपयोगकर्ता बस के सभी स्टॉपेज को भी देख सकता है और स्टॉप का नाम लिखकर यह भी देख सकता है की अगले आधे घंटे में कौनकौन सी बसें आने वालीं हैं । बस में यात्रा के दौरान यात्रा के अपेक्षित समय को रियल टाइम में अपडेट किया जाता है। और जैसे ही यात्री अपने गंतव्य पर पहुंचता है, वैसे ही टिकट अमान्य हो जाता है।

फॉरेन्सिक विज्ञान विश्वविद्यालय और रक्षा विश्वविद्यालय विधेयकों को संसद की मंजूरी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 सितंबर। राज्यसभा ने देश में कानून व्यवस्था तथा आंतरिक सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए जरूरी ढांचागत सुविधा और संसाधन जुटाने से संबंधित राष्ट्रीय फॉरेन्सिक विज्ञान विश्वविद्यालय 2020 और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय विधेयक, 2020 को आज बेहद संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। ये दोनों विधेयक पारित किये जाने के दौरान मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के साथ साथ तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, वाम दल और आम आदमी पार्टी जैसे विपक्षी दलों के सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे। इन दलों के सदस्यों ने आठ विपक्षी सदस्यों के निलंबन को रद्द करने की मांग करते हुए सुबह ही सदन से बहिर्गमन किया था। इसके बाद ये सदन में वापस नहीं लौटे थे। सरकार ने आज विपक्ष की गैर मौजूदगी में लगभग साढे तीन घंटे में सात विधेयक पारित कराये। गृह राज्य मंत्री किशन रेड्डी ने फॉरेन्सिक विज्ञान विश्वविद्यालय और रक्षा विश्वविद्यालय विधेयक पारित किये जाने से पहले कहा कि बढते आपराधिक मामलों

और उनमें प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से उत्पन्न समस्या से निपटने के लिए सुरक्षा एजेन्सियों को हर संभव सुविधा और संसाधन से लैस कराना जरूरी है। इससे आपराधिक मामलों विशेष रूप से फॉरेन्सिक मामलों से संबंधित अपराधों की जांच आसान तथा सरल बनेगी। उन्होंने कहा कि इन विश्वविद्यालयों में प्रशिक्षित और कुशल अधिकारी तैयार किये जायेंगे जिससे देश में मामलों की जांच की क्षमता बढेगी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित जनशक्ति नहीं होने के कारण देश में बड़ी संख्या में पद खाली थे जिन्हें कुशल और प्रशिक्षित अधिकारियों से भरा जा सकेगा। श्री रेड्डी ने कहा कि वैश्विक आतंकवादी और संगठित अपराध के बढते मामलों के बीच विशेष रूप से पुलिस को कुशल और प्रशिक्षित किये जाने की जरूरत महसूस की जा रही थी। इन विश्वविद्यालयों के बनने से देश में आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद तथा साइबर अपराध के मामलों से निपटने में मदद मिलेगी। फॉरेन्सिक विश्वविद्यालय विधेयक में गुजरात के गाँधीनगर स्थित गुजरात फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय महत्त्व का दर्जा देने का प्रावधान है।

ब्याज दर में कटौती से नहीं बढ़ा निवेश- एसबीआई चेयरमैन

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन रजनीश कुमार ने आज कहा कि ब्याज दरों में कटौती निवेश नहीं बढ़ा, जबकि बैंकों की तरफ से कटौती का हस्तांतरण ग्राहकों को किया जा रहा है। ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) के 47वें राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि इस साल क्रेडिट ग्रोथ की दर सुस्त रही है, क्योंकि पूंजीगत व्यय सामान्य रफ्तार से नहीं हो रहा है। उन्होंने बताया कि बीते 2008 के संकट के दौरान बैंकों ने नियमों को आसान बनाकर कर्ज देने में वृद्धि की थी और देश को उसके के लिए बड़ी कीमत चुकानी पड़ी, इसलिए बैंक इस बार समझदारी से काम ले रहा है। एसबीआई चेयरमैन के अनुसार, आर्थिक विकास की बहाली के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च एक उपाय है। उन्होंने कहा कि भारत के पास 10 लाख करोड़ रुपये मूल्य के पांच साल के इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट पाइपलाइन में है और एकमात्र उसी से अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिल सकता है, क्योंकि निर्माण से रोजगार पैदा होने के साथ साथ मांग का भी सृजन होगा।

हंगामा करने वाले सांसदों पर हो सख्त कार्रवाई

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले)के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री मा.रामदास आठवले ने संसद के उच्च सदन में विपक्षी सांसदों द्वारा किए गए व्यवहार को दृष्टिगत रखते हुए राज्यसभा के सभापति मा. एम.वेंकैया नायडू जी , लोकसभा लोकसभा के अध्यक्ष मा.ओम बिरला , प्रधानमंत्री मा.नरेंद्र मोदी जी ,को पत्र को भेजकर संसद सदस्यों के 1 साल के निलंबन की कार्यवाही की मांग की है । आठवले ने संसद में हंगामे के रोकथाम के लिए विधेयक लाए जाने की भी मांग की है ।

लोकसभा अध्यक्ष मा.ओम विरला से मुलाकात कर सौपे गये पत्र में मा.रामदास आठवले ने कहा है विगत 20 सितम्बर 2020 को विपक्षी दलों के सांसदों द्वारा भारतीय संसद के उच्च सदन में जो कार्य किया गया वह निंदनीय है और लोकतंत्र के नाम पर हिंसा करके आसान पर बैठे मा.सभापति को भयभीत करने का प्रयास किया गया एवं मर्यादा और व्यवस्था की

धज्जियां उड़ाई गयी ।

आठवले ने पत्र में कहा है कि मा.सदस्यों द्वारा उच्च सदन में नियम पुस्तिका फाड़ने के साथ ही टेबल पर चढ़कर सदन के अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया जिसमें उच्च सदन की मर्यादा की क्षति पहुँचने के साथ पूरा देश भी शर्मसार हुआ है ।

आठवले ने कहा है कि जिन सांसदों ने ऐसा निंदनीय कार्य किया है उनको केवल 1 सप्ताह के लिए नहीं बल्कि पहली गलती करने पर 1 वर्ष के लिए और दूसरी कर गलती करने पर उनके संसदीय कार्य काल तक निलंबित कर देना चाहिए पत्र में यह भी मांग की गई है कि संसद में एक ऐसा विधेयक लाना चाहिए जिससे भारतीय संसद की गरिमा का आदर किया जा सके और भविष्य में कोई ऐसी न निंदनीय दुर्घटना भारतीय संसद में ना होने पाए जो हमारे देश के गौरव और शान के विरुद्ध हो ।

न्यायालय ने क्षतिग्रस्त बीएमडब्ल्यू कार बदलने के राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 22 सितंबर । उच्चतम न्यायालय ने एक ग्राहक की दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुई बीएमडब्ल्यू गाड़ी को नई बीएमडब्ल्यू से बदलने के राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निबटान आयोग के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति इन्दु मल्होत्रा और न्यायमूर्ति के एम जोसेफ की पीठ ने जर्मन ऑटोमोबाइल कंपनी बीएमडब्ल्यू की याचिका पर ग्राहक, डसाल्ट सिस्टम्स इंडिया प्रा लि, बजाज एलायंज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि. और बर्ड ऑटोमोटिव प्रा. लि. को नोटिस जारी किये और उनसे जवाब मांगा है। पीठ ने इसके साथ ही राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निबटान आयोग के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी और इस मामले को अंतिम रूप से निस्तारण के लिये चार सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का आदेश दिया। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निबटान आयोग ने 10 दिसंबर, 2019 को बीएमडब्ल्यू कंपनी को निर्देश दिया था कि वह अपने ग्राहक की दुर्घटनाग्रस्त हुयी गाड़ी के बदले नई गाड़ी दे। आयोग ने बजाज एलायंज और बीएमडब्ल्यू से कहा था कि वह दिल्ली निवासी मुकुल अग्रवाल को हुये नुकसान की भरपाई करे। इस ग्राहक की गाड़ी का बीएमडब्ल्यू सेक्योर पॉलिसी के तहत बीमा था और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थी। बीएमडब्ल्यू सेक्योर पॉलिसी के तहत यदि सर्वे रिपोर्ट में वाहन के पूरी तरह नष्ट होने की पुष्टि की जाती है, आयोग ने कंपनी को अग्रवाल को पंजीकरण, सड़क शुल्क और दूसरी मदों में किये गये सारे खर्चो का भुगतान करने का भी आदेश दिया था। आयोग ने राज्य उपभोक्ता निबटान आयोग के आदेश को बरकरार रखते हुये बीएमडब्ल्यू और बीमा कंपनी की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी थी।

एमएसपी के संदर्भ में हमारी तीन शर्तें माने जाने तक जारी रहेगा रास की कार्यवाही का बहिष्कार: आजाद

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 22 सितंबर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद ने मंगलवार को कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से जुड़ी विपक्ष की तीन शर्तो को माने जाने तक उच्च सदन की कार्यवाही का बहिष्कार जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभापति को विपक्ष के आठ सांसदों का निलंबन वापस लेना चाहिए। आजाद ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''राज्यसभा की हमेशा से परंपरा रही है कि कोई भी विधेयक शोरशराबे में पारित नहीं कराया जाता। लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि करोड़ों किसानों से संबंधित विधेयकों को मतदान के बगैर पारित किया गया। विपक्ष की ओर से दिए गए संशोधनों पर भी कोई मतदान नहीं हुआ।'' राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष के मुताबिक, ''हमने कल राष्ट्रपति जी को लिखा है कि जो विधेयक पारित हुए हैं उनमें प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। ऐसे में वह

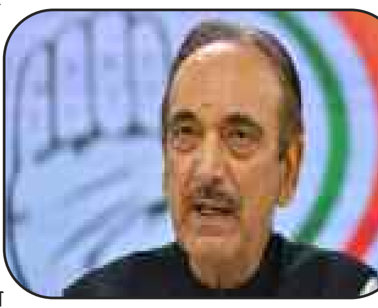

इनको स्वीकृति नहीं दें।'' उन्होंने कहा, ''एमएसपी को लेकर हमारी तीन शर्तें हैं। पहली यह कि सदन में एक और विधेयक लाया जाए या फिर प्रधानमंत्री अथवा कृषि मंत्री सदन में बयान दें कि एमएसपी से कम खरीद को गैर कानूनी बनाया जाएगा। दूसरी बात यह है कि स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के आधार पर एमएसपी का सी 2 फार्मूला लागू हो।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि तीसरी शर्त यह है कि राज्यों की एजेंसियों या एफसीआई भी खरीद करें तथा एमएसपी के हिसाब से खरीद हो।'' आजाद ने इस बात पर जोर दिया, ''जब तक ये तीन शर्तें लागू नहीं होंगी तब तक हम कार्यवाही का बहिष्कार करेंगे।'' राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश द्वारा धरने पर बैठे सांसदों के लिए चाय लेकर जाने के संदर्भ में उन्होंने यह कहा '' उप सभापति का सांसदों के लिए चाय लेकर जाना अच्छी बात है। हम एक परिवार की तरह हैं।'' उन्होंने कहा कि रविवार को सदन में जो हुआ, वह नहीं होना चाहिए था। अब सांसदों का निलंबन वापस लिया जाना चाहिए।

कवयित्री अंशु पाल अमृता डॉ. सरोजिनी नायडू अंतरराष्ट्रीय अवार्ड से अलंकृत

नई दिल्ली , 22 सितम्बर। नोएडा फ़िल्म सिटी स्थित एशियन अकेडमी ऑफ आर्ट्स एवं अंतरराष्ट्रीय महिला मंच द्वारा अंतरराष्ट्रीय ख्याति नाम

साहित्यकार, कवयित्री व शायरा सुश्री अंशु पाल अमृता को भारत कोकिला डॉ. सरोजिनी नायडू अंतरराष्ट्रीय अवार्ड से संम्मानित किया । छठवें ग्लोबल लिटरेरी फेस्टिवल के अवसर पर मारवाह स्टूडीओ और एशियन अकैडमी ओफ़ आर्ट्स के निर्देशक डॉ संदीप मारवाह और आइ सी एम इ आइ के जनरल सेक्रेट्री डॉ अशोक त्यागी ने सुश्री अंशु पाल अमृता को यह अवार्ड प्रदान कर संम्मानित किया। कवयित्री, लेखिका अंशु पाल का जन्म पिथौरागढ़, उत्तराखंड के एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ। इनकी बचपन से ही लेखन में रुचि थी,13 वर्ष की आयु में ही कविता लिखना शुरू कर दिया था।

अंशु पाल की अधिकतर रचनाये प्रेम रस पर आधारित होती है। हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी, बंगला, जर्मन सहित 5 भाषाओं की ज्ञाता है। इनकी अंग्रेजी में 3 पुस्तके माई एक्स्प्रीमेन्ट विद लव,मयूर, व लेट लव प्रीवेल ऑन अर्थ, प्रकाशित हो चुकी है। अंशु पाल हिंदी व अंग्रेजी काव्य गोष्ठीयो में एंकरिंग भी बहुत ही उम्दा ओर मनमोहक करती है।

दिल्ली हिंसा चार्जशीट में खुलासा: विरोध प्रदर्शन के प्रबंधन के लिए 1 करोड़ रुपये खर्च किए गए

नई दिल्ली, 22 सितंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली हिंसा मामले में साजिश के सिलसिले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा हाल ही में दायर एक आरोपपत्र (चार्जशीट) में खुलासा किया गया है कि पांच आरोपी, जिनके खिलाफ यूएपीए लगाया गया है, इन्हें साजिश को अंजाम देने के लिए 1.61 करोड़ रुपये दिए गए थे। 16 सितंबर को, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ यूएपीए, भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम और सार्वजनिक संपत्ति अधिनियम की क्षति की रोकथाम की विभिन्न धाराओं के तहत एक चार्जशीट दायर की थी। चार्जशीट की कॉपी सोमवार को आरोपियों के वकीलों को दी गई।

चार्जशीट में, पुलिस ने दावा किया कि बर्खास्त नगरपालिका पार्षद ताहिर हुसैन, पूर्व पार्षद इशरत जहां, छात्र मीरान हैदर, एक्टिविस्ट खालिद सैफी और शिफाउररहमान सहित पांच व्यक्तियों ने नकद या बैंक लेनदेन के रूप में 1.61 करोड़ रुपये प्राप्त किए, जिसमें 1.48 करोड़ रुपये का इस्तेमाल विरोध स्थलों के प्रबंधन और दंगों की साजिश को अंजाम देने के लिए किया गया था। इस साल फरवरी में उत्तरपूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के पीछे साजिश के पहलू की जांच के लिए प्राथमिकी दर्ज करने के 200 दिनों से भी कम समय में चार्जशीट दायर की गई थी। नागरिकता कानून समर्थकों और विरोधियों के बीच हिंसक झड़पों में कम से कम 53 लोग मारे गए थो और लगभग 200 लोग घायल हो गए थे। वित्तीय लेनदेन का उल्लेख करने के अलावा, पुलिस ने यह बताया कि हिंसा को भड़काने की साजिश कैसे रची गई थी। उन्होंने कहा कि 1617 फरवरी की मध्यरात्रि को एक गुप्त षड्यंत्रकारी बैठक आयोजित की गई थी और तब यह था कि ÷प्रमुख षड्यंत्रकारियों ने अपना मन बना लिया था कि दिल्ली में विरोध प्रदर्शन को मुख्य रूप से उत्तरपूर्व, शाहदरा, चांद बाग और जाफराबाद के क्षेत्रों के साथ दक्षिण जिलों में अंजाम दिया जाएगा।

चार्जशीट से पता चला कि इस बैठक में शामिल होने वाले प्रमुख षड्यंत्रकारियों के बीच एक स्पष्ट समझ थी कि वर्तमान में मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में साइड लेन में स्थित विरोध स्थलों को शिफ्ट करने की आवश्यकता है और चक्का जाम होना चाहिए और यातायात के सामान्य आवागमन को बाधित करने के लिए आबादी वाले क्षेत्रों और व्यस्त सड़कों पर ऐसा किया जाए। आरोप पत्र में खुलासा किया गया है।

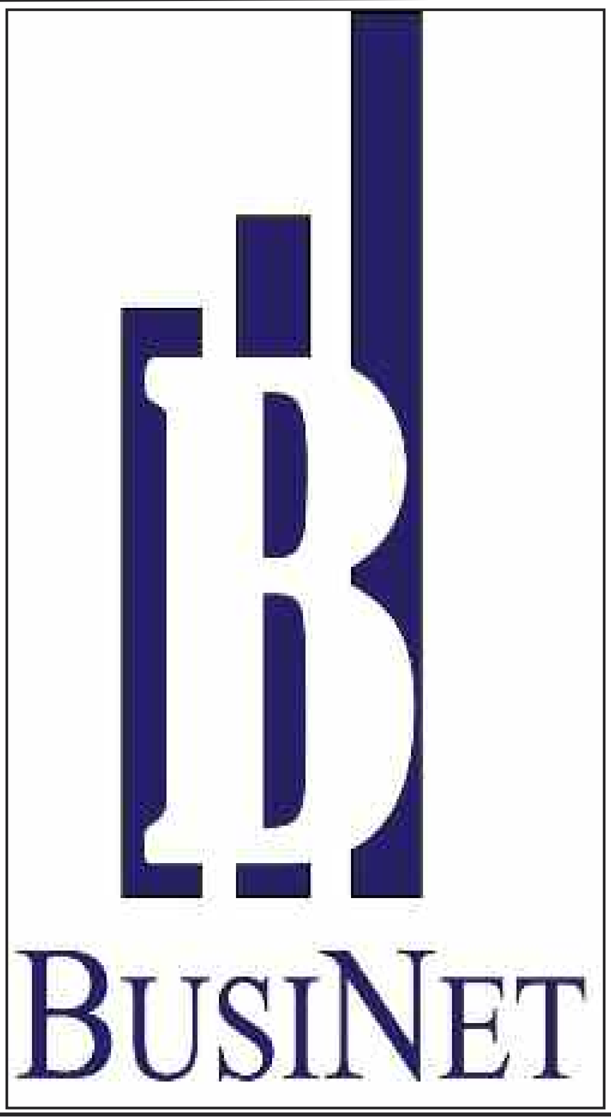

संपादकीय

चीन मुद्दे पर विपक्ष सरकार के साथ तो आया लेकिन काफी समझाने के बाद

गुरुवार को राज्यसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमाओं पर पड़ोसी देश चीन की हरकतों एवं कुचालों पर भारत का पक्ष जिस तरह से पेश किया, उसकी सराहना होनी चाहिए। लेकिन इस अवसर पर विपक्षी दलों ने सुरक्षा एवं अतिसंवेदनशील विषय पर भी जिस तरह की अपरिपक्वता का परिचय दिया, उससे ऐसा प्रतीत हुआ कि इन नेताओं के लिये लोकतंत्र का प्रशिक्षण नितांत अपेक्षित है। राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू ने संसद में शालीनता, संयम एवं परिपक्वता के लिये जो रास्ता बताया, उससे लोकतंत्र की गरिमा बढ़ी है। विपक्षी नेताओं ने सुरक्षा एवं अतिसंवेदनशील मुद्दे पर अनावश्यक रूप से परेशान करने वाले या देश की सुरक्षा को खतरे में डालने वाले सवाल पूछने से भी कोई गुरेज नहीं रहा। उन्होंने जिस तरह से अलोकतांत्रिक स्थिति खड़ी की और इस स्थिति को भारतीय लोकतंत्र के लिये किसी भी कोण से उचित नहीं कहा जा सकता। विपक्ष को सरकार की घेरेबंदी करने के लिए ऐसे सवाल करने से बचना चाहिए। रक्षामंत्री का पड़ोसी देश के प्रति जहां दृढ़ता का स्वर स्वाभाविक था, वहीं ऐसे समय में भी सुधार के प्रति संवेदना साफ तौर पर सामने आई। तानाशाह पड़ोसी की मनमानियों के बावजूद उनका बयान देश के बड़प्पन को ही जाहिर करता है। रक्षामंत्री का बयान जितना महत्वपूर्ण था, उससे कहीं ज्यादा जरूरी था राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू का लोकतंत्र की मजबूती एवं गरिमा को बनाये रखने का सुझाव। भारतचीन संदर्भ में कुछ नेता अतिरिक्त प्रश्न पूछना चाहते थे, इस पर उपराष्ट्रपति ने रक्षामंत्री से कहा कि वह प्रमुख नेताओं को अपने कक्ष में बुलाकर जानकारी दें। उपराष्ट्रपति का यह परिपक्व रुख सराहनीय एवं लोकतंत्र की बुनियाद का मजबूती देने का उपक्रम है। आजकल हर तरह के सवाल पूछने का चलन हो गया है, भले ही ऐसे सवाल संसद के पटल पर पूछने से देश की सुरक्षा खतरे में पड़े। ऐसे लोगों का संयम में रहना सबसे जरूरी है और इसके बावजूद अगर वे सवाल पूछना चाहते हैं, तो उपराष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से रास्ता बता दिया है।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने सांसदों को जिस ढंग से समझाया, कायदे से उसकी जरूरत नहीं पड़नी चाहिए थी। उन्होंने याद दिलाया कि यह एक संवेदनशील मुद्दा है और सेना सीमा पर खड़ी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुष्प्रचार चल रहा है कि भारत में इस मुद्दे पर मतभेद है। उपराष्ट्रपति ने उचित ही कहा कि हमें इस सदन के माध्यम से ऐसा संदेश देना चाहिए कि पूरा देश और संसद सेना के साथ एकजुट है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की परंपरा और संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवन्तु सुखिनाः पर आधारित रही है। हजारों साल के इतिहास में हमने कभी किसी देश पर हमला नहीं किया है। उपराष्ट्रपति के ऐसे प्रेरणास्पद भाषण से माहौल बदला, विपक्ष को समझ आया और विपक्षी नेता भी देश की एकता और अखंडता की दुहाई देने लगे। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद ने तो यहां तक कह दिया कि 'उनकी पार्टी चीन के साथ विवाद सुलझाने के मुद्दे पर पूरी तरह से सरकार के साथ खड़ी है।' उपराष्ट्रपति के समझाने पर ही विपक्ष की समझ में आया, इसका अर्थ है कि वह लोकतंत्र की मर्यादा एवं सीमाओं से परिचित नहीं है। सिर्फ विरोध के लिये विरोध करना लोकतंत्र के लिये युक्तिसंगत नहीं है। संसद भारत के सवा सौ करोड़ लोगों की आवाज को स्वर देने का मंच है, जहां का प्रतिक्षण न केवल मूल्यवान है बल्कि इस मूल्यवान समय को अपनी प्रतिभा से चुने हुए प्रतिनिधि नया आयाम देते हैं, भारत के विकास का आगे बढ़ाते हैं, और सेना का मनोबल बढ़ाते हैं। जबजब इस सर्वोच्च मंच पर राजनीति करने के प्रयास हुए, तबतब भारतीय लोकतंत्र न केवल शर्मसार हुआ बल्कि उसके उज्ज्वल अस्तित्व पर दाग भी लगे हैं। इसलिये संसद के पटल पर बहस को शालीन एवं संयमित किये जाने की अपेक्षा की जाती है। अक्सर ऐसा होता रहा है ।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लखमी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

देश विरोधी छवि के चलते अलग-थलग पड़ती कांग्रेस

उत्तर प्रदेश में मुस्लिम वोट बैंक को समाजवादी पार्टी का मजबूत आधार माना जाता है। मुसलमान जब तक कांग्रेस के साथ रहे तब तक यूपी में कांग्रेस की तूती बोलती रही, लेकिन अयोध्या विवाद के चलते कांग्रेस से मुसलमान और हिन्दू दोनों खिसक गए,जिसके चलते यूपी में कांग्रेस तीस वर्षो से सत्ता का वनवास झेल रही है। कांग्रेस को इस बात का अहसास भी है। इसी लिए वर्षो से मुसलमानो को अपने पाले में खींचने का वह कोई मौका नहीं छोड़ रही है, लेकिन मुलायम के रहते कांग्रेस की कोई जुगत काम नहीं आई। आज भी मुसलमान बाबरी मस्जिद गिरने के पीछे कांग्रेस को गुनाहागार मानते हैं, परंतु कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा इस धारणा को बदलने के लिए बेहद आतुर नजर आ रही हैं। वह खुलकर मुस्लिम वोट बैंक की सियासत कर रही हैं। प्रियंका किसी भी तरह से मुसलमानों को समाजवादी पार्टी के पाले से खींच कर कांग्रेस के पाले में लाने के लिए एड़ीचोटी का जोर लगाए हुए हैं। पहले प्रियंका ने सीएए का विरोध करने वाले दंगाइयों का साथ दिया था तो अब इसी कड़ी में कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा को विवादित डाक्टर काफिल के रूप में एक नया मुस्लिम 'मोहरा' मिल गया है, जिसे वह अपनी पार्टी में लाकर उत्तर प्रदेश के मुलसमानों को रिझाना चाहती हैं। इसी क्रम में गत दिवस कांग्रेस महासचिव प्रियंका से उनके आवास जाकर डाक्टर काफिल का मिलना काफी कुछ कह रहा है। कांग्रेस नेताओं और गांधी परिवार के इसी तरह के कृत्यों के चलते पार्टी की छवि देश विरोधी बनती जा रही है। अन्य दल उसके साथ खड़े होने में कतराते हैं।

डाक्टर काफिल की पूरी कहानी में काफी टर्निंग प्वांइट हैं। उन्हें कोई नायक तो कोई खलनायक मानता है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद हाल ही में जेल से छूटे डॉक्टर कफील खान कितना सही हैं और कितना गलत थे, इस बात को लेकर लोग दो खेमों में बंटे हुए हैं। किसी को लगता है कि डाक्टर काफिल न केवल गोरखपुर में आक्सीजन की कमी से 60 बच्चों की मौत के गुनाहागार हैं,बल्कि नागरिकता सुरक्षा कानून(सीएए)की आड़ में काफिल मुसलमानों को भड़का रहे थे। उनके द्वारा लगातार मोदीयोगी सरकार और भाजपा नेताओं के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। वहीं काफिल के पक्ष में खड़े लोगों को लगता है कि काफिल को मुसलमान होने की सजा मिली है। ज्ञातव्य हो, अलीगढ़ में दिए भाषण को आधार बनाकर डा0 काफिल पर साजिशन राष्टीय सुरक्षा कानून(एनएसए)लगाया गया था। इसी लिए सरकार के तर्क इलाहाबाद हाईकोर्ट में टिक नहीं पाए और हाईकोर्ट ने उन्हें क्लीन चिट दे दी। बहरहाल, आमजन तो दूर डा0 काफिल को लेकर उत्तर प्रदेश की सियासत भी दो हिस्सों में बंट गई थी। एक तरफ बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी और खासकर कांग्रेस खुलकर काफिल का पक्ष ले रहे थे,वहीं भारतीय जनता पार्टी और योगी सरकार को डाक्टर काफी गोरखपुर हास्पिटल में 60 बच्चों की मौत के गुनाहागार लग रहे थे और आज भी भाजपा नेताओं की यही

सोच है कि काफिल ने प्रदेश की गंगा जमुनी संस्कृति को ठेस पहुंचाई थी।

खैर, अगर यह मान भी लिया जाए की योगी सरकार की जिद्द के चलते डाक्टर काफिल को जेल जाना पड़ा तो इलाहाबाद हाईकोर्ट से उन्हें सम्मानजनक रिहाई भी मिली, लेकिन इसमें ऐसा कुछ नहीं था कि डाक्टर काफिल अपने साथ हुई नाइंसाफी को अंतरराष्ट्रीय रंग देकर भारत की छवि पूरी दुनिया में खराब करने में जुट जाए। डाक्टर काफिल को देश की न्यायपालिका पर भरोसा करना चाहिए न कि वह यूएन में योगी सरकार के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंच जाएं। डॉ. कफील खान ने योगी सरकार के खिलाफ अपनी लड़ाई को अंतर्राष्टीय स्तर पर पहुंचा कर ठीक नहीं किया। डॉ. कफील खान ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (यूएनएचआरसी) को एक पत्र लिखकर भारत में अंतराष्ट्रीय मानव सुरक्षा मानकों के व्यापक उल्लंघन और असहमति की आवाज को दबाने के लिए एनएसए और यूएपीए जैसे सख्त कानूनों के दुरुपयोग करने की बात लिखी है,जिसकी कोई जरूरत नहीं थी। दरअसल,डाक्टर काफिल अपने साथ हुए उत्पीड़न को आधार बनाकर सियासत करने में लग गए हैं। उन्हें सियासत में अपना भविष्य नजर आने लगा है। डाक्टर काफिल पर कोई बंदिश नहीं है कि वह सियासत में न कूदें,लेकिन इसके लिए उन्हें खुलकर सामने आना चाहिए। अभी तो ऐसा ही लग रहा है कि कांग्रेससपा और तमाम कट्टरपंथी नेताओं की कठपुतली बनते जा रहे हैं। कांग्रेस को डाक्टर काफिल में मुस्लिम वोट बैंक नजर आता है। उसे यह नहीं लगता है कि डाक्टर काफिल ने अंतराष्ट्रीय बिरादरी में भारत की साख पर बट्टा लगाया है। वैसे कांग्रेस के लिए यह सब इसलिए भी असहज नहीं है क्योंकि उसके नेता और यहां तक की राहुल गांधी तक विदेश में जाकर देश की बदमानी करने से बाज नहीं आते हैं। राहुल गांधी विदेश जाकर कहते हैं कि भारत को मुस्लिम नहीं हिन्दू आतंकवाद से खतरा है। कांग्रेस का गांधी परिवार भारत के दुश्मन नंबर वन चीन से गलबहियां करता है। इसी लिए चीन से विवाद के समय गांधी परिवार और कांग्रेस के नेता चीन की आलोचना नहीं करते हैं? चीन से टकराव के बीच, गांधी परिवार और कांग्रेस, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तो खूब सवाल उठाता हैं, लेकिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के खिलाफ कांग्रेस के नेता एक शब्द नहीं बोलते। चीन से गांधी परिवार की जेबी संस्था 'राजीव गांधी फाउंडेशन' को मिलने वाले पैसे की वजह से कांग्रेस का मुंह चीन के खिलाफ बंद रहता है।

वर्ष 1991 में बने राजीव गांधी फाउंडेशन के बोर्ड की कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी चेयरपर्सन हैं। उनके पुत्र राहुल गांधी और पुत्री प्रियंका गांधी वाड्रा भी इस संस्था में ट्रस्टी हैं। इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, अर्थशास्त्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया, पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम भी इस संस्था के ट्रस्टी हैं। ये वो लोग हैं जो गांधी परिवार के विश्वासपात्र हैं। इस संस्था में बाकी सदस्य भी गांधी परिवार और कांग्रेस के करीबी हैं। चीन दूतावास और चीन की सरकार गांधी परिवार की संस्था राजीव गांधी फाउंडेशन को अपना पार्टनर मानती रही है। बात आगे बढ़ाई जाए तो यह साफ हो जाता है कि गांधी परिवार उन्हीं लोगों को अपने इर्दगिर्द पसंद करता है जो देश से पहले गांधी परिवार का हित सोतचे हैं। इसी लिए तो जब गांधी परिवार को लगता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनकी सियासत के लिए खतरा हैं तो गांधी परिवार के राइट हैंड नेता मणिशंकर अय्यर पाकिस्तान जाकर कहते हैं कि आप मोदी को हटवा दीजिए। हमारे आपके संबंध अच्छे हो जाएंगे। गांधी परिवार की देश विरोधी सोच के अक्सर 'अफसानें' मिल जाते हैं। अब इसी कड़ी में डाक्टर काफिल का नाम जुड़ गया है, जिन्होंने अपने साथ हुए अत्याचार की आड़ में अंतराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि खराब करने की मुहिम चला रखी है। इसी लिए डाक्टर काफिल परिवार समेत जब कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से मिलने पहुंचे तो प्रियंका को काफिल के बहाने सियासत चमकाने का मौका मिल गया। बता दें डॉ. कफील खान की जेल से रिहाई के बाद कांग्रेस महासचिव ने उनसे बातचीत कर उनका हालचाल लिया था और हर संभव मदद का वादा किया था। इसी के बाद से उनके कांग्रेस में शामिल होकर राजनीति में आने की अटकलें थी हालांकि डॉ. कफील ने इसे खारिज कर दिया था। डॉ. कफील खान ने गत दिवस अपने परिवार के साथ दिल्ली में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से उनके आवास पर मुलाकात की। कफील के साथ ही उनकी पत्नी और बच्चे भी प्रियंका गांधी से मिले। यूपी कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा की हैं।

संजय सक्सेना
लखनऊ ।
www.womenexpress.in

क्या किसानों के हक मार लेंगे बड़े उद्योगपति ?

आज अपने देश में किसानों की हालात किसी से छिपी हुई नहीं है, हमारे अन्नदाता बहुत ही मुश्किल परिस्थितियों में खेती करते आ रहे हैं और फिर आज आजादी के इतने वर्षो के बाद भी उनको फसल का सही मूल्य भी नहीं मिल पाता है। केंद्र सरकार की ओर से कृषि सुधार बिल कहे जा रहे 3 में से 2 विधेयक रविवार को ही ध्वनि मत से पारित हो गया। जिसमें एक बिल कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य विधायक 2020, और दूसरा दोस्त कृषक कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार विधेयक 2020 है।

इन दोनों विधायकों को लेकर किसान कई बार प्रदर्शन कर चुके हैं, किसानों का मानना है कि यह विधेयक धीरेधीरे एमएसपी यानी कि मंडियों को धीरेधीरे खत्म कर देगा और फिर निजी कंपनियों को बढ़ावा देगा जिससे किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिलेगा।

लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी ने यह बात कई बार कह चुके हैं कि सरकार एमएसपी समाप्त नहीं कर रही है और ना ही सरकारी खरीद को बंद कर रही है। एक शब्दों में कहें तो यह कानून कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग में किसानों के आने के लिए एक ढांचा मुहैया कराएगा। लेकिन किसानों का यह कहना है कि कॉन्टैक्ट फार्मिंग अपनी फसलों को बाहर बेचने जैसी चीजें पहले भी होती रही है और यह बिल सिर्फ अंबानी और अडानी जैसे व्यापारियों को लाभ देने के लिए लाया गया है। जागरूक किसानों का कहना है कि किसान अब अगर कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग करता है तो कोई विवाद होने पर वह सिर्फ एसडीएम के पास जा सकता है जबकि दोस्तों किसानों का कहना है कि पहले वह कोर्ट भी जा सकते थे। अन्नदाता बंधुओं का सवाल है कि फिर आखिर इस तरह की पाबंदी क्यों लगाई गई? इससे तो यही लगता है कि सरकार किसानों को बांध रही है और कारपोरेट कंपनियों को खुला छोड़ रही है, इससे तो उनको अब किसी फसल की खरीद के लिए कोई लाइसेंस की भी जरूरत नहीं पड़ेगी ।

वही कुछ किसानों के शुभचिंतकों का कहना है कि इस कानून के बन जाने के बाद कोई भी कहीं भी किसी को भी अपनी फसल बेचता है जो बहुत ही अच्छा है लेकिन इसमें एमएसपी की व्यवस्था कहां पर है? दोस्त मंडी के बाहर एमएसपी की व्यवस्था ना होना ही मुझे लगता है कि विवाद का सबसे बड़ा कारण है। देखा जाए तो भारतीय खाद्य निगम की कार्य कुशलता और वित्तीय प्रबंधन में सुधार के लिए बनाई गई शांता कुमार समिति की रिपोर्ट में कहा गया था कि सिर्फ 6 फ़ीसदी किसान ही एमएसपी पर अपनी फसल बेच पाते हैं, इसमें भी ध्यान से देखें तो हरियाणा और पंजाब के किसानों की बड़ी संख्या है जिस कारण अधिक प्रदर्शन भी इन्हीं 2 राज्यों में हो रहे हैं।

वहीं दूसरी तरफ जिस प्रकार से बीजेपी किसान मोर्चा के अध्यक्ष वीरेंद्र मस्त ने कहा कि देश का किसान अब कहीं भी जाकर अपनी फसल बेच सकता है,आढ़तियो के पैसे के दम पर प्रदर्शन करके देश को गुमराह किया जा रहा है जबकि लाखों किसान इस नए बिल का प्रशंसा कर रहे हैं। दोस्तों जो भी हो लेकिन ध्यान से देखें तो आज आजादी के इतने वर्षो के बाद भी हमारे अन्नदाता के जीवन में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जो सभी का पेट भरता है आज भी उसके बच्चे और वह अक्सर भूखे सोया करता है।

कुछ प्रदर्शनकारियों और विद्वानों का कहना यह भी है कि प्राइवेट सेक्टर भी यही चाहता है कि जब मंडिया समाप्त हो जाए तो उसकी पकड़ मजबूत हो जाए,दोस्त आज किसानों का डर भी यही है कहीं ना कहीं की जब मंडिया ही खत्म हो जाएगी तब तो एमएसपी भी खत्म हो ही जाएगी।

दोस्त 2015 16 में हुई कृषि गणना के अनुसार देखा जाए तो देश के 86 फ़ीसदी किसानों के पास छोटी जोत की जमीन है या कह सकते हैं कि वे किसान हैं जिनके पास 2 हेक्टेयर से भी कम जमीन है। आपको बता दें कि यह आप भी जानते हैं कि प्राइवेट प्लेयर्स को कृषि क्षेत्र में लाने की योजना अमेरिका और यूरोप में फेल हो गई तो भारत में कैसे सफल होगी ?, जबकि दोस्त अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों में किसानों को सरकार सब्सिडी और उन्नत तकनीकी भी मुहैया कराती है फिर भी इन विकसित देशों के किसान आज भी संकट में रहते हैं। मैं कह रहा हूं कि प्राइवेट प्लेयर्स को किसी क्षेत्र में जरूर आना चाहिए लेकिन मेरा यह कहना है कि ऐसा क्यों नहीं हम करते की एमएसपी को ही एक कानूनी उपाय बना दिया जाए, देखो ना आप ही निजी कंपनियां भी तो कह रही है कि वह किसानों को एमएसपी से ज्यादा दाम देंगे, सरकार के साथ ही अब अर्थशास्त्री भी यही कह रहे हैं तो आखिर क्यों नहीं हम फिर इसको कानूनी रूप दे की इतने से कम दाम में किसी भी फसल की खरीदारी नहीं होगी ।

अगर दोस्त एमएसपी को ही कानूनी जामा पहना दिया गया तो देखना हमारा किसान खुश रहेगा और उसका दिन जरूर बहुरेगा। आप ही सोचो ना अगर अमेरिका में किसानों के लिए ओपन मार्केट इतना ही अच्छा होता तो वहां पर किसानों को सब्सिडी आखिर क्यों दी जा रही होती । आप जरूर इस बात को सोचना आखिर हमारे अन्नदाता दिन रात मेहनत करने के बाद भी आज भी फटे हाल क्यों है? एक सवाल है मेरा अगर सरकार की एमएसपी को लेकर नियत साफ ही है तो फिर वह मंडियों के बाहर होने वाली खरीद पर किसानों को एमएसपी की गारंटी दिलवाने से क्यों इंकार कर रही है ? आज दोस्तों देश के सभी किसान मांग कर रहे थे कि सरकार अपने वादे के मुताबिक स्वामीनाथन आयोग के सी2 फॉर्मूले के एमएसपी दिया जाए , लेकिन दोस्त सरकार ने तो ठीक इसके उलट बिना एमएसपी प्रधान के कानून लाई है , आखिर इसकी मांग किसने की थी?

एक सवाल और है कि अगर सरकार सरकारी खरीद को बनाए रखने का दावा कर रही है तो फिर उसने इस साल सरकारी एजेंसी एफसीआई की खरीद का बजट क्यों कम कर दिया? सरकार यह आश्वासन क्यों नहीं दे रही है कि भविष्य में बजट और कम नहीं किया जाएगा? जिस तरह से आज देखो सरकारी खरीद से सरकार हाथ खींच रही है, क्या आपको नहीं लगता कि इससे भविष्य में गरीबों के लिए जारी पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम में भी कटौती हो ही सकती है? वैसे तो हमारे प्रधानमंत्री जी कई बार कह चुके हैं की एमएसपी की व्यवस्था जारी रहेगी देखते हैं आगे क्या होता है। आप सभी से विनम्र निवेदन की हमारे किसानों के सहायता लिए हर संभव प्रयास आप भी करें अपने स्तर पर जिससे उनकी आने वाली पीढ़ियों के जीवन स्तर में सुधार हो सके।

विक्रम क्रांतिकारी
पत्रकार/ आईएएस मेंटर/ दिल्ली विश्वविद्यालय ।
www.womenexpress.in

कोरोना वैक्सीन 2024 के अंत तक सभी को मिलेगी

देश में इस समय कोरोना का कहर शिखर पर है। कोरोना वायरस के बारे में लापरवाही बरतने वाले चाहे वे अमीर हों या गरीब, राजनेता हों या सामान्य आदमी, मंत्री हों या संत्री, किसी को भी नहीं छोड़ रहा है। यह निश्चित हो गया है कि आप ने जरा भी लापरवाही की नहीं कि आप कोरोना का शिकार हो गए। सोमवार से देश में लोकसभा का मानसून सत्र शुरू हो गया है। लोकसभा और राज्यसभा का सत्र शुरू होने के पहले कोरोना टेस्ट जरूरी होने के कारण मानसून सत्र के पहले ही दिन कोरोना की जांच में दोनों सदनों में 26 सांसद कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इसमें से 18 सांसद लोकसभा और 8 सांसद राज्यसभा के थे। लोकसभा के पॉजिटिव सांसदों में 12 सांसद भाजपा, शिवसेना और वाईआरएस के 22 सांसद और आरएलपी का एक सांसद है। एक साथ इतने सारे सांसदों के कोरोना पॉजिटिव होने से संसद में भी भय का माहौल बन गया है। संसद में सोशल डिस्टेसिंग का खास ख्याल रखा गया है। दो सांसदों के बीच 5 से 6 फुट की दूर रखी गई है यानी दो सांसद कम से कम इतनी दूरी पर बैठेंगे। कोरोना पॉजिटिव पाए जाने वाले सांसादों में मीनाक्षी लेखी, अनंत ठेगडे और दिल्ली के प्रवेश वर्मा भी शमिल हैं।

देश में इस समय रोजाना 90 हजार से अधिक कोरोना पॉजिटिव मामले आ रहे हैं। मंगलवार को 90027 मामले सामने आए थे। इससे देश में कुल कोरोना पॉजिटिव की संख्या 50 लाख के पार हो गई है। मंगलवार को कोरोना से मरने वालों की संख्या 81989 हो गई है। देश में इस समय कोरोना पॉजिटिव रोगियों की संख्या 9,90,061 है। जिसमें से 60 प्रतिशत रोगी देश के पांच राज्यों महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु के हैं। इन 60 प्रतिशत रोगियों में 219 प्रतिशत रोगी महाराष्ट्र के, 117 प्रतिशत रोगी आंध्र प्रदेश के, 104 प्रतिशत रोगी तमिलनाडु के, 95 प्रतिशत रोगी कर्नाटक के और 64 प्रतिशत रोगी उत्तर प्रदेश के हैं। सोमवार को कोरोना के जो 92071 नए मामले सामने आए हैं, इनमें से मात्र महाराष्ट्र में ही कोरोना के मामलों की संख्या 22 हजार से अधिक है। सोमवार को मौत का जो 1054 का आंकड़ा आया है, इसमें से 53 प्रतिशत मौतें मात्र तीन राज्यों में हुई है। इन राज्यों में भी महाराष्ट्र, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। इन गंभीर आंकड़ों के साथ सरकार की ओर जो राहत की बात कही जा रही है, वह यह कही जा रहा है कि भारत में कोरोना के इलाज के बाद स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ रही है। सोमवार को कोरोना से स्वस्थ होने वाले लोगों की दर 78 प्रतिशत थी। सरकार का कहना है कि एक दिन में 77512 कोरोना रोगियों को अस्पताल से छुट्टी दी गई है। देश में कोरोना टेस्ट करने की दर भी बढ़ रही है। रविवार को देश में कुल 978500 लोगों की कोरोना जांच की गई है। देश के स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन का कहना है कि देश में 10 लाख की जनसंख्या पर कोरोना पॉजिटिव की

संख्या 3328 और मरने वालों की संख्या 55 लोगों तक सीमित रखने में सरकार सफल हो गई है। ये आंकड़ा कोरोनाग्रस्त देशो की अपेक्षा सबसे कम कोरोना के इन आंकड़ों के लिए सरकार कुछ भी कहे, पर हकीकत यह है कि इस समय देश में जो माहौल है, वह लोगों का डरा रहा है। देश के सांसद ही जब कोरोना से अपना बचाव नहीं कर सकते तो जनता की हालत की कल्पना नहीं की जा सकती। कोरोना से बचने के लिए अब एकमात्र उम्मीद वैक्सीन पर है। परंतु कोरोना की वैक्सीन के लिए आशंका व्यक्त की जा रही है कि इसे सभी तक पहुंचने में चार से पांच साल लग जाएंगे। दुनिया में सबसे अधिक वैक्सीन बनाने वाली भारतीय कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला का कहना है कि इन परिस्थितियों में दवा कंपनियां अपना उत्पादन तेजी से बढ़ा नहीं सकी हैं, जिसके कारण दुनिया की तमाम जनसंख्या तक कम से कम समय में वैक्सीन पहूंचाना आसान नहीं है। पूनावाला का कहना है कि दुनिया के तमाम लोगों तक वैक्सीन पहुंचाने में कम से कम चार से पांच साल का समय लग जाएगा। उनका कहना है कि इस समय जिस तरह रोटा वायरस और डीजल्स की वैक्सीन हर किसी को दी जा रही है, उस तरह कोरोना की वैक्सीन दुनिया में हर आदमी को देनी होगी तो 15 अरब डोज चाहिए। इतना अधिक डोज कम समय में तैयार करने की क्षमता किसी कंपनी के पास नहीं है। भारत में पूना मे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन कंपनी है। इस कंचनी ने दुनिया की पांच इंटरनेशनल दवा बनाने वाली कंपनियों के साथ कोरोना वैक्सीन बनाने का कांट्रैक्ट किया है। इन कंपनियों में इस समय कोरोना वैक्सीन बनाने की रेस में सबसे आगे चल रही कंपनियों में एस्ट्राजेनेका और नोवावैक्स भी शामिल हैं। सीरम इंस्टीट्यूट कंपनी ने रूस की कंपनी जिसने स्पुतनिक वैक्सीन बनाई है, उसके साथ भी कांटैक्क्ट किया है।

कोरोना वैक्सीन बनाने के लिए इस समय पूरी दुनिया में प्रतिद्वंद्विता चल रही है। इसमें रूस ने सबसे पहले वैक्सीन बनाने का दावा किया है। परंतु रूस की इस वैक्सीन को अभी तक दुनिया के किसी अन्य देश ने मंजूरी नहीं दी है। इस वैक्सीन के बारे में कहा जा रह है कि थर्ड ट्रायल के पहले ही रूस ने इसे मंजूरी दे दी है। इसके अलावा वैक्सीन बनाने की रेस में चीन भी आगे है। यह भी कहा जा रहा है कि चीन ने दो वैक्सीन तैयार कर ली है और दोनों वैक्सीनों के सीमित उपयोग की मंजूरी भी दे दी गई है। इसके अलावा अमेरिका भी वैक्सीन बनाने की रेस में है। अमेरिका की मोर्डन कंपनी की वैक्सीन के तीसरे ट्रायल की शुरुआत 27 जुलाई को हो गई है। अब उसके परिणाम का इंतजार है।

वीरेन्द्र बहादुर सिंह
नोएडा, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

सेहत का दुश्मन है फास्ट फूड

कोरोना संक्रमण ने एक बार फिर अपनी रफ्तार तेज करदी है। स्कूलें बंद है और बच्चे घर में ही धमाचैकड़ी मचा रहे है। बाजार खुलने के साथ ही जंक फूड की याद सताने लगी है। बहुत से अभिभावकों ने अपने बच्चों को खुश रखने लिए फिर जंक या फास्ट फूड का सहारा फिर ले लिया है। बच्चों के साथ बड़ों का नाश्ता भी फास्ट फूड हो गया है। ऐसे में शारीरिक गतिविधियां बाधित होने से फास्ट फूड उनके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। एक सर्वे रिपोर्ट में बताया गया था की जंक फूड के कारण हर आयु वर्ग के लोगों को मोटापा ने अपना शिकार बनाना शुरू कर दिया है। अब बाजार की हलचल बढ़ने से फास्ट फूड का चलन भी बढ़ गया है जो निश्चित ही बच्चों से बड़ों तक की सेहत के लिए माकूल नहीं है।

जंक अथवा फास्ट फूड आज घर घर में अल्पाहार के रूप में प्रयोग में लिए जा रहे है। जंक फूड चिप्स, कैंडी, शीतल पेय, नूडल्स, सैंडविच, फ्रेंच फ्राइज, पास्ता, क्रिस्प्स, चॉकलेट, मिठाइयाँ, हॉट डॉग जैसे पदार्थों को कहा जाता है। बर्गर, पिज्जा जैसे तलेभुने फास्ट फूड भी जंक फूड की श्रेणी में आती है। जाइरो, तको, फिश और चिप्स जैसे शास्त्रीय भोजनों को भी जंक फूड मानते हैं। जंकफूड में कार्बोहाइड्रेट,वसा और शर्करा होती है। इसमें अधिकतर तलकर बनाए जाने वाले व्यंजनों में पिज्जा, बर्गर, फ्रैंकी, चिप्स, चॉकलेट, पेटीज मुख्य रूप से शामिल हैं।

तीव्र गति से बढ़ते शहरीकरण, व्यस्त जीवनशैली और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे बदलाव ने भारत में लोगों के जीवनयापन के तरीके को बदल कर रख दिया है। इन बदलावों के फलस्वरूप लोगों ने घर पर खाना पकाने और खाने की आदत में भी बदलाव किया है। महानगरों में में रहने वाले परिवारों की तैयार भोजन , फास्ट फूड और जंक फूड पर निर्भरता ज्यादा ही बढ़ गई है। अब तो इनकी पहुँच घर घर में हो गई है। यह बच्चों के प्रिय नाश्ते में शुमार हो गया है। देखा तो यह गया है पूरा परिवार अल्पाहार में फास्ट फूड का उपयोग करने लगा है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसन्धान परिषद् के अनुसार फास्ट फूड वे खाद्य पदार्थ होते हैं जो पहले से बने होते हैं या मिनटों के अंदर तैयार किये जाते हैं जैसे कि नूडल, बर्गर, फ्राइड फिश, मिल्क शेक, चिप्स, सलाद, पिज्जा, सैंडविच आदि। भारत में रेस्टोरेंट का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। ऑनलाइन फूड डिलिवरी वेबसाइट जैसे जोमैटो और स्विगी के कारण ऑनलाइन आने वाले ऑर्डरों में अच्छीखासी बढ़ोतरी हुई है।

अच्छा और स्वादिष्ट खाना हर किसी की जरूरत है इसलिए पिछले कुछ सालों में फास्ट फूड रेस्टोरेंट की इंडस्ट्री काफी मुनाफे में चल रही है। आज फास्ट फूड का क्रेज इतना ज्यादा हो गया हैं की घर पर बनने वाली कोई भी वस्तु पसंद नहीं आती हैं।

बाल मुकुन्द ओझा
मालवीय नगर, जयपुर ।

www.womenexpress.in

संस्मरण- सुगंध

इतने बड़े दिल्ली शहर में रहती हूँ पिछले बीस वर्षो से कभी वो महक मेरी साँसों में समाई ही नहीं जो एक गाँव के बड़े से आँगन में ट्रैक्टर से पलटी गई देसी गेहूं की बोरी से लगे हुए ढेर में कूदकूदकर आती थी नींबू अमरूद के पेड़, मिर्चीटमाटर के पौधों की क्यारियाँ तुलसी का बड़ा सा पौधा आँगन के बीचोंबीच.. भीनी सी स्वच्छ सुगंध प्रातः उठते ही पंजाबी परिवार है सर्दियों में तंदूर की आग तो साँझ को बंद ही न होती थी आसपडोस के लोग अपना नंबर लगा जाते पहले से ही और हर रविवार सांझ होते ही तीनचार घरों से बच्चे या पिताजी गाय के देसी घी से गूँथे हुए आटे को लेप लगा चिकना कर लाते और मेरी चाईजी से तंदूर में रोटियाँ लगवाते सारा गलियारा यूँ महकता था कि न भूख हो तब भी बच्चाबूढ़ा चारछह रोटी तो खा ही लेता था वो सब कहीं इन डब्बों और बिल्डिंगनुमा खांचों में न दिखा कुल्चे छोले की हांडी, घर की बालकनी में कबूतर की गुटरगूं,सड़कों पर रातदिन चलती गाड़ियों की आवाज़, भागते लोग,झुग्गियों की रोती आत्मा, स्वार्थ के लिए सज्जन को पागल बनती चतुराई गंदगी से फैलती नईनई बीमारियाँ, धर्म की दुहाई,नदियों में मूर्तिया, फूलों की बहाई छोटे शहरों से बड़े शहर में पढ़ाई या नौकरी के लिए आए लोग जो ऑफिस या कॉलेज जाते हुए जगहजगह रेड़ियों पर चाउमीन, बर्गर, और न जाने क्याक्या खाते, गिराते और सांझ को टिफ़िन आता जिसमें शाही पनीर पर शाही नहीं, दाल मख़नी पर मक्खन की जगह मिलावटी तेल और ऊपर से दिखावटी क्रीम बस उससे ही पेट भरकर सो जाते। फिर चल पड़ते सफर पर और सिर्फ वे ही नहीं सभी उस थाली के चटटूबट्टे हैं। परवाह नहीं किसी को आसपास क्या हुआ ? दुख की सांझेदारी बस शोकसभा तक और सुख में आओमुस्कुराओ, पुश्तैनी रिश्तेदरियाँ निकालो, खाओ पियो खिसको बस टाइम पास एक और मज़ेदार बात बताती हूँ आपको दिल बड़ा कमजोर है लोगों का, मेहमान आने वाला हो तब, और जब आ जाए तो जाएगा कब। हँसते रहेंगे चाय की चुस्की संग पर दम घुटता रहेगा एक तो बेचारा समय निकालकर आए, किराया खर्च करे, और ऊपर से ऐसी सोच ! उसके जाते ही आपस में भी लड़ पड़ेंगे बड़ा ही कटु है ये अनुभव मानवीय भावनाएँ अपनी चरमसीमा पर देखना बीते दिनों में लॉकडाउन के चलते और आजकल भी जब लोग सोशल डिस्टेंसिंग के साथ बाहर आवाजाही कर रहे हैं, ऐसे कोरोना समय में घर के बाहर मुझे उस पुरानी सुगंध का अंश तो महसूस हो रहा है आवरण में कुछ तो सुधार हुआ होगा जरूर तभी हवा स्वच्छ है, आकाश नीला है शायद कंकाल तंत्र के भी स्क्रू कस दिए हों भगवान ने कैद में,भीतर भी सुधार हो जाए तो कितना अच्छा होगा।

भावना मिलन, अरोड़ा
शिक्षिका एवं लेखिका
कालकाजी, नई दिल्ली ।

www.womenexpress.in

देश के हीरो

आओ बच्चो तुम्हे बताये देश
का हीरो कौन है ?
इस मिट्टी पे जो मर मिट जाये
वही देश का हीरो है
वन्देमातरम वन्देमातरम

ये है अपने वीर सिपाही नाज़
इन्हें तिरंगे पे
इसने सारा जीवन काटा
सीमाओं के पहरे पे
दुश्मनो ने जब भी ललकारा
एक एक को चुन चुन कर मारा
तिरंगे का नशा इनके सिर
चढ़कर बोला है
इस मिट्टी पे जो मर मिट जाये
वही देश का हीरो है
वन्देमातरम वन्देमातरम

बाढ़ आये तूफान आये
कूद पड़े सिपाहियों की टोलियां
हर खतरे को लांघते पत्थर
जंगल काटते
एक एक की जान बचाये
सिपाहियों के हौसले
इनके रग रग मे बसी है कुर्बानी
की बोलियां
इस मिट्टी पे जो मर मिट जाये
वही देश का हीरो है
वन्देमातरम वन्देमातरम
सीमाओं पर बंदूको से लड़ती
आधुनिक भारत की बेटियां
अभिनन्दन ने दुश्मन के घर मे
घुसकर
स्न16 को मार गिराया था
देश का हर सिपाही बोला
इंकलाब की बोलियां
इस मिट्टी पे जो मर मिट जाये
वही देश का हीरो है
वन्देमातरम वन्देमातरम

आओ बच्चो तुम्हे बताये देश
का हीरो कौन है ?
इस मिट्टी पे जो मर मिट जाये
वही देश का हीरो है
वन्देमातरम वन्देमातरम

प्रियंका पांडेय त्रिपाठी
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।

www.womenexpress.in

आ भी जाओ ना...

आ भी जाओ सनम अब
तड़पाओ ना
इक झलक को अपनी हमें
तरसाओ ना
हमें मिलता है सुकुन तुम्हारी
पनाहों में
पास आकर के बाहों में छुपाओ ना
जुदाई का आलम सहा अब न जाये
ये दूरियां दिलदार अब मिटाओ ना
जानते हो हमें इश्क है रब से ज्यादा
कभी दिल खोलकर तुम भी
बताओ ना
दिन तो कट जाता है रात
कटती नहीं
मेरी तन्हाईयों को अब समझ
जाओ ना
बड़ी प्यारी लगती है मुस्कराहट
तुम्हारी
लेकर आगोश में फिर
मुस्कराओ ना
मर मिटे हैं हम तो तुम्हारी
मौहब्बत में
बहुत हो चुका सृजिता आ
जाओ ना

सीमा शर्मा पाठक

www.womenexpress.in

हां मैं एक नारी हूं

हां मैं एक नारी हूं
सृष्टि की सृजनहार हूं
परिवार का आधार हूं
संस्कारों की खान हूं
ममता की शीतल छांव हूं
स्नेह, प्रेम का निर्झर हूं
धैर्य, संयम का सागर हूं
त्याग बलिदान की मूरत हूं
समर्पण की सच्ची सूरत हूं
कभी शीतल मंद बयार हूं
कभी अग्नि की ज्वाल हूं
कभी फूल सी कोमल हूं
कभी तेज धार कटार हूं
कभी पायल की झंकार हूं
कभी कंगन की खनकार हूं
कुमकुम का लाल रंग हूं
काजल,बिंदी का श्रृंगार हूं
घर को स्वर्ग बनाती हूं
रिश्तो का मान बढ़ाती हूं
सबका ख्याल रखती हूं
अपनों की चिंता करती हूं
घर आंगन को महकाती हूं
हर जिम्मेदारी निभाती हूं
परिस्थितियों के अनुसार
स्वयं को मैं ढाल लेती हूं
कभी अपनों की खातिर
खुद इच्छाएं मार देती हूं
सहती मैं बहुत कुछ हूं
पर हिम्मत ना मैं हारी हूं
जब मन में ठान लेती हूं
आसमां को छू लेती हूं
अंतरिक्ष में पहुंच जाती हूं
घर परिवार भी चलाती हूं
नर के कंधे से कंधा
मिलाकर चलती हूं
अबला नहीं अब
सबला मैं कहलाती हूं
हर कर्तव्य अपना निभाती हूं
मर्यादा में अपनी रहती हूं
प्रश्न उठता जब अस्तित्व पर
तब चंडी भी बन जाती हूं
दुष्टों का वध करने से
तनिक ना मैं घबराती हूं
गंगा सी मैं पावन हूं
धरा सी धैर्यवान हूं
सृष्टि की सृजनहार हूं
ईश्वर का सुंदर वरदान हूं
मैं गौरी हूं मैं लक्ष्मी हूं
मैं ही शक्ति स्वरूपा हूं
मैं शक्ति हूं मैं भक्ति हूं
मैं ही अन्नपूर्णा देवी हूं
हां मैं एक नारी हूं
सृष्टि की सृजनहार हूं।।

प्रेमलता चौधरी
फालना, पाली, राजस्थान।

www.womenexpress.in

एक बार फिर चली आओ मां

एक बार फिर चली आओ! मां
आकर मुझसे बतिया ओ! मां
तुम जननी हो, तुम पालक हो ,
फिर क्यों तुम मुझको छोड़ गई।
क्या चूक हुई मुझसे मेरी मां,
जो मुझसे तुम मुख मोड़ गई।
मेरी भूल तो आ करके मुझसे,
एक बार तो बताओ! मां
दुनिया के इस तपती धूप में मां,
अपने आंचल का छाव करो।
ममता के लिए बहुततरसती हूं मैं,
आकर मुझको फिर अंक मेलो।
मेरे जीवन की कठिनाई सब,
आ कर के तुम सुलझाओ मां
है जीवन में संगी बहुत,
पर तुम साथ साथ निभाए कौन।
आज है जीवन में रंग बहुत,
पर तुम साथ चित्र बनाएं कौन
ममता का रंग फिर आकर के,
मेरे जीवन में भर जाओ! मां।

कामिनी मिश्रा
उन्नाव, उत्तर प्रदेश ।

www.womenexpress.in

हाउसवाइफ...

मैं घर की अर्धांगिनी नहीं हूँ..!
मैं तुम्हारी अर्धांगिनी हूँ.....!!

मैं घर की गृहणी नहीं हूँ !
मैं तुम्हारी गृहणी हूँ.....!!

मांग में हो तुम सिन्दूर द्वारा सज्जित ।
भाग्य में हो तुम आत्मा
द्वारा अर्पित ।।
सिकंदर भी तुम हो मुकदर भी
तुम हो ।
घर की सुन्दरी बनाकर कर रहे
हो लज्जित।।

मैं हाउसवाइफ नहीं हूँ..!
मैं घर की पत्नी नहीं हूँ..!!
मैं तुम्हारी पत्नी हूँ..!
मैं तुम्हारी गृहणी हूँ..!!

तुमने मुझे देखा है..!
तुमने मुझे पहचाना है..!!
तुम बारात लेकर आए..!
तुम घोड़ी पर बैठकर आए..!!

तुम्हारे संग सात फेरे हुआ है !
क़सम देकर तुम मेरे हुआ है !!

दुख सुख का साथी आधा
आधा हुआ है ।
साथ जीयेंगे साथ मरेंगें वादा
हुआ है.....।।

मैं घर की सुन्दरी नहीं हूँ..!
मैं तुम्हारी सुन्दरी हूँ......!!
मैं घर की गृहणी नहीं हूँ..!
मैं तुम्हारी गृहणी हूँ......!!

मैं घर की पत्नी नहीं हूँ..!
मैं तुम्हारी पत्नी हूँ......!!

मनोज शाह
सुदर्शन पार्क मोती नगर
नई दिल्ली।

www.womenexpress.in

दीवारें...

सोच की दिवारें चिनी हैं
आस पास मेरे रस्मों की
मान्यताओं की
यही दिवारें हैं आस पास मेरे
निगरानी करती
चाहे कितनी भी आगे
मैं बढ़ जाऊं
ये दिवारें बनती गई
मेरे अस्तित्व के संग गिरती नही हैं
ये रस्मों रिवाजों की ये दिवारें
किसे दोषी मानू
दीवारें चिनने वालों की
या इनको चलाने वालों को
या फिर मैं खुद को
कि मैं एक लड़की हूँ
इसी समाज को
जिसकी दिवारों में मुझको
रहना है...

सरोज बाला
कठुआ, जम्मू कश्मीर ।

कौन सही राजा या मंत्री

बहुत समय पहले की बात है बुन्देल खंड में एक राजा हुआ करता था। एक बार कुछ ऐसा हुआ कि एक अंग्रेज की किसी ग़लती पर राजा को काफी गुस्सा आ गया। और राजा ने उसे फांसी की सज़ा सुना दी।अंग्रेज़ ये सुनकर काफ़ी घबराया। जब उसकी कोई बात राजा ने नहीं सुनी तो उसने गुस्से में राजा को इंग्लिश में गालियां देनी शरू कर दी। राजा उसकी कोई बात को नहीं समझ पाया क्योंकि राजा को इंग्लिश ही नही आती थी। लेकिन राजा के मंत्री अंग्रेज़ी पढ़े थे। राजा ने मंत्री से पूछा बताओ ये किया कह रहा है ?

मंत्री कहता है राजा साहब ये कह रहा है कि बड़े लोग अपने गुस्से को पी लेते हैं। और दोषियों को माफ़ कर देते है।

राजा को मंत्री की ये बात सुनकर दया आ गयी। तभी उन्होंने अंग्रेज़ को माफ़ी दे दिया और उसे आज़ाद करने का आदेश दिया।

एक दूसरा मंत्री भी अंग्रेज़ी जानता था।उसने राजा से कहा राजा साहब हम लोग आपका नमक खाते है, वफ़ादारी करना हमारा फ़र्ज़ है। जो बात जिस तरह हो वैसे ही कह दिया जाय।

राजा ने पूछा तुम क्या कहना चाहते हो ?

मंत्री सरकार ये अंग्रेज़ न आपको गालियाँ दे रहा था।

राजा ने मंत्री की बात सुनकर मंत्री की तरफ़ से अपना मुँह फेर लिया और कहा। आपके सच से उसका झूट बेहतर है। बड़े बुजुर्गों का भी कहना है

जिस झूट से किसी की जान बच जाय और दिलो में प्रेम उत्पन्न हो वो उस सच से बहेतर हुआ जिस्से दो लोगों में नफरत पैदा हो। किसी के दिल मे प्रेम स्वछता पैदा करने के लिये बोला गया झूट पाप नहीं । बस उसका उद्देश किसी की भलाई ही हो।

आसिया फ़ारूक़ी
प्रधानाध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय अस्ती
फतेहपुर ।

www.womenexpress.in

लहर...

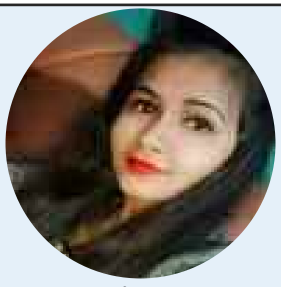

दिल में खिली लहर
यूँ मचाके कहर
जैसे... लहरों का प्रेम
किनारों से मानो यूँ.....
निःस्वार्थ प्रेम दर्शाता हैं।
बंधन मुक्त प्रेम करना
हमको यही तो सिखाता हैं।
व्याकुल होकर लहरें...
किनारों से यूँ मिलने आती हैं।
उठती, गिरती, संभलती
घाव को सहती
फिर भी नहीं तोड़ती अपनी मर्यादा
सबसे टकराती
प्रेम जताती
स्पर्श तो पाती किन्तु...
ठहर नहीं पाती
पुनः लौट वो जाती हैं।
एक क्षण मिलन की चाह में
अपना सर्वस्व
अस्तित्व खोकर
उसी में विलीन हो जाती है।
अद्भुद ,अति अद्भुद
अपना प्रेम दर्शाती हैं।

प्रिया सिंह
कार्बी आंगलांग,(असम)।

www.womenexpress.in

मन में बेटी के हजार प्रश्न उभरते है

आसान होता है शायद
महत्वाकांक्षी स्त्री का सब्र करना
अपने दर्द को छिपाकर हंसना
आसान होता है शायद
स्त्री का सपनों को बलिदान करना
अपनी खुशियों को औरों पर लुटाना
आसान होता है शायद
तपती गर्मी में रसोई में खाना बनाना
भरी सर्दी में सुबह जल्दी उठना
आसान होता है शायद
त्याग और समर्पण करना
डोली में आना और अर्थी में जाना
पर हा बहुत मुश्किल होता है
एक पिता के लिए अपनी
अपनी बेटी को विदा करना
मुश्किल होता है बेटी को
एक अनजान घर में भेजना
अनजान रिश्तों में बांधना
मुश्किल होता है बेटी के लिए
अपना घर छोड़ना जिसमें
बचपन गुजारा
लड़खड़ा जाते है कदम विदाई
के वक़्त
मुश्किल होता है बेटी के लिए
वो पल
मन में बेटी के हजार प्रश्न
उभरते है
सहमे सहमे कदमों से छोड़ देती है
पिता का आंगन प्यार दुलार

जया वैष्णव
जोधपुर, राजस्थान ।

www.womenexpress.in

माँ की ममता

जब तुझे गोद में लिया ,
तो कांप गया मन ।
बेटी हैं तु तो रे,
कैसे इस दुनिया से लड़ पाएगी,
कभी बेटी बनकर, कभी बहूपत्नि बनकर
बलिदान की सूली पर चढाई जाएगी।
एक मन तो किया ,
तेरा सफर यहीं खत्म कर दू ।
पर फिर आत्मा की आवाज आई,
तु ही शक्ति, तु ही दुर्गा, काली भी तो
तु ही कहलाएगी ।

शिखा
नई दिल्ली।

जन्म दिन विशेष

मिलती जिंदगी बस एक बार है,
मानते इसे हम सालोंसाल है।

छाई आज हर तरफ बहार,
जन्म देकर दिया मुझे सबसे
बड़ा उपहार।

चलिए आज मांगती ईश्वर से
यह कामना,
मिलती रहे सफलता पूरी हो
आपकी हर मनोकामना।

धन्य हूँ पाकर जीवन आपके पास,
सदा सुखी रहूँ दीजिये आज
यह आशीर्वाद।

हर जन्म में बनूँ आपकी
बेटी दुलारी,
जन्मदिन पर मांगती ये
ख्वाहिश प्यारी।

देते बधाई दिलों जान से,
रहे आप जीवन में खुश नयी
उत्साह से।

मिलती जिंदगी बस एक बार है,
मानते इसे हम सालों साल है,
मानते इसे हम सालों साल है
जन्मदिन मुबारक हो

सरिता श्रीवास्तव,
आसनसोल (पश्चिम बंगाल)।

www.womenexpress.in

तुम भयभीत हो उनसे

जो तुम्हारी पवित्रताओं की
कसौटी पर,
खुद को बिल्कुल भी सिद्ध
नहीं करती
जो तुम्हारे मिथकों से इंकार हैं करती
जो पतरेपोथियों को
अविश्वसनीय समझती
तुम भयभीत हो उनसे।
जो किताबें ले हाथों में,आंखों
पर चढ़ा गॉगल
कलरफुल हेयर करके, हेलो
हाय है करती
टांग बैग अपने, अपने पुरुष दोस्तों के
विश्वविद्यालयों से चर्चा करते निकलती
तुम भयभीत हो उनसे।।
जो निकलती हैं हाथों में ले झंडे
नारे लगाती हैं,बात बेबाक रखती हैं
आशु गैस,वाटर कैनन से
कदम पीछे नहीं करती
लाठियों के पीठ पर वार से
नहीं डरती
तुम भयभीत हो उनसे।
जो बैरिर्स पर चढ़कर, हुंकार हैं भरती
संसद की सड़कों से
लेकर,चौराहों तक
आंदोलनों में जनसैलाब बन उमड़ती
प्रतिरोधी क्षमता पैदाकर
शिरकत करती
तुम भयभीत हो उनसे।।
अच्छा एक बात बताओ, अगर!
भयभीत नहीं हो तुम?
बहरूपिया, घुसपैठियों की बन
क्यों डराते हो?
प्रतिरोध में उनके साथ क्यों
नहीं आते हो?
क्यों कि तुम भयभीत हो उनसे।
भीड़ में घुस उनके अंगों पर
वार करते हैं
हीनता,लैंगिक कमजोरी भरने
का प्रयास करते हैं
किन्तु मुखमंडल पर,प्रचंड
अग्नि सा तेज रखते हैं
बढ़ रहा बहुमत तेजी से,
विरोधी क्षमताएं रखते हैं
मान लो अब तो, तुम्हें वो
भयभीत करती हैं।

डॉ. राजकुमारी

www.womenexpress.in

पाये तेरी गोद में, मैंने चारों धाम !!

तेरे आँचल में छुपा, कैसा ये
अहसास !
सोता हूँ माँ चैन से, जब होती
हो पास !!

माँ ममता की खान है, धरती
पर भगवान !
माँ की महिमा मानिए, सबसे
श्रेष्ठमहान !!

माँ कविता के बोलसी,कहानी
की जुबान !
दोहो के रस में घुली, लगे छंद
की जान !!
माँ वीणा की तार है, माँ है
फूल बहार !
माँ ही लय, माँ ताल है,जीवन
की झंकार !!

माँ ही गीता, वेद है, माँ ही
सच्ची प्रीत !
बिन माँ के झूठी लगे, जग की
सारी रीत !!

माँ हरियाली दूब है, शीतल गंग अनूप !
मुझमे तुझमे बस रहा, माँ का
ही तो रूप !!

माँ तेरे इस प्यार को, दूँ क्या
कैसा नाम !
पाये तेरी गोद में, मैंने चारों धाम !!

प्रियंका सौरभ

www.womenexpress.in

हम होंगे कामयाब

बहुत भयंकर बीमारी है
बुनकर बैठी है यह जाल
समझ नहीं पाया है अब तक
कोई इसकी कपटी चाल
लोग फंस गए चाल में अब
इसकी बेहिसाब
हम होंगे कामयाब,हम होंगे
कामयाब
पहले भी कई बार हमारे सामने
ऐसी परिस्थितियां आई है
हमने हंसते हंसते उनसे
लड़कर कामयाबी पाई है
मिल कर हम पहले भी हुए थे
कामयाब
हम होंगे कामयाब, हम होंगे
कामयाब
कारोना जैसी महामारी का
बेशक नहीं है कोई हल
लंबी लड़ाई लड़नी हमको
नहीं है काफी पल दो पल
रहन सहन में लाना पड़ेगा अब
हमको बदलाब
हम होंगे कामयाब,हम होंगे
कामयाब
कोई भी हो मुसीबत
ज़्यादा दिन नहीं चलती है
सुबह का सूरज निकलता है
तो सांझ अवश्य ढलती है
तेरा भी कोरोना जल्दी उतरेगा नकाब
हम होंगे कामयाब,हम होंगे कामयाब

रविंदर कुमार शर्मा
बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश ।

www.womenexpress.in

ये ढलती हुई शाम

ये ढलती हुई शाम
बड़ी अच्छी लग रही है
परिंदे हों या इंसान सबको
इकट्ठे कर रही है

ये ढलती हुई हुई शाम
पैगाम दे रही है
कि देख इंसान तेरी
उम्र ढ़ल रही है
ये जाती ही जाती हुई
हमको पैगाम दे दे रही है
कि हर शाम के बाद
एक सवेरा नया आयेगा
फ़िर से ऐ इंसान तूँ
हिम्मत नई जुटाएगा

वैसे ही दिन रात के जैसे
दुख भी तो आते जाते हैं
जो रखते हैं हिम्मत थोड़ी
रास्ते नए बनाते हैं

करमजीत कौर,
श्री मुक्तसर साहिब, पंजाब।

www.womenexpress.in

चहल ने दिखा दिया कि किसी भी विकेट पर छाप छोड़ सकता है: कोहली

(विशेष संवाददाता)

दुबई, 22 सितंबर । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में जीत के बाद युजवेंद्र चहल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि कलाई के इस स्पिनर ने दिखा दिया कि वह किसी भी विकेट पर प्रभावित कर सकता है। सनराइजर्स एक समय दो विकेट पर 121 रन बनाकर अच्छी स्थिति में दिख रहा था लेकिन चहल ने यहां पर दो विकेट लिये और इसके बाद हैदराबाद की टीम 164 रन के लक्ष्य के सामने ताश के पत्तों की तरह बिखरकर 153 रन पर आउट हो गयी। चहल ने 18 रन देकर तीन विकेट चटकाये जिसमें जॉनी बेयरस्टॉ (61) का विकेट शामिल था। कोहली ने मैच के बाद, ''ईमानदारी से कहूं तो यह शानदार मैच था। पिछले साल परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहे थे। हमने संयम बनाये रखा और युजी ने मैच का पासा पूरी तरह से हमारे पक्ष में कर दिया।

उसने दिखाया कि अगर आपके पास कौशल है तो आप विकेट ले सकते हो। उसने मैच का पासा पलटा। '' कोहली ने आईपीएल में अपना पहला मैच खेल रहे देवदत्त पडिक्कल की भी प्रशंसा की जिन्होंने 56 रन बनाये। उन्होंने कहा, ''हमने वास्तव में अच्छी शुरुआत की। देवदत्त ने पदार्पण पर बहुत अच्छी पारी खेली। (आरोन) फिंच ने भी अच्छा खेल दिखाया। लेकिन जब आप दो गेंदों पर दो विकेट गंवा देते हो तो तब पारी संवारनी पड़ती है। '' कोहली ने कहा, ''वाशिंगटन सुंदर ने आज अधिक गेंदबाजी नहीं की लेकिन कामचलाऊ गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया जो कि अच्छा संकेत है। '' सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर को अपने जल्दी आउट होने का दुख था। जॉनी बेयरस्टॉ का शॉट गेंदबाज उमेश यादव के हाथ से लगकर नान स्ट्राइकर छोर पर लग गया था और तब वार्नर क्रीज से बाहर थे। वार्नर ने कहा, ''मुझे याद नहीं कि मैं इससे पहले कब इस तरह से आउट हुआ था। इस मैच में कुछ ऐसी चीजें हुई जो हमने पहले नहीं देखी। चहल का आखिरी ओवर टर्निंग प्वाइंट रहा। हमें इस मैच को भुलाकर अगले मैच के लिये कड़ी मेहनत करनी होगी। '' मिशेल मार्श का गेंदबाजी करते समय टखना मुड़ना सनराइजर्स को आखिर में भारी पड़ा। वह इसके बावजूद आखिरी क्षणों में बल्लेबाजी के लिये आये जिसके लिये वार्नर ने उनकी प्रशंसा भी की। वार्नर ने कहा, ''मिशेल ने साहस दिखाया और क्रीज पर उतरा। वह बहुत अच्छा महसूस नहीं कर रहा था।

बॉलीवुड ड्रग एंगल ने सुशांत को न्याय दिलाने की बात भुला दी: एरियन रोमल

(विशेष संवाददाता)

मुंबई, 22 सितंबर । डेनमार्क के गायक और उद्यमी एरियन रोमल ने दिवंगत अभिनेता सुशांत राजपूत को समर्पित एक ट्रिब्यूट सॉन्ग बनाया है। यह गाना उनकी रहस्यमयी मौत के पीछे के सच को जानने के लिए चलाए जा रहे सोशल मीडिया आंदोलन पर आधारित है। रोमल का मानना है कि कथित बॉलीवुड ड्रग लिंक ने अभिनेता की मौत की जांच से ध्यान हटा दिया है। सुशांत के लिए न्याय मांगने 'वी रोअर' शीर्षक से बनाए गए इस गीत की थीम इस तरह है कि 'अब आराम करो, हम यह लड़ाई जारी रखेंगे'।

हालांकि, इस गाने के लिए मुंबई के संगीतकारों के साथ सहयोग करने की योजना बनाने वाले रोमल का यह अनुभव सुखद नहीं रहा। रोमल ने बताया, 'मैं भारत के बहुत से संगीतकारों को पहचानता हूं और कई को निजी स्तर पर जानता हूं। हम

मिलते रहते हैं। उनमें से कुछ लोगों को मैंने सुशांत के लिए बनाए जा रहे इस गाने के बारे में बताया और उन्हें मेरे साथ कोलेबरेट करने की पेशकश भी की। कुछ ने व्यस्त होने की बता कही और कुछ ने कहा कि वे इस मामले में नहीं पड़ना चाहते। इस बात ने मुझमें बहुत खीज पैदा की कि जब 3 महीने पहले सुशांत की मौत हुई थी तो हर कोई उन पर गाना बनाना चाहता था लेकिन जब मामला आत्महत्या से हटकर अन्य मामले में बदल गया तो सब छिप रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं किसी का नाम नहीं लूंगा लेकिन 9 लोगों को मैंने ये ऑफर दिया था। इसमें 8 ऐसे हैं जो हमेशा इण्डस्ट्री को बुराभला कहते रहते हैं कि उनका यहां लोगों ने उपयोग किया।' उन्होंने आगे कहा, 'इस मामले में ड्रग एंगल समेत सब कुछ सामने आ रहा है लेकिन मुझे लगता है कि लोग धीरेधीरे सुशांत को न्याय दिलाने की बात भूल रहे हैं। यह जांच सुशांत की मौत के पीछे वजह जानने के लिए की जा रही थी ना कि बॉलीवुड में ड्रग्स के बारे में जांच करने के लिए। मुझे वाकई इस बात की परवाह नहीं है कि करण जौहर ड्रग्स लेते हैं या नहीं या वे टीवी पर क्या दिखा रहे हैं, क्योंकि वह एक अलग मामला है। मुझे परवाह केवल सुशांत के बारे में सच पता करने की है।' रोमल द्वारा निर्मित 'वी रोअर' को उनके साथ टिया बाजपेयी ने भी लिखा है, साथ ही इसमें अपनी आवाज भी दी है। रोमल कहते हैं, 'मैं एक संगीतकार हूं।

हालेप को इटालियन ओपन का खिताब

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

रोम, 22 सितंबर। विश्व के दूसरे नंबर की खिलाड़ी और शीर्ष वरीयता प्राप्त रोमानिया की सिमोना हालेप ने अपने प्रतिद्वंद्वी और गत चैंपियन चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिसकोवा के सोमवार को दूसरे सेट में रिटायर हो जाने के बाद पहली बार इटालिन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया।

हालेप ने 32 मिनट में 60, 21 की बढ़त बना ली थी, लेकिन तभी दूसरी सीड प्लिसकोवा ने चोट के कारण मैच छोड़ने का फैसला किया। हालेप ने इसके साथ ही पहली बार इस खिताब को अपने नाम किया और 27 सितंबर से होने वाले क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लेम फ्रेंच ओपन के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया। रोमानियाई खिलाड़ी हाल में वर्ष के अंतिम ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन में खेलने नहीं उतरी थीं और उन्होंने अपना सारा ध्यान क्ले कोर्ट सत्र पर लगाया और इटालियन ओपन का खिताब जीत लिया। हालेप और प्लिसकोवा के बीच यह 12वीं बार मुकाबला था जिसमें हालेप ने आठवीं बार जीत हासिल की। हालेप इससे पहले 2017 और 2018 में फाइनल में इलिना स्वितोलिना से हार गई थी। उन्होंने टेनिस शुरू होने के बाद अपने रिकॉर्ड को 100 तक भी पहुंचा दिया है। वह हालांकि फरवरी से लेकर अब तक लगातार 14 मैच जीत चुकी हैं। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से यूएस ओपन में हिस्सा नहीं लिया था।

अनिश्चितता

हम यादों के झरोखों से झाँक आते!

ऐसा प्रतीत होता मानो
अनिश्चितता ही एक मात्र नियम है,
सभी वस्तुओं का प्रारम्भ
व अंत है,
उसी प्रकार जैसे खिले हुए
पुष्प मुरझाते!

आज मैं बड़े असमंजस में हूँ ,
सोचती हूँ क्या कहूँ,
यही सोच रही हूँ कि
हम अभावों को कैसे समझ पाते?

कुछ प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से,
कभी अनमने मन से,
कभी वास्तविकता में,

कुछ लुप्त हो जाता है,
कुछ स्वयं मिट जाता है,
और बीतते समय के साथ
हम भी जीवन में आगे
बढ़ते जाते!

रूना लखनवी

www.womenexpress.in

शान्ति की खोज में दुनियां भटक रहीं हैं

चढ़ गया
फिर भी गुणगान अंहिसा
का जारी हैं।

न शांति घर में हैं ना बाहर हैं
भीतर द्वन्द हैं रिश्तों का
फिर भी मुस्कुराहट ने कमान
संभाली हैं

शान्ति की खोज में
दुनियां भटक रहीं हैं
और संघर्ष जारी हैं अशान्ति का
गरीबी,भुखमरी,बेरोजगारी हैं।

फिर भी शांति ने कमान
संभाली हैं
हजारों रूप्या हिंसा की भेंट

आहिस्ताआहिस्ता क्षीण हो
रहा कंकाल
लेकिन शब्दों में दृढ़ता जारी हैं
और शांतिदूत बनने का
नकाब ओढ़े हर नरनारी हैं।

ललिता पाण्डेय
नई दिल्ली।

www.womenexpress.in

मुझे नहीं पता क्यों ?

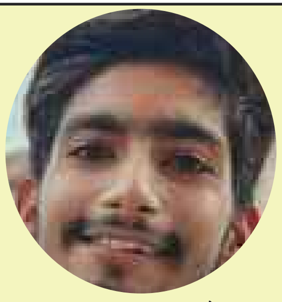

शराब की ग्लास आधी भरी पड़ी है,
रात मुझसे रोने का कारण
पूछ रही हैं,
इक घुटन सी हैं मैं शराब नहीं पी
पा रहा हूँ,
मुझे नहीं पता,क्यों?

रात कटती जा रही हैं,
उसकी याद आए जा रही हैं,
मुझे नींद नहीं आ रही हैं,
मुझे नहीं पता,क्यों?
.
तारें टिम टिमा रहे हैं,
चाँद रात को रोशन कर रहा हैं,
मैं बस अपलक उन्हें देख रहा हूँ,
मुझे नहीं पता,क्यों?

मैं उसके इंतजार में हूँ,
वो किसी और के साथ हैं,
मैं टूट कर रो रहा हूँ,
मुझे नहीं पता,क्यों?
.
इक दूर से शोर सुनाई दे रहा हैं,
ये कामयाबी हैं या नाकामयाबी का हैं,
मैं कुछ नहीं समझ पा रहा हूँ,
मुझे नहीं पता,क्यों?
.
वो लड़की आज ही तो मिली हैं,
मैं नहीं जानता अंजान सी हैं,
उससे बात करने का दिल हो रहा है,
मुझे नहीं पता,क्यों?

फसल बर्बाद होने को हैं,
किसान व्योम की ओर देख रहा हैं,
खुदा को उसकी दुआ मंजूर नहीं है,
मुझे नहीं पता,क्यों?

उसके सब वादे झूठे लग रहे हैं,
मेरे ख्वाब मेरे गले लग रहे हैं,
मैं बहुत दूर जानें वाला हूँ,
मुझे नहीं पता,क्यों?
.
आँखो के नीचे काले धब्बे हो चुके हैं,
जीत की प्यास मृगतृष्णा बन चुकी हैं,
मैं अब भी लाखों उम्मीदें लगाए
बैठा हूँ,
मुझे नहीं पता,क्यों?

वो छोड़ कर जानें वाली है,
अब नई सुबह भी होने वाली हैं,
मैं उसके जानें का और सुबह होने
का इंतज़ार कर रहा हूँ,
मुझे नहीं पता,क्यों??

रविदान चारण
नोखा , बीकानेर (राजस्थान)।

www.womenexpress.in

हमदर्द भावनाएँ

ख़ामोशी की हालत में भी,
शोर मचाता रहता है दिल...
शून्य अकेले सन्नाटे में,
कुछ कुछ गाता रहता है दिल,

जाने किस की यादों में अब,
हर पल खोया रहता है ये,
न जाने किस अनजाने से,
अब बतलाता रहता है दिल...

ख़ामोशी की हालत में भी,
शोर मचाता रहता है दिल..

सारिका जागृति
ग्वालियर(मध्य प्रदेश)।

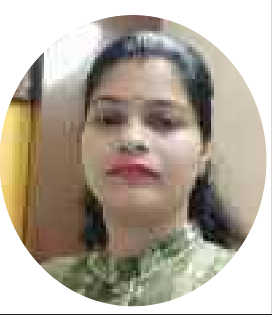

कब आओगे तुम

सावन में मिलन गीत गाओगे
सच बोलो कब आओगे तुम

पछी भी अब घर को आ रहे है
सूरज अस्ताचल को जा रहे है
सब पहुँच गये अपने घर को
तुम घर को कब आओगे

सच बोलो तुम कब आओगे
बादल बरस रहे है घनघोर
वन में चिहुंक रहे है मोर
सब नीड मे अपने आ गये है

हरदम याद में आते हो तुम
सच बोलो कब आओगे तुम
आँखो से हरदम आँसू बहते है
सांसे भी तेरा नाम रटते रह्ते है

आने की बाट निहरा करते है
रातो में तुम्हे पुकारा करते है

तुम घर कब आओगे
सच बोलो तुम कब आओगे

सुधीर कुमार पाल

www.womenexpress.in

अच्छा लगता है

तुम्हारी यादों में लबों को हँसाना
कभी चूड़ियों की चुभन से रो देना,
अच्छा लगता है।

जानबूझ कर पहले गुस्सा दिलाना
फिर उलटी पुल्टी हरकतों से मानना,
तुम्हारी आँखों के झील में डूब कर
फूलों के शहर में वो घर बसाना,
अच्छा लगता है।

कभी औंधे कभी सीधे लेटकर
युहीं तुम्हे घण्टो सोचना,
कभी कागजों पर ख्वाहिशे उतारना
कभी पुराने ख्वाबों को खरोंचना,
अच्छा लगता है।

रात के अंधेरों में सपना बुनना
दिन में सुध बुध भी बस खो देना,

खुवाबों का हकिकत बन जाना
प्यार की इन्तहा दे कर,
तुम आओगे घर मेरे
लेजाओगे मुझे ये सोच कर,
अच्छा लगता है ।

नलिनी राज
कोलकाता ।

www.womenexpress.in

इंतजार तेरा

आखिर कब तक करू मैं
इंतजार तेरा ।
इंतजार में कट जाएगा सारा
जिंदगी मेरा......
कभी सोचती हूं बैठ के तन्हाई में ।
आखिर रखा क्या है ऐसी
जूदाई में ।
हां मैंने माना तूम दूर हो,
शायद मजबूर हो ।
पर मैं क्यूं मानूं कि तुम
मजबूर हो।
चाहत भी बराबर थी, इबादत
भी बराबर थी।
मूझे तेरा इंतज़ार था, तुम्हे मेरा
इंतजार था ।
फिर क्यूं दूर हो गऐ मेरी नज़रों से...
नजर चाहती है दीदार करना ।
मेरा दिल चाहता है तेरी पूजा करना।
मन मंदिर में देवता माना है तूमको।
जो हक मैंने खुद को नहीं दिया।
वो हक दिया है तूमको ।
मूझसे दूर जाने की इजाजत
नहीं तूमको।
मूझे तड़पाने का हक नहीं तूमको।
हक नहीं तू ये कहें।
कि अब हम तेरे ना रहे...
तनहा रातों में जब अचानक
नींद खूल जाती है ।
तेरा चेहरा मेरे आंखों के सामने
नजर आती है।
फिर सोचती हूं, इतनी अच्छी
किस्मत नहीं हमारी।
ज़मीन पे रह के चांद को छुने
की हैसियत नहीं हमारी।
लेकिन क्या करें दिल है कि
मानता नहीं।
और हाल ऐ दिल जमाना
जानता नहीं...
हम तुम क्या इस ज़माने ने तो
सभी पे उंगली उठाया है ।
सती सावित्री सीता के आंचल
पे दाग लगाया है।
तुम कहो तो सातों जन्म
इंतजार करू ।
अपने सूख दूःख का मैं
इजहार करू ।
पर कहो तो सही कि मैं आऊंगा।
तूम्हे डोली में बिठा के ले जाऊंगा ।
बिंदिया, काजल और पायल
तेरा इंतजार करें ।
दर्पण देखे तो तेरा नाम पुकारा करें ।
अब तो बस तेरा ही इंतजार है।
चाहत मेरा तेरे लिए बेसूमार है।
तुम आओ , ना आओ
जिंदगी मेरी तुम्हारी है ।
मेरी जिंदगी में सल्तनत तुम्हारी है ।
बार बार तुम्हारी है, हर बार
तुम्हारी है

डोली अनुप्रिया
पुर्णिया (बिरौली) बिहार

www.womenexpress.in

अबोध कन्या

गर्भावस्था में ही जाँच करवाते हैं
लड़की हो तो भ्रूण हत्या से भी
नहीं हिचकिचाते हैं..
माना वंश की लकीर बढ़ाने को
पुत्र रत्न ज़रूरी है
पर क्या स्त्री बिन
हो सकती यह इच्छा पूरी है ?
सृष्टि की रचना जिस बिन
अधूरी है

ना जाने क्यों लोग स्वांग रचते हैं..
मीलों चलते हैं दर्शन को
और उपवास करते हैं..
कन्या पूजन कर नवरात्री में
उसका सम्मान करते हैं..
अगर जन्म लेले किसी घर में
दुर्भाग्य् मान उसका तिरस्कार
करते हैं..
जननी को भी व्यंग्य बाणों से
शर्मशार करते हैं..
अब तो बात कुछ और ही
चल निकली

जन्म से ही हो उसका
अपमान क्या ज़रूरी है
अवसर दो अगर सफलता
की शिखर छू ज़ाती है
कभी कल्पना चावला और
कभी मैरीकाम बन
देश का गौरव बन ज़ाती है..!!

आभा सिंह
लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

www.womenexpress.in

गाँव की लड़कियां

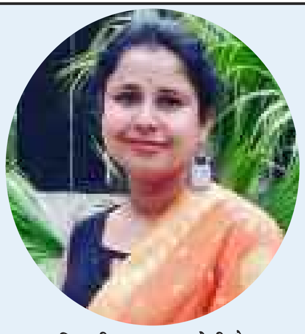

कितनी खूबसूरत होती है न
गाँव की लड़कियां
कम से कम उम्र में ब्याह दी
जाती हैं
लॉजिकअनलॉजिक कुछ सोचे
बिना ही
घर बसाना जैसे उनके
प्राथमिक शिक्षा का पहला पाठ हो
जिसे ऐसा रटाया गया हो कि
क्यों? कैसे? कहाँ?
सभी प्रश्नों से अंजान
घरऔर वर ही
वर्णमाला की तरह रट जाती है बस।
मेरे उम्र की आधी होगी मुन्नी
आज ही देखा
उसे गाँव के बग़ीचे में
आम की रखवाली करते हुए
पहले भी कई दफ़ा देखा था
मगर इस बार अलग लगी।
माथे पर लाल बिंदी
सूरज की किरणों की तरह......
पीले सिंदूर की एक सीधी रेखा
बालों के बीच
बीजगणित की कक्षा याद दिला
रही थी......
दर्जनों चूड़ियों से खनखनाती
उसकी कोमल अपरिपक्व कलाई
दोपहरी के सन्नाटे में जैसे कुछ
बुदबुदा रही हो।
साँवली रंग की मुन्नी
पहले से सजग और सरल सी लगी
नई दुल्हन की तरह शर्माना
बातबात पर मुस्कुराना
आहिस्ताआहिस्ता बतियाना भी
आ गया था।
मुझे कई दफ़ा
जीजी कह चुकी थी
किसी अनमोल वस्तु को पाने
का दर्प
उसकी आँखों में साफ़साफ़
दिख रहा था।
नेमक्षेम के बाद जब मैं
लौटी सहज ही मन बुदबुदाया
कि ब्याह के बाद मुन्नी
वैसे ही बदल गई
जैसे एक घटना के बाद
बदल जाती है सहज सरल जिंदगी।

श्वेता मिश्रा
गोरखपुर ।

www.womenexpress.in

बढ़ती बेरोजगारी किसको जिम्मेदार कहोगे

वर्तमान काल बढ़ती
बेरोजगारी।
किसको जिम्मेदार कहोगे?
भारत में हमारी शिक्षा पद्धति ।
बढ़ती बेरोजगारी के लिए ।
जिम्मेदार है ।

हमारे भारत में व्यवसाय ।
निर्धारित शिक्षा का अभाव ।
नवयुवक और नव युवतियों को ।
शिक्षित होने पर भी बेरोजगार ।
घूमने को करता विवश ।
पालक अपनेअपने ।

बच्चों की प्रतिभा को अल्पायु ।
बाल्यावस्था से ही पहचान कर ।
उसी प्रतिभा में जो उस में
समाई है ।

उसी से संबंधित शिक्षा की ओर ।
अग्रसर करने से बेरोजगारी ।
अंत निश्चित ही होगा ।

भारत में व्यवसाय आधारित ।
शिक्षा का विस्तार होने से ही ।

शिक्षित बेरोजगार,बेरोजगारी ।
संकट होगा दूर,यही मूल कारण ।
बेरोजगारी का है ।

संगीता सूर्यप्रकाश
भोपाल, मध्यप्रदेश ।

www.womenexpress.in

शब्द की अभिव्यंजना, सत्कार है हिंदी

शब्द की अभिव्यंजना, सत्कार
है हिंदी,
प्यार की मनुहार का त्यौहार है हिंदी।
सभ्यता के भाल पर रोशन
नगीने सी,
काव्य दुल्हन का हसीं श्रृंगार है हिंदी।
जब अधर पर हास के लेकर
सुमन खिलती,
चाशनी सी मीठी मीठी धार है हिंदी।
वेद की पावन ऋचा, गीता का
अद्भुत सार,
शारदे का ज्ञान सप्तक तार है हिंदी।
जाने कितनी बोलियों का है
सरित संगम,
सौम्यता के सिंधु का
विस्तार है हिंदी।
है अलंकृत भाव, रस, नव
छंद ,कविता गीत,
गद्य में दृष्टित मनो उदगार है हिंदी।
सूर, तुलसी, जायसी, मीरा हो
या रसखान,
काव्य का अनुपम कला
आधार है हिंदी।
आवरण कोई नहीं निच्छल,
निपट निर्मल,
बस हृदय से ही हृदय व्यवहार
है हिंदी।
माँगती बस है शिखा लेखन
का सच्चा रूप,
मन की वीणा की मधुर झंकार
है हिंदी।

दीपशिखा
छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश ।

www.womenexpress.in

अपने भीतर का सफर

लोग कहते हैं कि वहां जाना
मना है
दूर है बहुत ओर अंधेरा घना है
न हवा है ना पानी
दुनिया है कोई अद्भुत
अनजानी
हर तरफ हर दिशा मौन है
ऐसी जगह जाता ही कौन है
मगर एक सुकून सा हर तरफ
मालूम होता है अपने भीतर का
सफर क्या इतना खूबसूरत होता है

कैलाश सिंह राठौड़

कोशिश करने वालों की हार नहीं होती

कोशिश करने वालों की कभी
नहीं हार होती है
हिम्मत और हौसलों से हर
मुश्किल पार होती है
मन को विचलित ना करना
अगर हार मिल जाए
ऐसा कुछ नहीं इस सृष्टि में जो
तुमसे ना हो पाए
माना खलता हमें कई बार
असफलता का आना
किन्तु असफलताओं से तुम
कभी हार ना मानना
चुनौती मानकर असफलताओं
को स्वीकार कर
कहां चूक हुई तुमसे देख और
उसका सुधार कर
मुश्किलें आएंगी राहों में सफर
ना होगा आसान
निश्चित मिलेगी मंजिल तुम
खड़े रहना सीना तान
किस्मत पर भरोसा ना करना
वह राहें भटकएंगी
मन की दृढशक्ति ही तुम्हें
मंजिल तक ले जाएगी
चाहे कितनी बार गिरो उठकर
फिर संभल जाओ
हिम्मत ना हारो कभी मन में
दृढ़ विश्वास जगाओ
फूल बिछे या कांटे हों तुम
अपनी राहें ना छोड़ना
भले साथ ना दे कोई तुम
हिम्मत कभी ना हारना
निरंतर प्रयास करना संघर्षो से
कभी ना घबराना
अपने अंतिम सांस तक तुम
कोशिश करते जाना
हार जाओ गर मन में दुगना
उत्साह तुम जगाना
तूफानों से ना डरना कभी तुम
आगे बढ़ते जाना
जब तक मंजिल ना मिले नींद
चैन सब त्यागना
मंजिल तक पहुंचकर ही तुम
चैन की सांस लेना
निरंतर प्रयास से तो किस्मत
भी बदल जाती है
कोशिश करने वालों की कभी
हार नहीं होती है
आत्मविश्वास हो जिसमें वही
मंजिल को पाता है
हौंसला गर हो बुलंद तो पर्वत
भी शीश झुकाता है

मिली साहा
कोलकाता ।

www.womenexpress.in

एक नजर

सेंसेक्स 300 अंक लुढ़का निफ्टी 11,200 के नीचे बंद

मुंबई । एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख के बीच बाजार में अच्छी दखल रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी और मारुति के शेयरों में गिरावट के साथ बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 300 अंक लुढ़क गया। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 300.06 अंक यानी 0.79 प्रतिशत टूटकर 37,734.08 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 96.90 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 11,153.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में मारुति रही। कंपनी का शेयर करीब 3 प्रतिशत नीचे आया।

इसके अलावा जिन अन्य प्रमुख शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें एल एंड टी, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी, रिलायंस इंडसट्रीज, एशियन पेंट्स और एचडीएफसी शामिल हैं। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में एचसीएल टेक, टीसीएस, सन फार्मा और टेक महिंद्रा शामिल हैं। आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख (फंडामेंटल) आनंद राठी ने कहा कि कोविड19 संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण फिर से पाबंदी लगाये जाने की चिंता के बीच दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों में बिकवाली हुई जिसके कारण भारतीय बाजार में भी गिरावट आयी। कोविड19 संक्रमण के बढ़ते मामलों से पहले से नरम पड़ी आर्थिक स्थिति में पुनरूद्धार को नुकसान पहुंच सकता है।

बिहार में 28 सितंबर से खुल जाएंगे स्कूल

पटना । बिहार में 28 सितंबर से नौवीं से बारहवीं तक के स्कूल खुल जाएंगे। सरकारी के साथ निजी क्षेत्र के विद्यालयों में शर्तों के साथ कक्षाओं का संचालन होगा। महत्वपूर्ण यह कि कंटेनमेंट जोन के विद्यार्थी स्कूल नहीं आएंगे। माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कक्षाओं के संचालन के लिए कोरोना गाइडलाइन का अनुपालन करना होगा। दो दिन के अंदर शिक्षा विभाग की ओर से कक्षाओं के संचालन से संबंधित दिशानिर्देश भी जारी कर दिया जाएगा। विद्यालय अपने स्तर से विद्यार्थियों और शिक्षकों का शिड्यूल निर्धारित करेंगे। मंगलवार को हुई शिक्षा विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में निर्णय लिया गया कि अभिभावकों की निगरानी में ही बच्चे विद्यालय आएंगे। उन्हें मास्क, सैनिटाइजर आदि एहतियात के साथ शारीरिक दूरी का अनुपालन करना है। कोरोना संक्रमण से बचाव के मद्देनजर एक दिन में आधे यानी 50 प्रतिशत शिक्षकों की ही उपस्थिति रहेगी। अंतराल के साथ अगले दिन बाकी 50 प्रतिशत शिक्षक उपस्थित होंगे। यानी एक शिक्षक को सप्ताह में महज तीन दिन ही कक्षाएं लेनी हैं। एक दिन में महज एक तिहाई विद्यार्थी ही स्कूल आएंगे। इस तरह उन्हें सप्ताह में मात्र दो दिन ही कक्षा में शामिल होने का अवसर मिलना है। स्पष्ट है कि कोई विद्यार्थी दो दिन के अंतराल पर कक्षा में शामिल हो पाएगा।

24 घंटे में संक्रमण के 5,722 नए केस, 6,589 मरीज हुए स्वस्थ

यूपी में कोरोना के 63,148 सक्रिय मामले, रिकवरी दर अब 81 प्रतिशत के पार

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 22 सितंबर। प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या अब 63,148 हो गई है। बीते चैबीस घंटे में संक्रमण के 5,722 नए मामले सामने आए, वहीं इसी दौरान 6,589 लोग स्वस्थ होकर डिस्चार्ज किए गए।

अब तक कुल 2,96,183 लोग इलाज के बाद पूरी तरह ठीक होने के बाद घर भेजे जा चुके हैं। राज्य में संक्रमण के बाद कुल मौतों की संख्या 5,212 पहुंच गई है। इनमें बीते चैबीस घंटे में 77 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में मरीजों के ठीक होने की दर वर्तमान में और बढ़कर 81.25 प्रतिशत हो गई है। इससे पहले यह 80.69 प्रतिशत थी। अब तक कुल 88.26 लाख कोरोना नमूनों की हुई जांच अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने मंगलवार को बताया कि राज्य की विभिन्न

प्रयोगशालाओं में सोमवार को कुल 1,50,085 कोरोना नमूनों की जांच की गई। वहीं अब तक कुल 88,26,726 कोरोना नमूनों की जांच की जा चुकी है। 3,836 पूल के जरिए 20,600 नमूनों की हुई जांच उन्होंने बताया कि सोमवार को 3,836 पूल के जरिए 20,600 नमूनों की जांच की गई। इनमें 3,552 पूल के जरिए प्रति पूल पांच पांच नमूनों की जांच की गई, जिसमें 440 पूल की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। वहीं 284 पूल के जरिए प्रति पूल दसदस नमूनों की जांच की गई, जिसमें 32 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

32,313 मरीजों का होम आइसोलेशन में चल रहा इलाज उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में कुल सक्रिय मरीजों में से 32,313 लोग होम आइसोलेशन यानि घर पर रहकर इलाज की सुविधा का लाभ ले रहे हैं। वहीं 3,864 लोग निजी अस्पतालों और 219 लोग होटल में एल1 प्लस की सेमिपेड फैसिलिटी सुविधा के तहत अपना इलाज करा रहे हैं। इनके अलावा शेष राज्य सरकार की एल1, एल2 व एल3 की व्यवस्था के तहत सरकारी अस्पतालों में भर्ती हैं। अभी तक कुल 1,89,673 लोग होम आइसोलेशन की सुविधा का लाभ ले चुके हैं। इनमें से 1,57,360 लोगों के इलाज का समय पूरा होने पर उन्हें डिस्चार्ज घोषित किया जा चुका है। 12.18 करोड़ लोगों के बीच पहुंची स्वास्थ्य टीमें स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के बीच पहुंचकर सर्वेश्रण कर रही हैं। अभी तक 1,15,966 इलाकों में 3,72,719 टीमों ने 2,45,19,803 करोड़ घरों का सर्वेक्षण किया है। इसके तहत 12,18,04,691 करोड़ से अधिक लोगों की मेडिकल स्क्रीनिंग की गई है। इस वर्ष 01 सितम्बर से 21 सितम्बर तक की गई 10,642 मेजर सर्जरी उन्होंने बताया कि राज्य में कोविड केयर के साथ नॉन कोविड केयर पर भी पूरी तरह ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में बीते वर्ष 01 सितम्बर से 21 सितम्बर तक सरकारी अस्पतालों में जहां 14,826 मेजर सर्जरी की गई। वहीं कोरोना संक्रमण काल के बावजूद इस वर्ष इसी समयावधि में 10,642 मेजर सर्जरी की गई।

छठ पर घर जाना होगा और आसान, अगले महीने से 100 नई ट्रेन चलाने की तैयारी में रेलवे

नई दिल्ली। भारतीय रेल कोरोना काल में सभी स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन करते हुए चलाई जा रही ट्रेनों की संख्या में अगले माह से और बढ़ोतरी करने की तैयारी में है। अक्टूबर और नवंबर की संभावित यात्री संख्या को देखते हुए व्यस्ततम रूटों पर लगभग 100 और नई ट्रेन चलाई जा सकती है। इनमें अधिकांश गैर वातानुकूलित श्रेणी (सभी दर्जे) की होगी, जो त्योहारी सीजन में आम आदमी की यात्रा में मददगार होंगी।

रेलवे अभी स्पेशल श्रेणी की ट्रेनों के साथ 40 क्लोन ट्रेन चला रही है। अधिकांश क्लोन ट्रेन वातानुकूलित श्रेणी की है, जिसमें किराया ज्यादा होने की वजह से आम यात्री सफर नहीं कर पाता है। हालांकि इससे मूल ट्रेन पर दबाव कम हुआ है, लेकिन शयनयान और सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों की दिक्कतें अभी बनी हुई है। अक्टूबर नवंबर में जब दुर्गा पूजा से लेकर दशहरा, दिवाली और छठ के बड़े त्यौहार आते हैं उस समय यात्रियों की आवाजाही बढ़ेगी। रेलवे ने इस स्थिति के मद्देनजर अगले माह से लगभग 100 ट्रेन और चलाने की तैयारी कर रखी है। इनमें आधी से ज्यादा बिहार और बंगाल को जोड़ने वाली होंगी। यह सभी ट्रेनें भी विशेष श्रेणी वाली होंगी जो सभी आरक्षित कोच वाली होंगी। जनरल कोच में भी सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए आरक्षण किया जाएगा।

रेलवे बोर्ड के सूत्रों के अनुसार, हर जोन से संभावित जरूरत के बारे में जानकारी ली गई है और जरूरत पड़ने पर ट्रेनों की संख्या और बढ़ाई जा सकती है। हालांकि सरकार लोगों से यही अपील कर रही है कि वह जरूरी होने पर ही यात्रा करें और कम से कम आवाजाही करें ताकि कोरोना संक्रमण फैलने को नियंत्रित किया जा सके।

पूर्व डीएसपी दविंदर सिंह मामले में एनआईए ने कश्मीर में मारे छापे

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली/श्रीनगर, 22 सितंबर। जम्मू और कश्मीर के निलंबित पुलिस उपअधीक्षक (डीएसपी) दविंदर सिंह और हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी नवीद बाबू मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को जम्मूकश्मीर के बारामूला जिले में कई स्थानों पर छापे मारे। एनआईए के अधिकारी ने बताया, 'एनआईए हिजबुल कमांडर नावेद बाबूदविंदर सिंह डीएसपी मामले में बारामूला के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी कर रही है।' यह भी पता चला है कि एजेंसी की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर वाजा मोहल्ला के रायपोरा फलहलां में रसूल वाजा के घर पर भी छापेमारी की है। वाजा, राज्य स्वास्थ्य विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, वाजा का एक बेटा फारूक अहमद भी स्वास्थ्य विभाग में सरकारी कर्मचारी हैं। वहीं दूसरे बेटे मुश्ताक अहमद वाजा ने 1993 में अवैध हथियारों/गोलाबारूद का प्रशिक्षण लेने के लिए एलओसी पार की थी, तब से आज तक वह वापस नहीं लौटा है।

एनआईए के ये छापे एक विशेष एनआईए अदालत में निलंबित डीएसपी समेत 6 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के लगभग तीन महीने बाद मारे गए हैं। आरोप पत्र में निलंबित डीएसपी के अलावा नावेद मुश्ताक उर्फ नावेद बाबू, इरफान शफी मीर, रफी राथर, तनवीर अहमद वानी और सैयद इरफान का नाम है।

निलंबित पुलिस अधिकारी जम्मू संभाग के हीरानगर में कठुआ जेल में बंद है। वहीं 2 एचएम आतंकवादियों नावेद बाबू और रफी अहमद राथर और इरफान शफी मीर को भी पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। पहले इस मामले की जांच जम्मू कश्मीर पुलिस कर रही थी लेकिन सिंह की गिरफ्तारी के बाद मामले को एनआईए को सौंपा गया। इस मामले में एनआईए द्वारा की गई जांच में पता चला है कि हिजबुल का पाकिस्तान स्थित नेतृत्व जिसमें सैयद सलाहुद्दीन, अमीर खान, खुर्शीद आलम, नजर महमूद समेत कई और लोग, पाकिस्तान के साथ मिलकर जम्मूकश्मीर में आतंकी संगठन के कैडर और कमांडरों को समर्थन दे रहे हैं। एनआईए ने यह भी दावा किया था कि नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के कुछ अधिकारी मीर उर्फ एडवोकेट के साथ लगातार संपर्क में थे।

स्वर्गीय राम कुमार तंवर को लोगों ने दी श्रद्धांजलि

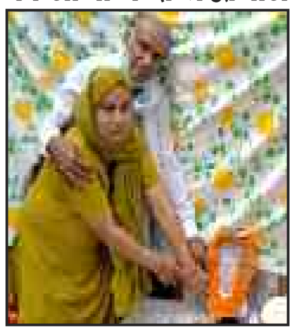

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मामचंद तंवर के चाचाजी स्व. रामकुमार तंवर की तेरहवीं पर भोज का कार्यक्रम किया गया। स्व. रामकुमार तंवर की तेरहवीं पर उन्हें मामचंद तंवर व उनकी धर्मपत्नी इन्द्रावती तंवर, दीपक तंवर के अलावा क्षेत्र के प्रबुद्ध व गणमान्य लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। यही नहीं उपस्थित सभी क्षेत्रवासियों ने उनके द्वारा किए समाजसेवा के कार्यों को सराहते हुए उन्हें याद किया। आपको बता दें कि वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मामचंद तंवर क्षेत्र में समाजसेवा के कार्यों के लिए जाने जाते हैं। उनके पूरे परिवार को समाजसेवा के कार्यों के लिए जाना जाता है।

पीएम मोदी की विदेश यात्राओं पर खर्च हुए 517 करोड़, वैश्विक मुद्दों पर मजबूत हुआ भारत

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2015 से नवंबर 2019 के बीच कुल 58 देशों की यात्रा की और इन यात्राओं पर कुल 517.82 करोड़ रुपये खर्च हुए। यह जानकारी मंगलवार को संसद में दी गई। राज्यसभा को एक सवाल के लिखित जवाब में विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री के इन दौरों से द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण के बारे में अन्य देशों की समझ बढ़ी तथा संबंधों में मजबूती आई है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (रांकापा) की फौजिया खान ने सरकार से जानना चाहा था कि वर्ष 2015 से आज की तारीख तक प्रधानमंत्री ने कितने देशों का दौरा किया और इन दौरों पर कुल कितना व्यय हुआ। इसके जवाब में मुरलीधरन ने बताया, 2015 से प्रधानमंत्री ने 58 देशों की यात्रा की। इन यात्राओं पर कुल 517.82 करोड़ रुपए व्यय हुआ। विदेश राज्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं के दौरान उनके द्वारा किए गए पारस्परिक विचारविमर्शों से द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण के

बारे में अन्य देशों की समझ बढ़ी है और इन वार्ताओं से व्यापार और निवेश, प्रौद्योगिकी, सामुद्रिक सहयोग, अंतरिक्ष, रक्षा सहयोग और लोगों के बीच परस्पर संपर्कों सहित अनेक क्षेत्रों में उनके साथ संबंध मजबूत हुए हैं।

उन्होंने कहा, संबंधों में आई इस मजबूती ने हमारे आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और हमारे नागरिकों की भलाई के लिए भारत के राष्ट्रीय विकास एजेंडे में योगदान दिया है।% मुरलीधरन ने कहा कि भारत अब जलवायु परिवर्तन, अन्तरराष्ट्रीय अपराध और आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और परमाणु अप्रसार सहित बहुपक्षीय स्तर पर वैश्विक एजेंडे को मूर्तरूप देने के लिए बढ़चढ़कर योगदान दे रहा है और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा समर्थ अवसंरचना के लिए गठबंधन जैसे वैश्विक मुद्दों के लिए दुनिया को अपनी अनूठी पहलों की पेशकश कर रहा है।

एक हजार हैंड सेनेटाइजर स्टेंड व सेनेटाइज बोतल का होगा वितरण

बीकानेर। रामलाल सूरजदेवी रांका चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्व.पूनमचन्द कच्छावा (बुलाकीजी ठेकेदार) व स्व. झंवरीदेवी कच्छावा की स्मृति में एक हजार हैंड सेनेटाइजर स्टैंड व एक हजार सेनेटाइज बोतल वितरण का शुभारम्भ कलेक्टर नमित मेहता व नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष महावीर रांका द्वारा किया गया। पूर्व चैयरमेन महावीर रांका ने बताया कि उक्त एक हजार हैंड सेनेटाइजर स्टैंड व सेनेटाइज बोतल सरकारी स्कूलों व धार्मिक स्थलों पर दिए जाएंगे। इस दौरान कलेक्टर नमित मेहता ने कहा कि कोरोना काल में सामजिक संस्थाओं व भामाशाहों का सहयोग तथा जागरुकता से ही संकट को दूर किया जा सकता है। आज वितरण के दौरान मोहनलाल कच्छावा, रामदयाल कच्छावा, पवन कच्छावा, पवन महनोत, प्रणव भोजक व संजय स्वामी आदि उपस्थित रहे। गौरतलब है कि इससे पूर्व पीएम नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर पूर्व चैयरमेन रांका द्वारा एक लाख मास्क वितरण किया गया था।

उप्र में 300 रुपये को लेकर शख्स की हत्या

बिजनौर । उत्तर प्रदेश के बिजनौर में महज 300 रुपये को लेकर एक विवाद के बाद तीन युवकों ने शराब के नशे में अपने पड़ोसी पर डंडे से हमलाकर उसकी जान ले ली। पुलिस ने दावा किया है कि सभी आरोपी नशे में चूर थे। घटना सोमवार को गंज इलाके में हुई। मृतक की पहचान 24 वर्षीय दीपक के रूप में हुई है। बुरी तरह से घायल दीपक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। बिजनौर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) धर्मवीर सिंह के अनुसार, चार युवकों को एक मंदिर से 300 रुपये मिले। दीपक के कब्जे में आए रुपये को साझा करने को लेकर वे आपस में बहस करने लगे। देखते ही देखते बहस बढ़ गई, उसके पड़ोसी रवीश, मुकेश और शशि ने उस पर लाठी से हमला करना शुरू कर दिया, जिसमें कील लगा हुआ था। जानकारी मिलने पर दीपक के परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल ले गए, जबकि आरोपी भाग गए।

कोविड केयर सेंटर पर भर्ती कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए 1600 पेय निःशुल्क उपलब्ध कराए

बीकानेर, 22 सितम्बर। इम्यून सिस्टम को बढ़ाने के लिए व अन्य पोषक तत्वों और एन्टी बॉयोटिक का शरीर में असर बढ़ाने के लिए जगदाले इंडस्ट्री बैगलोर कंपनी लिमिटेड द्वारा तैयार उत्पाद मुलमिना मैंगो पेय मंगलवार को कोविड केयर सेंटर पर भर्ती कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए 1600 पेय निःशुल्क उपलब्ध कराए गए हैं। कंपनी के एरिया मैनेजर मो. रफीक, एमआर मो. याकूब ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एल.मीना को ये पेय उपलब्ध कराए हैं। इस अवसर पर नोडल कोविड केयर सेंटर डॉ. यश मुद्गल, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेंद्र तनेजा भी मौजूद थे। मो. रफीक ने बताया मुलमिना मैंगो पेय में मुख्यतया हल्दी ब्रह्मी व विटामिन बी काम्पलैक्स एवं एन्टीऑक्सीडेंट्स का मिश्रण है। ब्राम्ही तनाव और चिन्ता को भी दूर करता है । मुलमिना मैं आइरन, जिंक , सेलेनियम मिनरल्स हैं जो कि इम्यूनिटी को बढ़ाने मैं भी मदद करता है । मुलमिना क्लीनिकली सबित न्यूट्रीशन सप्लीमेंट है जो इम्युनिटी को बढ़ाता है। मुलमिना मैं विटामिन ए, बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन सी , भी है ।

कैदी को पागल बताकर मामले को रफा दफा करने की कोशिश: मनोज केशान

(आदित्य दुबे /वूमेन एक्सप्रेस)

बेतिया। मंडलकारा में मंगलवार की सुबह लगभग 11:30 बजे विचाराधीन कैदी शमशेर अंसारी ने फांसी लगा खुदकुशी कर ली। वह बेतिया शहर के दरगाह मोहल्ले का रहने वाला था। धार्मिक उन्माद फैलाने और तोड़फोड़ के मामले में जेल में बंद था। कोविड 19 से सुरक्षा को लेकर कैदियों के लिए मोतिहारी में बनाए गए क्वारंटाइन सेंटर से विगत 9 जुलाई को बेतिया जेल में आया था। कैदी के फांसी लगाने की सूचना पर जेल में हड़कंप मच गया।

सूत्र के अनुसार शमशेर अंसारी लीची के पेड़ के पास गया और अपनी शर्ट को फांसी का फंदा लगा पेड़ से लटक गया। आननफानन में उसे फांसी के फंदे से उतार अस्पताल भेजा गया ,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना पर समाजसेवी मनोज केशान ने कई सवाल उठाये है। तथा मानवअधिकार से जाँच की मांग की है। केशान ने हमें बताया की बेतिया जेल में कैदी की मौत पर गलत बयान दिया गया है। कैदी को पागल बताकर मामले को

रफा दफा की कोशिश , पागल को कैदी रखना मानवअधिकार व अन्य कानुन का हनन है। शासन कार्यवाही करेगी ? यहां बता दें कि विगत 11 जून को भी शिकारपुर थाना क्षेत्र के पकड़ीढाला निवासी विचाराधीन कैदी कलामुद्दीन ने भी जेल के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

कर्नाटक के सीएम बीएस येदियुरप्पा को बदलने की उड़ी अफवाह, भाजपा ने किया खंडन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

बेंगलुरु । पिछले दिनों कर्नाटक में सीएम बीएस येदियुरप्पा को बदलने की खबर उड़ी थी। भाजपा ने मंगलवार को इसे आधारहीन और भ्रामक रिपोर्ट करार दिया। राज्य भाजपा के प्रवक्ता कैप्टन गणेश कार्णिक ने कहा कि कुछ टीवी चैनलों ने बारबार सूचना दी है कि मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के नेतृत्व में बदलाव होने जा रहा है।

भाजपा इस रिपोर्ट का दृढ़ता से खंडन करती है। उन्होंने आधिकारिक बयान में इसे स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि हम स्पष्ट रूप से बताते हैं कि ऐसी रिपोर्टें पूरी तरह से निराधार, भ्रामक और सच्चाई से दूर हैं। इसे लेकर केवल कयास लगाए जा रहे हैं। येदियुरप्पा की उम्र के कारण भविष्य में नेतृत्व में संभावित बदलाव की अटकलों को बल मिला है।

77 वर्षीय बीएस येदियुरप्पा ने हाल की नई दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की थी। ऐसी खबरें थीं कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद या उसके बाद मार्च 2021 में बजट पेश करने के बाद येदियुरप्पा को बदल दिया जाए।

रिपोर्ट में कहा गया कि 75 वर्ष

की आयु पार करने वाले वरिष्ठ नेताओं को सम्मानजनक विदाई देने की भाजपा की नीति को देखते हुए लिंगायत समाज के इस शक्तिशाली नेता को राज्यपाल और येदियुरप्पा के छोटे बेटे बी वाई विजयेंद्र, जो अब राज्य भाजपा उपाध्यक्ष हैं को एक महत्वपूर्ण पद दिया जाएगा। पार्टी इस पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री पद के लिए राज्य के भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार काटेल, मंत्री आर अशोक और अन्य लोगों के नाम उछाले गए।

हालांकि भाजपा ने ऐसी खबरों को खारिज कर दिया है। ऐसी अफवाहें थीं कि विशेष रूप से उत्तर कर्नाटक क्षेत्र के कई लिंगायत विधायक मुख्यमंत्री से नाखुश थे और एक के पीछे एक रैली कर रहे थे। ये लिंगायत समुदाय के नेता अपने क्षेत्र से संबंध रखते हैं। येदियुरप्पा ने सोमवार को कहा था कि उन्हें हाईकमान का निर्देश का इंतजार है और उनके मंत्रिमंडल का विस्तार बहुप्रतीक्षित है। कर्नाटक की कैबिनेट में वर्तमान में 28 सदस्य हैं और छह जगह अभी भी खाली हैं।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में नई शिक्षा नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी: मोदी

(विशेष संवाददाता)

गुवाहाटी, 22 सितंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार की नई शिक्षा नीति (एनईपी) आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा भारतीय छात्रों को वैश्विक स्तर पर और अवसर मुहैया कराने के लिए शिक्षा क्षेत्र को खोलेगी। मोदी ने कहा कि समग्र ज्ञान सभी समस्याओं का समाधान है और विज्ञान इसका अहम भाग है। उन्होंने कहा कि एनईपी भारत को दुनिया में शिक्षा के केंद्र के तौर पर स्थापित करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने नयी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आईआईटी (गुवाहाटी) के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, छात्रों, मेरा दृढ़ विश्वास है कि आज के युवा राष्ट्र का भविष्य हैं। आपके सपने भारत के भविष्य को आकार प्रदान करेंगे, इसी लिए, हमें भविष्य के लिए तैयार रहने की जरूरत है। मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में एक महत्वपूर्ण घटक के तौर पर शिक्षा की महत्ता के बारे में बताते हुए कहा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 21वीं सदी के आप जैसे युवाओं के लिए ही है। वो युवा जो दुनिया को

लीड करेगा और साइंस व तकनीक में भारत को ग्लोबल लीडर बनाएगा। उन्होंने कहा कि एनईपी को इस तरह से तैयार किया गया है कि इससे छात्रों पर कक्षा में शिक्षण एवं परीक्षा का बोझ कम होगा और यह देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा, हम सभी जानते हैं कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। एनईपी देश के शिक्षा क्षेत्र को खोलेगी। इसका मकसद यह है कि विदेशी विश्वविद्यालयों के परिसर भी देश में खुल सकें और हमारे छात्रों को वैश्विक अवसर यहीं मिल सकें।'' उन्होंने कहा, इसी तरह भारतीय एवं विदेशी विश्वविद्यालयों के बीच अनुसंधान के क्षेत्र में गठजोड़ और छात्रों के आदानप्रदान के कार्यक्रम प्रोत्साहित किए जाएंगे।'' मोदी ने कहा, एनईपी भारत को शिक्षा के एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करेगी।'' उन्होंने कहा कि भारत के अछा प्रदर्शन करने वाले संस्थानों'' को विदेशों में परिसर खोलने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। मोदी ने कहा कि इस नीति में वे सभी चीजें हैं, जो युवा चाहते थे। उन्होंने कहा, एनईपी को बहुआयामी बनाया गया है और विषयों (को चुनने) के लिए लचीलापन प्रदान किया गया है। बहुस्तरीय प्रवेश एवं निकास विकल्प मुहैया कराए गए हैं।'' उन्होंने कहा, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एनईपी शिक्षा को प्रौद्योगिकी से जोड़ेगी और प्रौद्योगिकी को छात्रों की सोचने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा बनाएगी। इसका अर्थ यह हुआ कि छात्र प्रौद्योगिकी के बारे में सोचेंगे और उसके बारे में सीखेंगे।'' मोदी ने कहा कि एनईपी कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल और ऑनलाइन सीखने की प्रक्रिया के विस्तार के मार्ग भी खोलेगी। उन्होंने कहा कि सीखने की प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच स्थापित किया जाएगा और इस मामले में आईआईटी में अपार संभावनाएं'' हैं।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारी:
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

धरने पर बैठे सांसदों को चाय पिलाने पहुंचे उपसभापति

प्रधानमंत्री मोदी ने हरिवंश की सराहना की, उनके पत्र को प्रेरक बताया

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 22 सितंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद परिसर में धरने पर बैठे उच सदन के आठ निलंबित सदस्यों को मंगलवार सुबह चाय पिलाने के लिए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की सराहना की और उनकी ओर से राष्ट्रपति रामनाथ कोविद तथा उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू को लिखे गए पत्र को प्रेरक'' करार देते हुए देशवासियों इसे जरूर'' पढने् का आग्रह किया। मोदी ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा कि उच सदन में विपक्षी सदस्यों द्वारा अपमानित'' किए जाने के बावजूद हरिवंश का चाय की पेशकश करना उनकी उदारता और महानता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, बिहार की धरती ने सदियों पहले पूरे विश्व को लोकतंत्र की शिक्षा दी थी। आज उसी बिहार की धरती से प्रजातंत्र के प्रतिनिधि बने हरिवंश जी ने जो किया, वह प्रत्येक लोकतंत्र प्रेमी को प्रेरित और आनंदित करने वाला है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर किसी ने देखा कि दो दिन पहले लोकतंत्र के मंदिर में उपसभापति हरिवंश को किस प्रकार अपमानित'' किया गया और उनपर हमला'' किया गया तथा फिर वही लोग उनके खिलाफ धरने पर भी बैठ गए। मोदी ने कहा, लेकिन आपको आनंद होगा कि आज हरिवंश जी ने उन्हीं लोगों को सवेरेसवेरे अपने घर से चाय ले जाकर पिलाई। यह हरिवंश जी की उदारता और महानता को दर्शाता है। लोकतंत्र के लिए इससे खूबसूरत संदेश और क्या हो सकता है। मैं उन्हें इसके लिए बहुत बहुत बधाई देता हूं।'' उल्लेखनीय है कि रविवार को उच सदन में कृषि संबंधी विधेयकों को पारित किए जाने के दौरान भारी हंगामा हुआ था। इस विरोध के बावजूद किसान उत्पादन व्यापार एवं वाणिज्य (प्रोत्साहन एवं सुविधा) विधेयक 2020 तथा किसान (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) मूल्य आश्वासन का समझौता एवं कृषि सेवा विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया था। अगले ही दिन अमर्यादित व्यवहार'' के कारण विपक्षी दलों के आठ सदस्यों को शेष सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया, जिसके विरोध में सभी आठ निलंबित सदस्य संसद भवन परिसर में ही अनिश्चितकालीन'' धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन पर बैठे निलंबित सदस्यों के लिए उपसभापति हरिवंश अपने घर से चाय लेकर पहुंचे थे। इसके साथ ही हरिवंश ने राष्ट्रपति कोविद और राज्यसभा के उपसभापति नायडू को पत्र लिखकर विपक्षी सदस्यों के कथित आपत्तिजनक आचरण पर गहरी पीड़ा जताई और 24 घंटे का उपवास करने की घोषणा की। शीर्ष संवैधानिक पदों पर बैठे दोनों नेताओं को लिखे पत्रों के लगभग एक से मजमून में हरिवंश ने उम्मीद जताई कि इससे आपत्तिजनक आचरण करने वाले सदस्यों में आत्मशुद्धि'' का भाव जागृत होगा। उन्होंने कहा, 20 सितंबर को राज्यसभा में जो कुछ भी हुआ, उससे पिछले दो दिनों से गहरी आत्म पीड़ा, आत्म तनाव और मानसिक वेदना में हूं।

पूरी रात सो नहीं पाया।'' हरिवंश ने कहा कि 20 सितंबर को उच सदन में जो दृश्य उत्पन्न हुआ, उससे सदन और आसन की मर्यादा को अकल्पनीय क्षति'' हुई है। मोदी ने राष्ट्रपति को लिखे हरिवंश के पत्र की प्रति ट्विटर पर साझा करते हुए इसके हर शब्द को लोकतंत्र के प्रति आस्था को नया विश्वास देने वाला बताया और कहा कि इसमें सचाई के साथ साथ संवेदनाए भी हैं।

निलंबित सांसदों का धरना खत्म

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 22 सितंबर । कांग्रेस के नेतृत्व में कई विपक्षी दलों ने किसानों के मुद्दे और आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन रद्द किए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को मानसून सत्र की शेष अवधि में राज्यसभा की कार्यवाही का बहिष्कार करने का फैसला किया। इसके बाद निलंबित सांसदों ने संसद भवन परिसर में अपना धरना खत्म कर दिया। दूसरी तरफ, किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों ने लोकसभा की कार्यवाही के बहिष्कार का भी फैसला किया। गौरतलब है कि विपक्षी दलों ने रविवार को राज्यसभा में हुए हंगामे के चलते सोमवार को आठ विपक्षी सदस्यों को निलंबित किए जाने को लेकर सरकार पर निशाना साधा था तथा इस कदम के विरोध में वे संसद भवन परिसर में अनिश्चितकालीन'' धरने पर बैठ गए थे। निलंबित किए गए आठ सांसदों में कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्य शामिल हैं। उच्च सदन में कृषि संबंधी विधेयकों को पारित किए जाने के दौरान अमर्यादित व्यवहार'' के कारण

इन सदस्यों को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया गया है। राज्यसभा में कांग्रेस ने सबसे पहले सदन की कार्यवाही का बहिष्कार किया। उसके बाद माकपा, भाकपा, तृणमूल कांग्रेस, राकांपा, सपा, शिवसेना, राजद, द्रमुक, आप आदि दलों के सदस्य भी सदन से बाहर चले गए।

एक नजर

तिरुवनंतपुरम हवाईअड्डे से एनआईए दो आतंकवादियों को हिरासत में लिया

तिरुवनंतपुरम। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार रात को केरल के तिरुवनंतपुरम अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तीन घंटे की पूछताछ के बाद कथित तौर पर दो आतंकवादियों को हिरासत में ले लिया। सूत्रों ने बताया कि दोनों आतंकवादियों के सऊदी अरब से यहां पहुंचने के बाद एनआईए ने दोनों को हिरासत में ले लिया जिसमें से एक गुल नवाज उत्तर प्रदेश का निवासी है जबकि दूसरा शुहैब केरल के कन्नूर से ताल्लुक रखता है।

इन दोनों में से एक आतंकवादी लश्करएतैयबा जबकि दूसरा इंडियन मुजाहिदीन से जुड़ा हुआ हैं। सऊदी अरब के रियाध से यहां लौटने के बाद खुफिया एजेंसी रॉ समेत कई जांच एजेंसियों ने इनसे लगभग तीन घंटे पूछताछ की जिसके बाद इन्हें हिरासत में ले लिया गया। उन्हें पहले कोच्चि ले जाया जाएगा जिसके बाद शुहाब को बेंगलुरु जबकि गुल नवाज को दिल्ली ले जाया जाएगा। इन दोनों आतंकवादियों को बेंगलुरु में हुए विस्फोट को लेकर हिरासत में लिया गया है तथा इस मामले में दोनों के खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया जा चुका था। इससे पहले एनआईए ने 19 सितंबर को तीन आतंकवादियों को केरल के एर्नाकुलम से और छह को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद से गिरफ्तार किया गया था। हिरासत में लिए जाने के बाद एजेंसी ने बताया था कि प्रारंभिक जांच में सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान स्थित अल कायदा के आतंकवादियों ने इन्हें राष्ट्रीय राजधानी समेत देश के कई इलाकों में बड़े हमले करने के लिए तैयार किया था।

भिवंडी हादसा- मृतकों की संख्या 20 हुई, बचाव कार्य जारी

मुबंई । महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी में सोमवार तड़के ढही एक बहुमंजिला इमारत के ढहने से मृतकों की संख्या बढ़कर 20 हो गयी है।राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और ठाणे, क्षेत्रीय आपदा प्रबंध प्रकोष्ठ का बचाव अभियान जारी है। मृतकों में आठ बच्चे दो से चैदह वर्ष के बीच के हैं। भिवंडी निजामपुर सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएनसीएमसी) के अधिकारियों के अनुसार मलबे में लगभग बीस से पच्चीस लोगों के फंसे होने की आशंका है। बीएनसीएमसी के जनसंपर्क अधिकारी मिलिंद पाल्सुले ने कहा, 'स्थानीय लोगों की जानकारी के अनुसार मलबे के अंदर कम से कम 2025 लोग अभी भी फंसे हुए हैं। हमारे संज्ञान में यह भी आया कि बिजली करघा चलाने वाले कुछ श्रमिक ग्राउंड फ्लोर पर सोए हुए थे।' भिवंडी की 36 साल पुरानी जिलानी इमारत सोमवार तड़के सुबह तीन बजकर 30 मिनट पर ढह गयी थी। इसमें कुल 40 फ्लैट थे और लगभग 150 व्यक्ति रहते थे। हादसे के वक्त 62 लोगों के फंसे की आशंका जताई गयी थी।

ग्लोबल मनी लॉन्ड्रिंग सूची में पाकिस्तानी बैंकों के नाम

इस्लामाबाद । मनी लॉन्ड्रिंग में वैश्विक बैंकों की भूमिका के आधार पर कम से कम छह पाकिस्तानी बैंकों का नाम जांच में सामने आया है, जो कम से कम 25 लाख डॉलर तक का है। इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इंवेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स (आईसीआईजे) और बजफीड न्यूज ने एक जांच की और पाया कि पाकिस्तानी बैंकों से संबंधित लगभग 25 लाख डॉलर की रकम का कम से कम 29 संदिग्ध लेनदेन हुआ, जिनका इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया गया हो सकता है। ये छह बैंक एलाइड बैंक, युनाइटेड बैंक लिमिटेड (यूबीएल), हबीब मेट्रोपॉलिटन बैंक, बैंक अल्फलाह, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक पाकिस्तान और हबीब बैंक लिमिटेड हैं। जांच के अनुसार, वर्ष 2011 और 2012 के दौरान सभी 29 संदिग्ध लेनदेन किए गए थे। आईसीआईजे के साथ साझा किए गए बजफीड न्यूज के जांच विवरण से पता चला है कि अमेरिकी ट्रेजरी डिपार्टमेंट की इंटेलिजेंस यूनिट, फाइनेंशियल क्राइम एनफोर्समेंट नेटवर्क ने 2,100 से अधिक संदिग्ध गतिविधि रिपोर्ट दर्ज की हैं। रिपोर्ट में पता चला कि वैश्विक बैंकों ने संदिग्ध भुगतानों में 1999 और 2017 के बीच 2 खरब डॉलर से अधिक का कारोबार किया। पाकिस्तानी बैंकों के आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान से 29 संदिग्ध में से 1,942,560 डॉलर का रिसीव ट्रांजेक्शन हुआ ।

किसानों को जड़ से साफ करने के प्रयास में सरकार: राहुल

नई दिल्ली, 22 सितंबर (वेबवार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कृषि संबंधी विधेयकों को लेकर मंगलवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि किसानों को जड़ से साफ करके कुछ पूंजीपतियों का विकास करने का प्रयास हो रहा है।

उन्होंने ट्वीट किया कि 2014 में मोदी जी का चुनावी वादा किसानों को स्वामीनाथन आयोग वाला एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) दिलाने का था। 2015 में मोदी सरकार ने अदालत में कहा कि उनसे ये न हो पाएगा। 2020 में 'काले कानून' लाए गए।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, ''मोदी जी की नीयत 'साफ', कृषि विरोधी नया प्रयास, किसानों को करके जड़ से साफ, पूंजीपति 'मित्रों' का खूब विकास।'' पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने ट्वीट किया, ''सरकार ने कृषि विधेयकों का बचाव करते हुए विज्ञापन जारी किया है। विज्ञापन में एक पंक्ति कहती है कि 'वन नेशन वन मार्केट' किसानों को आजादी देगा।''

उन्होंने कहा, ''छोटे किसान लगभग 85 प्रतिशत हैं, जिनके पास बेचने के लिए बहुत कम सरप्लस बचता है। अगर उन्हें धान या गेहूं की कुछ मात्रा बेचनी पड़े तो उन्हें पूरे देश में हजारों बाजार की जरूरत है, एकल बाजार की नहीं। बड़े गांवों और छोटे शहरों में किसानों के हजारों बाजार बनाने के लिए विधेयक में क्या प्रावधान है? हजारों बाजार किसानों को आजादी देंगे।''

चिदंबरम ने सवाल किया, ''यदि सरकार की मंशा एमएसपी की गारंटी देने की है, तो उस विधेयक में ऐसा कोई खंड क्यों नहीं है,जो यह बताए कि उपज का मूल्य एमएसपी से कम नहीं होगा?''

यूपी में फिल्म सिटी को लेकर फिल्मी हस्तियों के साथ सीएम योगी की बैठक

उत्तर प्रदेश की चूक सुधारने में मदद करेगी फिल्म सिटी - योगी

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 22 सितंबर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि फिल्म उद्योग को उत्तर प्रदेश से जो अपेक्षाएं थीं उन पर खरा उतरने में इस राज्य से कहीं ना कहीं कोई चूक हो रही थी। नोएडा में प्रस्तावित अत्याधुनिक फिल्म सिटी के जरिए इसे सुधारा जाएगा।

गौतमबुद्ध नगर जिले में प्रस्तावित फिल्म सिटी को लेकर मंगलवार को फिल्म बंधु के पदाधिकारियों और अनेक फिल्मी हस्तियों के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि फिल्म उद्योग को उत्तर प्रदेश से जो अपेक्षाएं हैं उन्हें पूरा करने में यह राज्य कहीं ना कहीं चूक कर रहा था। उन्होंने कहा कि नोएडा में प्रस्तावित अत्याधुनिक फिल्म सिटी के जरिए उस चूक को सुधारा जाएगा। यह फिल्म सिटी दुनिया के लिए एक मिसाल बनेगी। योगी ने कहा कि फिल्म सिटी के निर्माण के लिए जो क्षेत्र प्रस्तावित किया गया है वह राजा भरत के हस्तिनापुर के आसपास का इलाका है।

यह फिल्म सिटी भारत की पहचान का प्रतीक बनेगी। फिल्म सिटी में विश्व स्तरीय सुविधाओं की स्थापना की जाएगी इसे सर्वोत्कृष्ट डेडिकेटेड इंफोटेनमेंट जोन के रूप में विकसित करने की कोशिश होगी। आने वाला समय ओटीटी और मीडिया स्ट्रीड्क्षमग का है। इसके लिए फिल्म सिटी में उच्च क्षमता वाले विश्व स्तरीय डाटा सेंटर की स्थापना भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि नोएडा फिल्म सिटी को अगले 50 साल की जरूरतों के हिसाब से बनाया जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे सेक्टर21 में लगभग 1,000 एकड़ भूमि पर इसका विकास होगा। इसमें 220 एकड़ वित्तीय गतिविधियों के लिए आरक्षित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ फिल्म सिटी तक ही सीमित नहीं रहेगी बल्कि हम वहां विश्व स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक सिटी देने जा रहे हैं और फाइनेशियल सिटी भी प्रस्तावित करने जा रहे हैं, जहां से हर प्रकार की आर्थिक एवं वित्तीय गतिविधियों का संचालन किया जा सके। योगी ने कहा कि भारतीय सिनेमा ने न सिर्फ भारत के अंदर बल्कि देशों तक देश की संस्कृति और सभ्यता को पहुंचाया है। उन्होंने फिल्मकारों को उत्तर प्रदेश में आकर फिल्में बनाने का न्योता देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के पास सबसे बेहतर कनेक्टिविटी (संपर्क)है। जेवर इलाके में 5000 एकड़ में हवाई अड्डा बन रहा है। इसके साथसाथ हमने मूलभूत ढांचे पर भी खासा ध्यान दिया है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इस बैठक से जुड़े अभिनेता अनुपम खेर ने उम्मीद जताई कि फिल्म सिटी को लेकर सरकार पूरी तरह पेशेवर रुख अपनाएगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से ताजमहल उत्तर प्रदेश में है लेकिन विश्व भर में इसकी प्रशंसा होती है, उसी तरह यह फिल्म सिटी भी पूरे देश की होगी। यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है। निर्मातानिर्देशक सतीश कौशिक ने इस मौके पर कहा कि अभी तक हिदी फिल्मों के लिए मुंबई के रूप में एक ही दरवाजा था, लेकिन योगी सरकार ने इस फिल्म सिटी के जरिए दूसरा दरवाजा खोल दिया है। अब कलाकारों और नौजवानों के पास विकल्प है। उन्होंने उत्तर प्रदेश को देश का एकमात्र शूटिग फ्रेंडली स्टेट'करार दिया। कौशिक ने प्रदेश में फिल्में दिखाने के लिए सिनेमाघरों की कमी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि हमारे पास फिल्में दिखाने के लिए थिएटर बहुत कम है। हमें ज्यादा से ज्यादा सिनेमाघर बनाने होंगे।

देश भर के विश्वविद्यालयों और कालेजों में पहले वर्ष के छात्रों की एक नवंबर से लगेगी क्लास

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। देश भर के विश्वविद्यालयों और कालेजों में अंडर ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट की पहले वर्ष की पढ़ाई अब एक नवंबर से शुरु हो जाएगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इसे लेकर नया एकेडमिक कैलेंडर जारी किया है। साथ ही सभी विश्वविद्यालयों से पहले वर्ष की प्रवेश प्रक्रिया को 31 अक्टूबर तक पूरा करने के भी निर्देश दिए है। इसके साथ ही पहले वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों की पहली परीक्षा भी मार्च 2021 में दूसरे हफ्ते में होगी। कोरोना संक्रमण के चलते मार्च से ही बंद पडे विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों को शुरु करने को लेकर यूजीसी ने प्रोफेसर आर सी कुहाड की अगुवाई में एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित की थी। जिसकी सिफारिश के बाद यह फैसला लिया गया है। यूजीसी ने इससे पहले इसी कमेटी के सुझावों के आधार पर अंतिम वर्ष की परीक्षाओं को लेकर भी निर्देश जारी किए थे। जिसमें सभी विश्वविद्यालयों को 30 सितंबर तक अंतिम वर्ष की परीक्षाएं कराना जरूरी था। हालांकि इसे लेकर कई राज्यों के साथ खूब विवाद हुआ, बाद में सुप्रीम कोर्ट के

आदेश के बाद मामला सुलझा। जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने सभी विश्वविद्यालयों के लिए अंतिम वर्ष की परीक्षाओं को जरूरी बताया था। साथ ही कहा था कि इसके बगैर किसी को भी प्रमोट नहीं किया जा सकता है। इस बीच नई गाइडलाइन में यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों से 18 नवंबर 2020 हर हाल में रिजल्ट घोषित करने को कहा है। ताकि समय से पढ़ाई शुरु हो सके। हालांकि ज्यादातर विवि ने अक्टूबर में ही रिजल्ट जारी करने की तैयारी की है। यूजीसी ने इसके साथ ही सभी विश्वविद्यालयों से शैक्षणिक सत्र202021 और 2021 22 में हफ्ते में छह दिन पढ़ाने का सुझाव दिया है। साथ ही इस दौरान कम से कम छुट्टियां करने के भी निर्देश दिए है। वहीं यदि कोई छात्र 30 नवंबर तक अपने प्रवेश को रद्द कराकर रिफंड लेना चाहता है, तो उसे पहले तो बगैर राशि को काटे हुए पूरी फीस लौटाई जाए। यदि कुछ राशि काटनी जरूरी हो, तो वह भी अधिकतम एक हजार से अधिक नही होनी चाहिए। यूजीसी ने इसके साथ ही अपने दिशानिर्देशों में सभी विवि और कालेजों के लिए गृह मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी एडवाइजरी और प्रोटोकाल का पालन करना जरूरी बताया है। साथ ही सभी विवि और कालेजों से आनलाइन पढ़ाई से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को तैयार करने पर भी जोर दिया है।

बडगाम में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में आतंकवादी ढेर, जवान घायल

श्रीनगर। जम्मूकश्मीर के बडगाम जिले में मंगलवार को घेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और सुरक्षा बल का एक जवान घायल हो गया। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यह मुठभेड़ सोमवार रात शुरू हुई और अंतिम रिपोर्ट मिलने तक जारी थी। मुठभेड़ के दौरान आतंकवादी आज सुबह मारा गया जबकि जवान कल रात घायल हुआ था। नौहर्द और चदूरा चरार ए शरीफ में अभियान चलाये जाने के कारण हजरत शेख नूरुद्दीन वली की दरगाह तक जाने वाली सड़क को बंद कर दिया गया है। आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर जम्मू कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह, राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने बडगाम के नौहर्द और चरार ए शरीफ में सोमवार रात तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल के जवान पूरे इलाके की घेराबंदी कर घरघर तलाशी ले रहे थे। इसी दौरान जब वे एक मकान की ओर आगे बढ़ रहे थे ।

6 अक्टूबर तक जेल में रहेंगी रिया दाखिल की जमानत याचिका

(विशेष संवाददाता)

मुंबई । अमिनेता सुशांत सिंह राजपूत की संदिग्ध मौत से जुड़े ड्रग केस में गिरफ्तार अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को अभी कुछ दिन और जेल में ही रहना पड़ेगा। मामले में विशेष **NDPS** अदालत ने रिया की न्यायिक हिरासत को 6 अक्टूबर तक बढ़ा दिया है।

रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शौविक चक्रवर्ती ने बांबे हाई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। बता दें कि दोनों को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया है। अभिनेता सुशांत की 14 जून को हुई संदिग्ध हालात में मौत के मामलों में अब तक 19 लोगों को एनसीबी गिरफ्तार कर चुकी है।

बता दें कि रिया चक्रवर्ती के फोन की पुरानी वाट्सएप चैट्स खंगालते हुए ईडी के सामने रिया और जया साहा के बीच की कुछ ऐसी चैट्स सामने आई थीं जिनसे बॉलीवुड के कई सितारों के नाम अब ड्रग्स रैकेट से जुड़ते जा रहे हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस मामले में एनसीबी बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान और रकुल

प्रीत सिंह के अलावा फैशन डिजायनर सिमोन खंबाटा को समन भेजने जा रही है।

उधर, बांबे हाई कोर्ट ने ड्रग पैडलर जैद विलात्रा की जमानत याचिका पर एनसीबी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

सुशांत सिंह की मौत से जुड़े मामले में एनसीबी ने विलात्रा को चार सितंबर को गिरफ्तार किया था। एनसीबी की ओर से पेश एडीशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह के अनुरोध पर जस्टिस रेवती मोहिते डेरे की एक सदस्यीय पीठ ने जवाब दाखिल करने के लिए 30 सितंबर तक का समय दिया है।

पहले रिया को मेडिकल जांच के बाद एक वीडियो लिंक के माध्यम से अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत के सामने पेश किया गया था। अदालत ने रिया की जमानत याचिका खारिज करते हुए उसे 22 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

विपक्ष के दुष्प्रचार से सावधान रहें देश के किसान भाई

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने दिलाया विश्वास, जारी रहेगी एमएसपी और मंडी व्यवस्था

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 22 सितम्बर । केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि कृषि विधेयक ने तरक्की का प्रावधान किया है, लिहाजा देशभर के किसान भाई विपक्ष के दुष्प्रचार से सावधान रहें। शेखावत ने किसानों को विश्वास दिलाया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मूल्य मिलता रहा है, मिलता रहेगा, मंडी व्यवस्था पहले की तरह ही जारी रहेगी। मोदी सरकार की साल 2014 से इस बात की वचनबद्ध रही है कि हम किसानों को निश्चित लागत मूल्य के ऊपर 50 प्रतिशत लाभ के साथ एमएसपी प्रदान करेंगे। हमने केवल एमएसपी नहीं बढ़ाया, बल्कि सरकारी खरीद में भी बढ़ोतरी की है। शेखावत ने कहा कि कई राज्यों में किसान बड़े कॉर्पोरेट के साथ मिलकर उत्पाद प्रोड्यूस कर रहे हैं। अब छोटे किसानों भी गारंटीड मुनाफे के साथ टेक्नोलॉजी का लाभ उठा पाएंगे।

उन्होंने कहा कि बिल में साफ निर्देशित है कि किसानों की जमीन की बिक्री, लीज और गिरवी रखना पूरी तरह से निषिद्ध है। इस बिल में फसलों का करार होगा, न कि जमीन का। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार स्वामीनाथ कमेटी की रिपोर्ट को गाइड बुक की तरह मानते हुए किसान के पुनरुद्धार के लिए काम कर रही है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विपक्ष पर किसानों को भ्रमित करने का आरोप लगाया। साथ ही आंकड़ें पेश करते हुए कहा कि पहली बार देश में कृषि क्षेत्र की चिंता और चिंतन के अनुरूप काम करने वाली सरकार आई है। हमने पिछले छह साल में किसान को 3 लाख

करोड़ से ज्यादा का लाभ पहुंचाया है। देश और किसान इस बात को महसूस करता है।

शेखावत ने कहा कि दलहन के क्षेत्र में 2009-2014 तक केवल 3100 करोड़ रुपए का प्रोक्युर्मन्ट (सरकारी खरीद) हुआ, लेकिन मोदी सरकार के छह साल में दलहन तिलहन का 74,883 करोड़ रुपए का प्रोक्युर्मन्ट हुआ है, यानी किसान के घर 71,00 करोड़ रुपए अतिरिक्त गया। किसान सम्मान निधि में छह हजार रुपए हर साल किसान को सरकार दे रही है। उन्होंने दलहन, तिलहन, गेहूं, धान, चना समेत अन्य जिंस में बढ़ाई एम.एस.पी के आंकड़े भी दिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के लोग बारबार ऋण माफी की बात करते हैं। मनमोहन सिंह के समय दस साल में एक बार 50 हजार करोड़ की ऋण माफी की गई, लेकिन हमने दलहन तिलहन के अलावा गेहूंचावल में 1 लाख करोड़ का अतिरिक्त प्रोक्युर्मन्ट पिछले पांच साल में किया। किसान सम्मान निधि में 75 हजार करोड़ में इनवेस्टमेंट किया। 50 हजार करोड़ रुपए किसान को इंश्योरेंस के माध्यम से मिला है। कुल मिलाकर 3 लाख करोड़ रुपए किसान के घर अतिरिक्त गए हैं। किसान के पुनरुद्धार के लिए मोदी सरकार ने ही काम किया। इस

स्वामीनाथन रिपोर्ट पर यूपीए ने दस साल कुछ नहीं किया

शेखावत ने कहा कि अटल जी की सरकार ने स्वामीनाथन के नेतृत्व में नेशनल फॉर्मर्स कमिशन की स्थापना की थी, 2004 से 2006 तक तत्कालीन यूपीए सरकार के समय स्वामीनाथन ने चार सेट अपनी अनुशंषाएं दीं। दुर्भाग्य से 2014 तक इस दिशा में कोई काम नहीं हुआ। मोदी सरकार बनने के बाद कृषि क्षेत्र के पुनरुद्धार और सुदृढ़ीकरण के लिए स्वामीनाथन कमेटी पर काम हुआ।

बात को मैं नहीं, स्वयं स्वामीनाथ ने लेख लिखकर स्वीकार किया है।

सिंचाई को लेकर बंद प्रोजेक्ट शुरू कराए

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वामीनाथन कमेटी ने कहा था कि कृषि क्षेत्र में सुधार करना है तो सबसे पहले सिंचाई की क्षमता को बढ़ाना पड़ेगा। मोदी सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना आई। 99 प्रतिशत प्रोजेक्ट ऐसे थे। मैं आज प्रसन्नता के साथ कह सकता हूं कि उसमें से लगभग 60 प्रतिशत से ज्यादा प्रोजेक्ट या तो पूरे हो गए हैं या लगभग पूरे होने वाले हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने नारा दिया पर ड्रापमोर क्राप, हमने किसान को साथ लेकर वाटर मैनेजमेंट पर काम शुरू किया।